ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा ने 50:50 अनुपात में आवंटित स्थलों को रद्द करने की मांग की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 04 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-247

प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई पहुंचे, क्राउन प्रिंस ने किया भव्य स्वागत

मोदी का ऐलान, हाथ मिला सुल्तान

सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के न्यौते पर ब्रुनेई पहुंचे मोदी

द. चीन सागर की सीमा पर बसा देश भारत के लिए महत्वपूर्ण

ब्रुनेई को भड़काने में लगे थे भारत के खिलाफ षडयंत्र रचने वाले

प्रधानमंत्री मोदी उन षडयंत्रों पर पानी फेरने के लिए ब्रुनेई गए हैं

ब्रुनेई, 03 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार राजकीय यात्रा पर ब्रुनेई पहुंचे। ब्रुनेई के क्राउन प्रिंस हाजी अल मुहतदी बिल्लाह ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी 3 से 4 सितंबर तक ब्रुनेई की यात्रा पर रहेंगे। उसके बाद वे सिंगापुर जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई यात्रा भारत और ब्रुनेई के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। करीब 4.5 लाख आबादी वाला देश भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और एशिया-प्रशांत के विजन के लिए एक अहम भागीदार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रुनेई यात्रा इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत के खिलाफ षडयंत्र रचने वाली ताकतें ब्रुनेई को भारत के खिलाफ भड़काने में लगातार लगी हुई थीं। इनमें भारत के नेता भी शामिल थे। मोदी उन षडयंत्रों पर पानी फेरने के लिए ब्रुनेई गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण पर 3 और 4 सितंबर को ब्रुनेई में रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ मानते हैं कि पीएम मोदी की ब्रुनेई यात्रा गहरे मायने हैं। ब्रुनेई रवाना होने के पहले पीएम मोदी ने भी कहा कि इस दौरे से दोनों देश के ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी का ब्रुनेई दौरा ऐतिहासिक इसलिए भी है कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का ब्रुनेई का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। यह यात्रा उस वक्त हो रही है जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। ▶10 पर

पीएम मोदी की सिंगापुर यात्रा भी बेहद अहम

प्रधानमंत्री मोदी ब्रूनेई के बाद सिंगापुर की यात्रा करेंगे। वह सिंगापुर के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। पीएम मोदी के सिंगापुर दौरे पर मेरीटाइम सिक्योरिटी (समुद्री सुरक्षा) पर भी बातचीत होगी। मजूमदार ने कहा कि दक्षिणी चीन सागर की स्थिति को देखते हुए समुद्री सुरक्षा पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि ब्रुनेई और सिंगापुर दौरे पर पीएम मोदी म्यांमार के हालात पर भी चर्चा कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय के सचिव जयदीप मजूमदार ने बताया कि प्रधानमंत्री ब्रुनेई के बाद सिंगापुर के दौरे पर रहेंगे। यह छह साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का सिंगापुर दौरा हो रहा है। मजूमदार ने बताया कि पीएम मोदी का सिंगापुर दौरा व्यापार और निवेश के लिहाज से अहम है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर आसियान देशों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। साथ ही देश में बीते साल हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में सिंगापुर का बड़ा हिस्सा था। सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सिंगापुर दौरे पर पीएम मोदी विभिन्न सीईओ के साथ बैठक करेंगे। ▶10 पर

सेना के सेंट्रल कमांड लखनऊ में सशस्त्र सैन्य समारोह

हमारे वीर सैनिक ही वास्तविक राष्ट्र नायक हैं

- *देश की सक्षम और समर्पित सेना पर गर्व है : योगी*
- *भारत की सेना दुनिया में अद्वितीय और अपराजेय*

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। सशस्त्र बल केवल एक रक्षा ढांचा मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्र की सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी है, इसे हमें याद रखना चाहिये। हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बगैर देश की सेवा में तत्पर रहते हैं। यही वजह है कि वह जन जनमानस के मन में राष्ट्र नायक के रूप में सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे पास ऐसी सक्षम और समर्पित सेना है, जो हर स्थिति में देश की सुरक्षा करने में सक्षम है। भारत की सेना दुनिया की अद्वितीय और अपराजेय सेना है, जिसने सदैव अपनी ताकत, अनुशासन और तकनीकी क्षमता का लोहा न केवल दुश्मनों को मनवाया है, बल्कि देश के अंदर भी सम और विषम दोनों परिस्थितियों में एक सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करते हुए अपना उत्कृष्टतम प्रदर्शन और सहयोग दिया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय सेना के मध्य कमान मुख्यालय में मनाए जा रहे सशस्त्र सैन्य समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एकीकृत कमान, जिसमें थल, नभ और जल तीनों सेनाएं आपसी समन्वय से आसानी से कैसे दुश्मन को परास्त कर विजय प्राप्त करती हैं, उसकी एक झलक हम सबने यहां देखी है। ▶6 पर

ममता बनर्जी का नया शिगूफा

अब बंगाल में बनेगी अपराजिता टास्क फोर्स

कोलकाता, 03 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा से दुष्कर्म विरोधी विधेयक पास हो गया है। इस दौरान सीएम ममता बनर्जी ने विधेयक को ऐतिहासिक बताया और कहा कि राज्य में विशेष अपराजिता टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिससे महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच में तेजी आएगी। विपक्षी पार्टी भाजपा ने भी इस विधेयक पर सरकार का समर्थन किया, लेकिन कहा कि वह चाहते हैं कि जल्द से जल्द विधेयक को कानून बनाकर लागू किया जाए। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम बस नतीजे चाहते हैं।

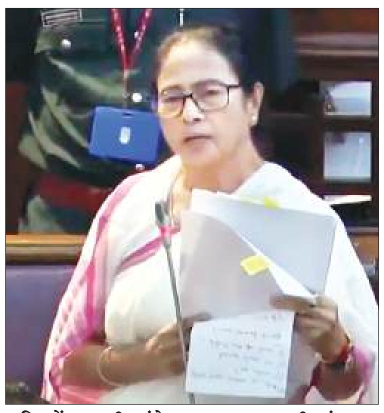

अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 पर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता, उसके परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करती हूं। यह ऐतिहासिक विधेयक है। विधेयक का उद्देश्य त्वरित जांच, त्वरित न्याय और दोषियों को कड़ी सजा देना है। उन्होंने कहा, दुष्कर्म मानवता के खिलाफ अभिशाप है और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक के प्रावधानों के तहत हम जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक विशेष अपराजिता टास्क फोर्स का गठन करेंगे। जिससे तय समय में महिला-बाल अपराधों के मामले में जांच पूरी कर दोषियों को सजा दिलाई जा सकेगी।बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से उनकी सरकार ने पीड़ितों और उनके परिजनों को न्याय दिलाने के लिए केंद्रीय कानूनों में मौजूद खामियों को दूर करने की कोशिश की है। साथ ही ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे की मांग की, जो महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून लागू करने में सक्षम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपराजिता महिला-बाल विधेयक को ऐतिहासिक बताते हुए अन्य राज्यों के लिए भी इस विधेयक को आदर्श बताया। ▶10 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

सेना के लिए खरीदे जाएंगे 1.45 लाख करोड़ के रक्षा उपकरण

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बड़ी पहल की है। रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में 1.45 लाख करोड़ से टैंक के लिए आधुनिक कॉम्बैट व्हीकल्स और गश्ती जहाज समेत कई अन्य रक्षा उपकरणों की खरीद के 10 प्रस्तावों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंजूरी दी। इन रक्षा उपकरणों की लागत का कुल 99 फीसदी हिस्सा भारतीय स्तर डिजाइन, विकसित और निर्मित है।

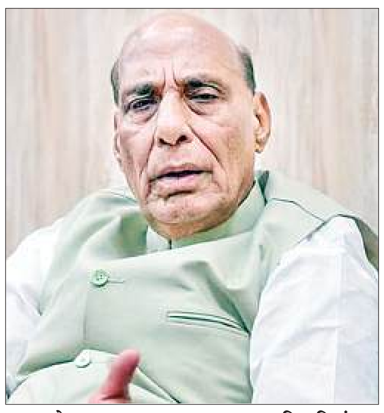

रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में भारतीय सेना के टैंक बेड़े के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स (एफआरसीवी) की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे युद्धक टैंक बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों की क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक और घातक स्थिति पर काबू पाने और वास्तविक समय पर जागरूकता के साथ काम कर सकेंगे।

इसके अलावा वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रडार की खरीद पर सहमति जताई गई। यह रडार हवाई लक्ष्यों का पता लगाकर उनको ट्रैक करेगा। साथ ही फायरिंग समाधान देगा। इस प्रस्ताव को फॉरवर्ड रिपेयर टीम (ट्रैक्ड) के लिए भी मंजूरी दे दी गई है। यह उपकरण बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। साथ ही मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री बटालियन और बख्तरबंद रेजीमेंट दोनों के लिए अधिकृत है। बैठक में भारतीय तटरक्षक बल (खउऋ) की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तीन प्रस्तावों पर सहमति बनी। इसमें डोर्नियर-228 विमान जो खराब मौसम में उच्च परिचालन सुविधा के साथ अगली पीढ़ी के तेज गश्ती जहाज हैं। गश्ती जहाजों की खरीद से समुद्री क्षेत्र, खोज एवं बचाव और आपदा राहत अभियान के दौरान आईसीजी की निगरानी, गश्त करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिवंगत भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल के निधन पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। डीजी राकेश पाल का 18 अगस्त को चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। इस दौरान रक्षा मंत्रालय और परिषद के तमाम अफसर मौजूद रहे।

सीबीआई की चार्जशीट पर केजरीवाल और पाठक को समन

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज ऐवन्यू कोर्ट ने 11 सितंबर तक बढ़ा दी है।

दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई के मामले में आपा नेता दुर्गेश पाठक, अमित अरोड़ा, आशीष माथुर, पी शरद रेड्डी, विनोद चौहान को भी आरोपी के रूप में समन जारी किया। राउज ऐवन्यू कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। इसी मामले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर राउज ऐवन्यू कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने केजरीवाल के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट जारी किया है। केजरीवाल को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश करने का निर्देश दिया है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की एक अदालत ने कथित दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आप के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर की रिहाई का आदेश जारी किया। बीते दिन ही कोर्ट ने नायर को जमानत दे दी थी।

दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर नक्सलियों से मुठभेड़

सुरक्षाबलों ने नौ माओवादियों को मार गिराया

दंतेवाड़ा, बीजापुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ नौ नक्सली मारे गए। माओवादियों के शवों के साथ भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं।

पश्चिम बस्तर डिवीजन में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। तीन सितंबर को सुबह सर्चिंग के दौरान जवानों और नक्सलियों से हुआ तभी गोलीबारी के दौरान नौ माओवादी मारे गए। फिलहाल फायरिंग रुक-रुक कर जारी है, और जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। जंगली इलाके में नक्सलियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले की पुलिस ने अन्य सुरक्षाबलों के साथ मिलकर ऑपरेशन चलाया। अभी मुठभेड़ जारी है। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 09 नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। इसके साथ ही बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों द्वारा 13 सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किए जाने की भी खबर प्राप्त हुई है। निश्चित ही यह सुरक्षाबल के जवानों के लिए बड़ी सफलता है। मैं इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा अधिकारियों, जवानों की ▶10 पर

आईटीबीपी जवानों ने दुनिया का सबसे ऊंचा ट्रैक पार किया

उत्तरकाशी, 03 सितंबर (एजेंसियां)। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के जवानों ने विषम परिस्थितियों में दुनिया के सबसे ऊंचे ट्रैक कालिंदीखाल-बदरीनाथ ट्रैक (19495 फीट) को सफलतापूर्वक पार किया है। आईटीबीपी के इस दल में गाइड सहित 17 जवान शामिल रहे।

ट्रेकिंग एजेंसी से जुड़े गाइड सूर्य प्रकाश ने बताया कि 12 अगस्त को भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल का एक 17 सदस्यीय दल 12 अगस्त को कालिंदीखाल-बदरीनाथ ट्रैक के लिए रवाना हुआ। बल के जवान मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त ट्रैक से होते हुए रक्तवन, खड़ापत्थर होते हुए कालिंदी बेस से कांलिदीखाल पास पहुंचे।

यह पास समुद्रतल से करीब 19 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर है। यह पास पूरी तरह क्रैवास के ऊपर बना हुआ है। आईटीबीपी के जवानों ने 22 से 23 अगस्त को कांलिदीखाल पास को पारकर करीब 80 बर्फीले नालों को पार कर गस्तोली होते हुए 30 अगस्त को बद्रीनाथ पहुंचे। सूर्यप्रकाश ने बताया कि उन्होंने अपने गाइडिंग जीवन के अनुभव में छठवीं बार कालिंदीखाल-बदरीनाथ ट्रैक पार किया है, लेकिन यह अनुभव सबसे अलग था।

यह ट्रैक ऐसे समय में पार किया गया, जब गंगोत्री ग्लेशियर में इस समय पर्वतारोहण के लिए गोमुख-तपोवन ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के कारण बंद रखा गया है। यह आरोहण बल के अधिकारियों और जवानों के अदम्य साहस का जीता जागता उदाहरण है। हालांकि गंगोत्री नेशनल पार्क के उपनिदेशक आरएन पांडेय का कहना है कि यह आईटीबीपी का अधिकारिक और रूटीन कार्यक्रम था।

मोदी की यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर सियासत कर रहा विपक्ष

ओपीएस लागू करना विपक्ष के एजेंडे में नहीं

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एनपीएस में सुधार कर पिछले दिनों नई पेंशन योजना यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करने की घोषणा की। अगले वर्ष पहली अप्रैल से यह योजना लागू हो जाएगी। केंद्र एवं राज्यों के अधिकांश कर्मचारी संगठनों ने यूपीएस की खिलाफत करते हुए विरोध का बिगुल बजा दिया है। दोबारा आंदोलन प्रारंभ करने की चेतावनी दी गई है। कुछ संगठन ऐसे भी हैं, जो अभी यूपीएस पर नोटिफिकेशन जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। उसके बाद आगे की रणनीति तय करेंगे। इस बीच पेंशन योजना को लेकर एक बड़ा सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले तक जो विपक्षी दल ओपीएस के समर्थन में खड़े थे, आज उनमें से अधिकांश पार्टियां, खुलकर सामने नहीं आ रही हैं। आखिर, 91 लाख एनपीएस कर्मी और 12000 करोड़ रुपए महीना, इसे लेकर क्या पर्दे के पीछे कोई सच्चाई छिपी है। प्रमुख

डॉ मंजीत सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष AINPSEF

विपक्षी दल, कांग्रेस पार्टी ओपीएस पर अपने पत्ते नहीं खोल रही है। वह केवल ओछी सियासत कर रही है। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल साफ साफ कहते हैं, बहुत संभव है कि एनपीएस को खत्म कर हुबहू ओपीएस बहाल करना कांग्रेस का एक शिगूफा मात्र हो। उन्होंने कई ऐसे कारण गिनाए हैं, जिनके चलते विपक्षी दल ओल्ड पेंशन स्कीम को कोर मुद्दे के तौर पर अपनाना नहीं चाहते।

देश में लंबे समय से ओपीएस बहाली के मुद्दे पर चर्चा जारी है। कर्मचारियों ने बड़े आंदोलन किए हैं। लोकसभा चुनाव में कर्मचारियों का रुझान पोस्टल बैलट पर वर्तमान सत्तधारी पार्टी के खिलाफ दिखाई दिया। इसके बाद 24 अगस्त को, भारत सरकार द्वारा गठित की गई एनपीएस रिव्यू कमिटी के मुखिया टीवी सोमनाथन ने नई पेंशन स्कीम के समानांतर यूनिफाइड पेंशन स्कीम का मसौदा पेश कर दिया। देश की ज्यादातर हिस्सों में यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस के खिलाफ कर्मचारियों का गुस्सा दिखाई पड़ रहा है। ▶10 पर

सामायिक आज के जीवन शैली से उत्पन्न तनाव का समाधान: साध्वी सिद्ध प्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर, राज-ाजीनगर, राजाराजेश्वरी नगर, एचबीएसटी हनुमंत नगर, यशवंतपुर ने सामूहिक रूप में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के सानिध्य में जैन धर्म के मुख्य पर्व पर्वाधिराज पर्युषण के तृतीय दिन सामायिक दिवस के अवसर पर अभिनव सामायिक कार्यक्रम आयोजित किया।

साध्वी ने कहा वर्तमान समय में हर व्यक्ति तनाव, मानसिक परेशानियों से गुजर रहा है, सामायिक के दौरान एक घंटे का समय पर से स्व की ओर ले जायेगा। सामायिक का तात्पर्य है अपने में रमण करना, अपने साथ जीना। सामायिक से बाहर और भीतर का संतुलन स्थापित होता है तथा सही दृष्टिकोण का निर्माण होता है। साध्वी ने कहा सामायिक धर्म की निष्पति है, उपवास में भूख सहनी होती है। आतापना में ताप सहना पड़ता है। सर्दी भी सहन करनी पड़ती है, किंतु सामायिक में तो कोई कष्ट नहीं सहन करना पड़ता है। भगवान महावीर ने सामायिक के महत्व की देशणा प्रदान करते हुए सामायिक के दो प्रकार द्रव्य और भाव सामायिक का विवेचन किया। अभिनव सामायिक की शुरुआत आचार्य श्री तुलसी ने जन सामान्य में एकरूपता से समता की साधना के विकास हेतु की। साध्वी आस्था प्रभा जी ने भगवान महावीर की भव परम्परा का वर्णन किया तथा अभिनव सामायिक के अंतर्गत निर्धारित त्रिपदी वंदना, जप, ध्यान, स्वाध्याय के क्रमशः प्रयोग कराएं। तेरापंथ युवक परिषद राजाराजेश्वरी नगर अध्यक्ष बिकास छाजेड, हनुमंत नगर अध्यक्ष कमलेश झाबक, यशवंतपुर अध्यक्ष महावीर गन्ना, राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरडिया के अलावा विजयनगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने उपस्थित मुख्य अतिथि विमल कटारिया, अभातेयुप परिवार, सभा, परिषद, अणुविभा, टीपीएफ, महिलामंडल, सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों, श्रावक श्राविका समाज का स्वागत अभिनंदन किया। विजयनगर शाखा प्रभारी रोहित कोठारी, मैं हूं सामायिक साधक राष्ट्रीय प्रभारी राकेश दक ने शुभकामना प्रेषित करते हुए सामायिक के लाभ बताए। अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने सामायिक द्वारा समता की साधना से जीवन में बदलाव की बात कही तथा युवाओं को सामायिक अभ्यास की प्रेरणा दी।

क्रोध मानव के लिए हानिकारक: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ वरुणमुनि ने पर्युषण महापर्व के तृतीय दिवस कहा कि परमात्मा ने संसार में तिरने के दो धर्म बताएं हैं। एक अणगार धर्म और दूसरा आगार धर्म। चाहे साधु बनो या श्रावक धर्म के कार्य में कभी प्रमाद मत करो। जहां वैराग्य का रंग चढ जाता है वहाँ कोई भी रंग काम नहीं करता। अंतगढ़दंशांक सूत्र के विवेचन में गजसुकुमाल का दृष्टांत बताते हुए कहा कि साधना की राह पर चलना है तो उत्कृष्ट साधना करना।

श्रीकृष्ण को पता था कि गजसुकुमाल के जीवन में दीक्षा के पश्चात उपसर्ग आयेंगे फिर भी उन्होंने धर्म की दलाली करते हुए उन्हें संयम मार्ग पर बढ़ने से नहीं रोका। गजसुकुमाल ने अपना कर्म मानकर घोर उपसर्ग को सहन किया और सहनशीलता रखी। जो सहनशीलता रखता है वह अपनी आत्मा का कल्याण करता है। गजसुकुमाल क्षमा के पुजारी थे। सिर पर अंगारे रखे तो भी कोई बैर ना रखते हुए समभाव से उन्हें सहन किया। गजसुकुमाल को 99 लाख भव के बाद कर्मों को भोगना पड़ा। ये कर्म किसी को नहीं छोड़ते। इनका भुगतान कभी ना कभी करना ही पड़ता है। व्यक्ति चाहता तो गजसुकुमाल बनना है लेकिन कार्य सोमल ब्राह्मण जैसे करता है। उन्होंने कहा क्रोध हमारे जीवन को विनाश की ओर ले जाता है। क्रोध मानव के लिए हानिकारक है। क्रोध जब आता है तो व्यक्ति को अंधा बना देता है और जब जाता है तब शर्मिंदा। क्रोध को गुस्से को जीतना चाहते हो तो यह बाते अवश्य याद रखो। जब भी गुस्सा आये मुँह में पानी भर लो, उस स्थान को छोड़ कर चले जाओ, हो सके तो मौन कर लो या फिर उस समय को टाल दो। तो आप अवश्य गुस्से पर जीत हासिल कर सकते हो। अष्टदिवसीय नवकार महामंत्र अखंड जाप गतिमान है। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुगण उपस्थित हुए। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया।

अभिनव सामायिक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद टी. दासरहल्ली में जैनों के प्रमुख पर्व पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन अभिनव सामायिक का आयोजन हुआ। उपासक मांगीलाल पितलिया, नैनमल कोठारी की गरिमामयी उपस्थिति में स्थानीय तेरापंथ भवन में श्रावक-श्राविकाओं द्वारा सामायिक आराधना की गई। गुरुकुल वास में 47 दिन की तपस्या के साथ देवलोक गमन हुई साध्वी श्री धैर्यप्रभा जी की सूचना, परिचय एवं उनके स्मृति में दो लोगस्थ पाठ का स्मरण किया गया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तेयुप पूर्व अध्यक्ष मुकेश

चावत, कन्हैयालाल गांधी ने विजय गीत का संगान किया। सभा ट्रस्ट अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया।

अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने पधारे श्रावक-श्राविका समाज का स्वागत किया। उपासक नैनमल कोठारी ने अभिनव सामायिक अनुष्ठान में संभागी विशाल श्रावक श्राविका समाज को उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा भारत की आध्यात्म परंपरा में सभी धर्मों का सार है, संतुलित जीवन-शैली। यह समता से प्राप्त होती है उसका प्रयोगात्मक अनुष्ठान है सामायिक। सामायिक में व्यक्ति 48 मिनट के लिए सांसारिक सभी कार्यों से उपरत होकर स्वाध्याय, जप एवं ध्यान साधना से शुभ भावों में रमण करता है। यह आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञजी एवं वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी की विशेष प्रेरणा के साथ आशीर्वाद है।

कर्मबंध के समय पूर्ण जागृति रखें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के चतुर्थ दिवस कहा कि जिस तरह तीर्थ में सर्वश्रेष्ठ सिद्धाचल तीर्थ है, इसी तरह पर्वों में सर्वश्रेष्ठ पर्युषण महापर्व है। जो स्वयं राग द्वेष को जीत चुके हैं उन्हें हमें भावपूर्वक वंदना करनी है। हमारे सबसे आसन्न उपकारी परमात्मा तीर्थंकर महावीर है। महावीर की आत्मा और हमारी आत्मा एक जैसी है। महावीर ने ऐसी साधना की जिससे वह राग द्वेष से मुक्त हो गए और सम्यक्त्व प्राप्त होने के पश्चात उनके 27 भावों का वर्णन शास्त्रों में आता है। जिसने आदिनाथ,

नेमिनाथ, पार्श्वनाथ और महावीर परमात्मा के जीवन को पूरी तरह से जान लिया हो वह व्यक्ति कभी भी गलती नहीं करेगा। कर्मों के परिणाम किसी को भी नहीं छोड़ते हैं, हमें कोई भी प्रवृत्ति करने से पूर्व कर्म राजा के बारे में विचार करना है। कर्मों के प्रतिफल से कोई नहीं बच सकता है। कर्मों की लीला हमें भगवान महावीर के जीवन से समझनी है। द्वेष के कारण भवों भवों तक भटकने की कहानी भगवान पार्श्वनाथ के जीवन चरित्र से हमें समझनी है। राग की परंपरा को हमें भगवान नेमिनाथ के जीवन से समझना है। एक छोटी सी गलती का परिणाम हमें महावीर आदिनाथ के जीवन से समझना है।

कर्मों के बंध के समय का रस और प्रकृति से उसका परिणाम प्राप्त होता है। कर्मबंध के समय तो हम दुखी नहीं होते लेकिन जब कर्मों का फल उदय में आता है तब हम अत्यंत दुखी हो जाते हैं। इसलिए कर्मों के बंध के समय हमें बहुत ही जागृत रहना है। सम्यक दर्शन की प्राप्ति के पश्चात हमारी भवों की गिनती शुरू होती है। आदिनाथ को सम्मयक्त प्राप्ति के 13 भवों के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति हुई इसी तरह नेमिनाथ के नौ भव, पार्श्वनाथ के 10 भव और महावीर के सम्यक्त्व प्राप्ति के पश्चात 27 भव हुए। आत्मा में ज्ञान रूपी सूरज चमक रहा है लेकिन उसके ऊपर कर्मों का आवरण आने से वह ढका हुआ है। वह आवरण हटने से ज्ञान रूपी सूर्य प्रकट होगा। दादावाड़ी ट्रस्ट में बुधवार को त्रिशला माता के चौदह स्वप्नों का वर्णन और दर्शन सकल संघ को करवाने के पश्चात परमात्मा महावीर का पालना निहालचंद, लालचंद सोनीगरा परिवार के यहां बुधवार को चतुर्विध संघ के साथ गाजते बाजते जाएगा और उनके निवास स्थान पर परमात्मा की भक्ति आयोजित की जाएगी।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत मूलबागल के सरकारी विद्यालय के मैदान में नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीरणा गौड़ा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से भी ज्यादा विद्यालयों के लिए नोटबुक्स वितरित किए गए। विभिन्न विद्यालयों से आए हुए शिक्षकों को संबोधित करते हुए महेंद्र मुणोत ने कहा भारत की संस्कृति में शिक्षक का दर्जा भगवान के तुल्य है। माता-पिता बड़ी ही श्रद्धा एवं विश्वास के साथ अपने बच्चों को आपके हाथों सौंपते हैं, इसलिए आपका यह कर्तव्य बनता है कि आप उन बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों से पोषित कर अच्छा इंसान बनाएं।

तेयुप बेंगलूरु द्वारा अभिनव सामायिक के प्रयोग की प्रस्तुति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेयुप बेंगलूरु द्वारा अभिनव सामायिक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने की। विजय गीत का संगान प्रज्ञा संगीत सुधा ने किया।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन दिनेश पोखरणा ने किया एवं अपना स्वागत वक्तव्य दिया। तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी का स्वागत किया। शाखा प्रभारी अमित दक ने संस्कृत के श्लोक के माध्यम से सामयिक के महत्व को उजागर किया। पर्युषण पर्व का तृतीय दिवस अभिनव सामायिक के प्रयोग के साथ प्रारंभ हुआ।

साध्वी संगीतप्रभाजी ने अभिनव सामायिक के प्रतोक्ता गणाधिपति गुरुदेव तुलसी की स्मृति करते हुए चार चरणों की संपूर्ति के साथ सामायिक का सुंदर प्रयोग कराया। तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री राकेश ने त्रिपदी वंदना का प्रैक्टिकल प्रयोग करके दिखाया। मुख्य प्रवचन में साध्वी उदितयशाजी ने सामायिक की आराधना की व्याख्या करते हुए भगवान महावीर के मरीचि भव की सुंदर व्याख्या करते हुए कहा कि मरीचि संयम की साधना में अपने आप को असमर्थ महसूस करने लगा और वह मध्य मार्ग को स्वीकार करता हुआ विचरण करता हुआ त्रिदण्डी तापस बन गया। मुनि पैदल चलते हैं, स्नान नहीं करते, मन-वचन-काया से हिंसा से उपरत रहते हैं। लेकिन मरीचि ने सोचा मैं ऐसा नहीं कर सकता इसलिए दंड-पादुका, कमंडलु धारण करूंगा - कषाय वस्त्र धारण करूंगा। इस प्रकार वह शिथिल आचरण में लग गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में तेरापंथ सभा, महिला मंडल एवं सभी संघीय संस्थाओं का संपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री राकेश चौरडिया ने किया।

सामायिक दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ भवन हासन में, उपासक भंवरलाल मांडोत एवं छत्र सिंह मालू के सानिध्य में सामायिक दिवस के उपलक्ष्य में अभिनव सामायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपासक ने नमस्कार महामंत्र से किया। उसके पश्चात तेयुप के सदस्यों ने सामायिक पर मंगलाचरण गीतिका का संगान किया। उपासक छत्र सिंह ने सभी को अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाया। उपासक भंवरलाल मांडोत ने सामायिक के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं उदाहरण के रूप में भगवान महावीर के समय श्रेणिक राजा के बारे में बताया। सामायिक के बारे में सरल शब्दों में बताते हुए, नित्य सामायिक करने की प्रेरणा दी। मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

ओल्ड एज होम में वृद्धों को दी जरूरी सामग्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अमावस्या व पर्युषण पर्व के दौरान मंगलवार को पूर्वी प्लाजा स्थित बेंगलूरु जैन सेवा मंडल की ओर से सदस्यों ने मानव सेवा के अंतर्गत मागड़ी रोड स्थित गांधी ओल्ड एज होम में वृद्धों के लिए जरुरत की सामग्री वितरित की। जिसमें दैनिक उपयोगी सामग्री थी। साथ में हर दिन के कार्यों में धर्म व अहिंसा का पालन हम कैसे करें उस पर चर्चा की। गांधी ओल्ड एज होम के सचिव उग्रय्या का उनकी मानव सेवा के लिए मंडल की ओर से बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के उपाध्यक्ष दिलीप जैन ने आभार जताया। जैन ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा से बढकर कोई परोपकार नहीं हो सकता है।

माता पिता का चरण वंदन एवं भक्ति हमारी प्राचीन संस्कृति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के तीसरे दिन परंपरागत अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि माता पिता का चरण वंदन एवं भक्ति हमारी प्राचीन संस्कृति है। माता पिता साक्षात देव तुल्य होते हैं और उनको चरण स्पर्श से उनकी आंतडिया भींज जाती हैं और बदले में अनंत रहस्य से संपन्न आशीर्वादों की बौछार होती हैं। अभय कुमार बांठिया ने आगम का उद्धरण देते हुए कहा कि श्री कृष्ण स्वयं अपनी माताओं को नित्य प्रणाम करते थे। उनके पास बैठते थे और उनके सुख दुख का पूरा ध्यान रखते थे। श्री कृष्ण महापुरुष थे। इतने विशाल साम्राज्य के अधिपति भी मां के चरणों को पूज्य समझते थे। क्योंकि माता पिता कभी भी अपनी संतान से स्वार्थ की अपेक्षा नही रखते हैं। मात्र दो पल की अपेक्षा रखते हैं। वे देना जानते हैं। वे कुछ भी लेना नही चाहते हैं। श्री कृष्ण विवेक संपन्न महापुरुष थे। उनकी कथनी और करनी में विवेक था। इसी कारण आज वे सभी के आदर्श और अनुकरणीय है। मंगल पाठ और प्रत्याख्यान के साथ विवेचन संपन्न हुआ।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने वेट एवं मेजरमेंट डिपार्टमेंट की कन्ट्रोलर अनीता लक्ष्मी केएएस से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं व सुझावों को साझा किया। सचिव कैलाश बालर ने प्लास्टिक पैकिंग में रेडिमेड गारमेंट्स व होजरी में (बिना बॉक्स) माल पर डिपार्टमेंट द्वारा छुट देने का आग्रह किया। कन्ट्रोलर अनीता लक्ष्मी ने खागा प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं व सुझावों को सुना एवं डिपार्टमेंट को लिखित में ज्ञापन देने की बात कही। इस मौके पर संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, सिद्धार्थ जैन व कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल राजपुरोहित मौजूद थे।

मुडा घोटाला मामला

भाजपा ने 50:50 अनुपात में आवंटित स्थलों को रद्द करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार को सिद्धरामैया सरकार से मांग की कि वह 50:50 नियम के तहत मुडा द्वारा आवंटित हजारों स्थलों को रद्द करने के लिए अधिसूचना जारी करे। भाजपा ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई में देरी के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। राज्य सरकार ने सोमवार को पूर्व मुडा आयुक्त जी.टी. दिनेश कुमार को नागरिक एजेंसी में उनके कार्यकाल के दौरान उनके खिलाफ लगे गंभीर आरोपों के सिलसिले में निलंबित कर दिया। दिनेश कुमार को जांच लंबित रहने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित रखा गया है। उन्हें बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने को भी कहा गया है। पिछले सप्ताह उनको पदोन्नत करने के सरकार के कदम के बाद विवाद खड़ा हो गया था। इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि उन्हें इस घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। दिनेश कुमार पर आवंटन के मामले में सभी नियमों का उल्लंघन करके सिद्धरामैया के परिवार और भू-माफियाओं की मदद करने का आरोप है। उन पर मैसूरु के जिला आयुक्त द्वारा 50:50 के अनुपात में स्थलों के आवंटन के संबंध में बार-बार लिखे गए पत्रों पर भी आंखें मूंद लेने का आरोप है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कहा हमारी भाजपा सरकार के दौरान गठित तकनीकी समिति ने 3 नवंबर 2023 को कांग्रेस सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें कहा गया था कि 50:50 अनुपात के आधार पर भूखंडों का आवंटन नियमों के खिलाफ है। इस रिपोर्ट में मुडा में हो रहे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अवैधानिकताओं की पूरी जानकारी दी गई थी। तकनीकी समिति की जांच रिपोर्ट कांग्रेस सरकार के भ्रष्ट आचरण को दर्शाती धूल खा रही थी। अब हमने रिपोर्ट जारी की है। इसके बाद, कोई अन्य विकल्प नहीं बचा होने पर, उन्होंने मुडा में अवैधानिकताओं के पीछे के मास्टरमाइंड में से एक, पूर्व मुडा आयुक्त जी.टी. दिनेश कुमार को निलंबित कर दिया है। यह घोड़े के भाग जाने के बाद अस्तबल को बंद करने जैसा है, लेकिन कम से कम अब उन्होंने एक भ्रष्ट अधिकारी को निलंबित कर दिया है। सरकार को तुरंत मुडा में 50:50 अनुपात के तहत वितरित हजारों भूखंडों की बिक्री को रद्द करने की अधिसूचना जारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा निलंबन के लिए दिए गए कारणों में 50:50 अनुपात के तहत नियमों का उल्लंघन करते हुए भूखंडों का वितरण एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में उजागर किया गया है। यह दर्शाता है कि 50:50 अनुपात के तहत सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को पहले दिए गए 14 भूखंड पूरी तरह से अवैध और नियमों के विरुद्ध हैं। अजीब बात यह है कि एक पूर्व आयुक्त के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिसने मुख्यमंत्री के परिवार को 14 भूखंड आवंटित किए थे, लेकिन उन्हें सभी तरह की सहायता और रिटर्न दिया गया था। इस मामले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को अदालत के आदेश की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता क्यों है? जब सरकार ने खुद कहा है कि आपकी पत्नी को आवंटित भूखंड अवैध और नियमों के विरुद्ध हैं, तो आपको अब अपनी जिद को त्याग देना चाहिए, अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सम्मानजनक पद पर आए अपमान को दूर करना चाहिए और अपनी गरिमा को बनाए रखना चाहिए।

कर्नाटक उच्च न्यायालय मुडा मामले की जांच कर रहा है और इसकी सुनवाई 9 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। बदले में, सीएम सिद्धरामैया ने राज्यपाल के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

अंतरिम रोक को नौ सितंबर तक बढ़ा दिया

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक को नौ सितंबर तक बढ़ा दिया। न्यायालय ने मामले में उनके अभियोजन के लिए राज्यपाल थावरचंद की मंजूरी की वैधता को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। प्रतिवादी संख्या 4 (आर-4) स्नेहमयी कृष्णा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन ने सुनवाई फिर से शुरू होने पर दलीलें पेश कीं। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन की बात सुनी गई, महाधिवक्ता ने अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। मामले को 9 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे सूचीबद्ध किया जाता है। 19 अगस्त को दिया गया अंतरिम आदेश अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगा।

नेतृत्व परिवर्तन पर दिया जवाब

हाईकमान के फैसले का पालन करेंगे: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि वह शीर्ष पद से अपने प्रतिस्थापन की चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान और विधायकों के फैसले का पालन करेंगे। सीएम ने अपने गृहनगर मैसूरु में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता आर.वी. देशपांडे के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि प्रतिस्थापन की स्थिति में वह मुख्यमंत्री पद संभालने के लिए तैयार हैं, सीएम सिद्धरामैया ने कहा सीएम कैसे बनाया जाएगा? इस संबंध में पार्टी विधायक और हाईकमान फैसला करेंगे। वे जो भी निर्णय लेंगे, मैं उसका पालन करूंगा।

जब मीडिया ने उनसे पूछा कि लंबे समय बाद वे कैसे तरोताजा दिख रहे हैं, जबकि भाजपा दावा कर रही है कि वे मुडा मामले के मद्देनजर सुस्त दिख रहे हैं, तो सीएम सिद्धरामैया ने हंसते हुए कहा विपक्ष ने इस मामले में झूठ बोला है। अगर उनका झूठ साबित नहीं हुआ, तो उनके लिए मुश्किल होने वाली है। मैंने झूठ नहीं बोला है, न ही मैंने गलत बयान जारी किए हैं और मैंने कोई गलती नहीं की है। कांग्रेस सरकार द्वारा कथित तौर पर भाजपा के खिलाफ कोविड पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट का इस्तेमाल करने के सवाल का जवाब देते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि इस संबंध में सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट गुरुवार को कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। मुझे आयोग की सिफारिश के बारे में पता नहीं है। हम इस पर गौर करेंगे। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने दावा किया है कि कांग्रेस इस रिपोर्ट को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। सीएम ने कहा जब उनकी भूमिका ही नहीं है तो किसी को ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए। वह हताश क्यों हैं? उन्हें कैसे पता चल सकता है कि यह एक झूठी रिपोर्ट है? रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ही टिप्पणी करें। भाजपा सांसद सुधाकर दोषी हैं और वह मानसिक रूप से परेशान हैं, उन्हें पता है कि वह दोषी हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आयोग ने पाया है कि कोविड महामारी के दौरान पिछली भाजपा सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये का घोटाला किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम ने कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं है। कोविड महामारी से निपटने और रिपोर्ट से पहले भ्रष्टाचार पर मेरे आरोप अलग मामला है। इस संबंध में रिपोर्ट कैबिनेट में रखने के बाद हम कार्रवाई शुरू करेंगे। मुडा के पूर्व आयुक्त के निलंबन के सवाल पर सीएम ने कहा कि उन्हें निलंबन के बारे में जानकारी नहीं है और न ही आदेश में क्या लिखा है, इसकी जानकारी है। उन्होंने कहा जब मुडा घोटाले की जांच के लिए आयोग नियुक्त किया जाएगा, तो उसके द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा। श्री चामुंडेश्वरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित करने के बारे में मैसूरु राजपरिवार की सदस्य प्रमोदा देवी वाडियार द्वारा विरोध किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि यह अदालत के आदेश के अनुसार किया जा रहा है। भाजपा सांसद यदुवीर वाडियार द्वारा इसे अवैध कदम करार दिए जाने वाले पत्र पर सीएम ने कहा हमें अदालत के आदेशों का पालन करना है, न कि सांसद के निर्देशों का।

कर्नाटक सरकार ने डेंगू बुखार को घोषित किया महामारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को राज्य में डेंगू बुखार को महामारी के रूप में अधिसूचित किया है। इसमें इसके सभी स्वरूप शामिल हैं। इसके अलावा, कर्नाटक महामारी रोग विनियम 2020 में संशोधन के लिए नियम बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी से जुलाई तक डेंगू के 7362 मामले दर्ज किए गए हैं। डेंगू से निपटने के लिए कार्य योजना का एलान करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा, इस साल अब तक 7,362 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक सात लोगों की मौत हुई है। डेंगू के मरीजों को भर्ती करने के लिए अस्पताल के प्रत्येक वार्ड में दस बेड रखने को कहा गया है। झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को मच्छरदानियां प्रदान की जाएंगी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है और सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हमने सभी विभागों को डेंगू के स्रोतों को कम करने का सख्त निर्देश दिया है। हमने आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को घर-घर जाने के लिए कहा है। सरकार पूरे समय काम कर रही है। हमारा मकसद मच्छरों के प्रसार को रोकना है और इससे होने वाली मौतों को रोकना है।

अभिनेता दर्शन मामला : मारे गए प्रशंसक के परिवार को न्याय दिलाएंगे: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार रेणुकास्वामी के परिवार को न्याय दिलाएगी, जिनका जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोगों ने कथित तौर पर अपहरण कर हत्या कर दी थी। जब उनसे पूछा गया कि मृतक रेणुकास्वामी का परिवार पुलिस से क्या उम्मीद कर सकता है, क्योंकि वह मामले में आरोप पत्र दाखिल करने के संबंध में अंतिम तैयारियां कर रही है, तो उन्होंने जोर देकर कहा कि वे न्याय की उम्मीद कर सकते हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि उनके परिवार को न्याय मिले। हम मामले में न्याय दिलाने के लिए अदालत में प्रयास करेंगे। जांच अधिकारी आरोप पत्र दाखिल करते समय मामले में आरोपी नंबर एक और दो के रूप में किसे नामित किया जाना चाहिए, इस पर निर्णय लेंगे। विशेष जांच दल (एसआईटी) और सीआईडी द्वारा जांच की गई बिटकॉइन, वाल्मीकि आदिवासी कल्याण बोर्ड और कोविड घोटालों के बारे में उन्होंने घोषणा की कि इन सभी मामलों की समीक्षा के लिए एक अलग समिति बनाई जाएगी। राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल और आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ मुख्य सचिव से स्पष्टीकरण मांगे जाने के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा एमबी पाटिल पहले ही स्पष्टीकरण जारी कर चुके हैं कि उन्होंने कानून के खिलाफ कोई आवंटन नहीं किया है। आवंटन उसी के अनुसार किया गया है, जिस तरह से वे पात्र थे। मामला यहीं खत्म हो जाता है। उन्हें यह जांचने दें कि यह कानून के अनुसार किया जा रहा है या नहीं। इसके बजाय बेवजह आरोप लगाना ठीक नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार को बेंगलूरु एयरोस्पेस पार्क के परिसर में कथित अवैध आवंटन पर राज्यपाल को शिकायत सौंपे जाने के बाद उन्होंने कहा इस संबंध में अभियोजन के लिए सहमति देना राज्यपाल पर छोड़ दिया गया है। सत्यापन करवाना और उसके बाद निर्णय लेना उनका कर्तव्य है। उन्हें ऐसा करने दें। एमबी पाटिल दावा कर रहे हैं कि कोई भी आवंटन कानून के विरुद्ध नहीं किया गया है। उन्हें सत्यापन करने दें। हजारों लोग शिकायत दर्ज कराते हैं और आरोप लगाते हैं, बाद में सत्यापन होने पर सच्चाई का पता लगाया जा सकता है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बाद अब मंत्रियों को निशाना बनाए जाने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा हम दावा कर रहे हैं कि मामले में राजनीति की जा रही है। भाजपा यह सब राजनीतिक मकसद से कर रही है। हम लोगों के सामने तथ्य पेश करेंगे और हमने अदालत को भी इसकी जानकारी दे दी है। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात पर उन्होंने स्पष्ट किया कि नई दिल्ली यात्रा के दौरान, आलाकमान के नेताओं से मिलना स्वाभाविक है। मैंने एक अलग उद्देश्य के लिए राहुल गांधी से मुलाकात की थी और पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली एक अलग कारण से उनसे मिलेंगे। बैठक को राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। हमें अलग-अलग काम सौंपे गए हैं। मुझे सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सोशल मीडिया पर नकारात्मक और खराब टिप्पणियों को नियंत्रित करने का काम दिया गया था। अगर आप इसे घुमाएंगे तो यह अच्छा नहीं होगा। गृह मंत्री ने एत्तिनाहोल को कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना भी बताया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस संबंध में बजट में घोषणा की है। 13,500 करोड़ रुपये के अनुमान के साथ, इस परियोजना को मंजूरी दी गई थी। अब इसे कुछ हद तक लागू किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पानी उठाने के ट्रायल रन को देखा है। 6 सितंबर को मंगला गौरी उत्सव के शुभ दिन इसका उद्घाटन किया जाएगा। 1,500 क्यूसेक पानी वाणी विलास सागर जलाशय तक पहुंचेगा। अरसीकेरे और तुमकुरु शहरों को पानी मिलेगा। एक बार जब पानी तुमकुरु में लाया जाएगा, तो इसे आसानी से कोलार तक ले जाया जा सकेगा, जो गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है।

दो मंत्री कानूनी मुसीबत में फंस गए

उल्लेखनीय है कि मुडा अवैध बंदोबस्त मामले को लेकर जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का राजनीतिक भविष्य संदेह में है, वहीं अब दो मंत्री कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं। राज्यपाल ने सरकार के मुख्य सचिव को केआईएडीबी से अवैध भूमि अधिग्रहण और कानून का उल्लंघन कर भूमि आवंटन के आरोप के संबंध में मंत्री प्रियांक खड़गे और एमबी पाटिल के मामले में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर इन दोनों मंत्रियों पर लगे आरोपों पर स्पष्टीकरण देने का सुझाव दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी राज्यपाल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से पहले सरकार से जवाब मांगा था। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी और सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाहळ्ळी ने मंत्री प्रियांक खड़गे और एमबी पाटिल के खिलाफ नियम तोड़ने और कानून का उल्लंघन करने की शिकायत दर्ज कराई है। इन दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार नियंत्रण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इसलिए राज्यपाल ने पत्र में अनुरोध किया है कि वह जवाब चाहते हैं।

फ्लाईओवर से नीचे गिरी कार, एक की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां फ्लाईओवर से एक कार नीचे जा गिरी। इस हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह करीब 3.45 बजे कार की एक बाइक से टक्कर हो गई थी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी फ्लाईओवर से नीचे जा गिरी। कार तमिलनाडु की बताई जा रही है। पता चला है कि हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे, जबकि दो लोग बाइक पर थे। इस हादसे में सभी पांचों को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

402 पुलिस सब इंस्पेक्टर पदों के लिए लिखित परीक्षा 22 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी 22 सितंबर को कुल 402 पुलिस सब-इंस्पेक्टर पदों के लिए लिखित परीक्षा होगी, जिसके लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने सभी तैयारियां कर ली हैं। प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक एच. प्रसन्ना ने एक प्रेस बयान में कहा कुल 66,000 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है और प्रवेश पत्र परीक्षा से एक सप्ताह पहले जारी किया जाएगा। इसके अलावा ग्राम प्रशासक एचडीयू के लिए कन्नड़ अनिवार्य परीक्षा 29 सितंबर को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में सफल होने वाले ही 27 अक्टूबर को होने वाली मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे।

दर्शन से प्रेरित होकर कर्नाटक की अन्य जेलों के कैदियों ने की वीआईपी सुविधाओं की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ अभिनेता दर्शन की बेंगलूरु सेंट्रल जेल के अंदर धूम्रपान करते हुए वायरल हुई तस्वीरों के बाद, शिवमोग्गा के पास सोगाने में सेंट्रल जेल के कैदियों ने भी अधिकारियों से बीड़ी पीने और अन्य तंबाकू उत्पादों का उपयोग करने की अनुमति देने की मांग की। जेल के 778 कैदियों ने सोमवार को नाश्ता न करके और दोपहर का भोजन न करने की धमकी देकर विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने उन्हें शांत करने की कोशिश की। एक रिपोर्ट के अनुसार, बेलगावी के हिंडलगा जेल के कैदियों ने भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया। 500 से अधिक कैदियों ने नाश्ता न करके विरोध प्रदर्शन किया और अभिनेता के समान सुविधाओं की मांग की, जो एस रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में जेल में हैं, जिन्होंने उनकी दोस्त और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे। हिंडलगा जेल अधीक्षक कृष्णमूर्ति ने बताया इससे पहले

कैदियों को अपनी आदत से जुड़ी जरूरी चीजें बाहर से खरीदने की अनुमति थी, लेकिन जेल मंत्रालय के आदेश के बाद यह सुविधा बंद कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक जी के मिथुन कुमार के नेतृत्व में 100 पुलिसकर्मियों की टीम ने पिछले सप्ताह शिवमोग्गा जेल में छापा मारा था और बीड़ी, मोबाइल चार्जर और नकदी जब्त की थी। पुलिस ने तुंगानगर पुलिस स्टेशन में मामला भी दर्ज किया था। बाद में, केंद्रीय जेल के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए कि जेल में कैदियों को बीड़ी या कोई अन्य तंबाकू उत्पाद न मिले। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह बेंगलूरु सेंट्रल जेल के अंदर अभिनेता दर्शन की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे कुख्यात हिस्ट्रीशीटर विल्सन गार्डन नागा के साथ सिगरेट पीते और चाय पीते नजर आ रहे थे। इससे यह संदेह पैदा हो गया था कि अभिनेता को जेल अधिकारियों से वीआईपी सुविधा मिल रही है। इस घटना के बाद कर्नाटक सरकार ने नौ जेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

प्रियांक खड़गे इस्तीफा देकर जांच का करें सामना: सीमेंट मंजूनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक सीमेंट मंजूनाथ ने कहा कि कांग्रेस के नेता और विधायक हमारी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी के बारे में अपशब्द बोल रहे हैं, जो कि निंदनीय है। इसके खिलाफ एससी मोर्चा पूरे राज्य में लड़ाई लड़ेगा।

मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं की अवैधताओं के खिलाफ बात की। साथ ही जांच का भी अनुरोध किया गया है। हम वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का बहुत सम्मान करते हैं। हालाँकि, विपक्षी नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेसियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की बात कर अपना कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा नारायणस्वामी पिछले 45 साल से दलितों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हमारी पार्टी ने उन्हें पहचाना और एमएलसी बनाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का पद भी दिया गया है। इसके जरिए हमने अपने समाज को सामाजिक न्याय दिया है। चलवाडी नारायणस्वामी भाजपा के दलित नेता हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि चलवाडी नारायणस्वामी के बारे में बात करते समय सोचना चाहिए और बोलना चाहिए। सत्ता के दुरुपयोग की बात करना गलत नहीं है।

उन्होंने कांग्रेसियों को चुनौती दी कि वे साबित करें कि उन पर लगे आरोप सही नहीं हैं। ऐसी शिकायतों के खिलाफ आवाज उठाने के इरादे से चलवाडी नारायणस्वामी को यह पद दिया गया है।

चलवाडी पर प्रियांक खड़गे का आरोप सही नहीं है। यह कोई अच्छा विकास नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियांक खड़गे को इस्तीफा देना चाहिए और यह साबित करने के लिए जांच का सामना करना चाहिए कि खड़गे के परिवार ने अवैध रूप से जमीन हासिल नहीं की है। उन्होंने कहा कि अगर आरोप साबित नहीं हुए तो वह दोबारा मंत्री बन सकते हैं।

दर्शन ने गलती की और जेल चले गए: जमीर

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।
आवास मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि अभिनेता दर्शन चित्रदुर्गा रेणुकास्वामी हत्या मामले में अपने गलत काम के लिए जेल गए हैं। इसमें मेरे नाम पर मोहर क्यों लगाई जा रही है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, दर्शन मेरे करीबी दोस्त हैं। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन कानून के मुताबिक जो होना चाहिए वो होगा। मीडिया जानबूझ कर मेरा

नाम ले रहा है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। ऐसी व्याख्याएं हैं कि दर्शन को बल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है क्योंकि जमीर अहमद खान बल्लारी जिले के प्रभारी मंत्री हैं। इससे पहले बेंगलूरु की परप्पाना अग्रहारा जेल में दर्शन उपद्रवियों में शामिल हो गए और उन्हें शाही दर्जा मिला और तस्वीरें वायरल हो गईं। इस पृष्ठभूमि में, दर्शन को बेलगावी या बल्लारी जेल में स्थानांतरित करने की चर्चा हुई, लेकिन अंततः उन्हें बल्लारी में स्थानांतरित कर दिया गया। इस पर टिप्पणी करते हुए, जमीर ने स्पष्ट किया कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है और वह कुछ गलत करने के लिए जेल गए हैं।

क्रिकेट खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से युवक की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। क्रिकेट खेलते समय एक युवक को दिल का दौरा पड़ा और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रदीप पुजारी (31) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय आनंद पुजारी का पुत्र था और पदुपेरारा क्याराने का निवासी था। प्रदीप को मूडुपेरारा क्याराने में क्रिकेट खेलते समय सीने में दर्द हुआ। उसे पहले कैकंबा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर बाजपे के एक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

इसके बाद, उसे मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। प्रदीप पदुपेरारा ग्राम पंचायत के कर्मचारी थे और उनके परिवार में उनकी मां, भाई और बहन हैं। वे राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी कल्याण संघ की मेंगलूरु तालुक समिति के अध्यक्ष थे। प्रदीप 2012 में पदुपेरारा ग्राम पंचायत में शामिल हुए थे। उन्होंने कायराने नवरंग फ्रेंड्स के सचिव के रूप में भी काम किया और बजरंग दल और जावनेर पेरार के कार्यकर्ता थे।

कोर्ट ने छेड़छाड़ मामले में ज्योतिषी और पति के खिलाफ आरोप रद्द करने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित छेड़छाड़ के मामले में एक ज्योतिषी और एक महिला के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने से इंकार किया। याचिका दीपा दर्शन एच.पी (पति) और मोहनदास उर्फ शिवरामू (ज्योतिषी) की ओर से दायर की गई थी। याचिका में उन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत उनके खिलाफ लगे आरोपों को रद्द करने की मांग की थी। उनके खिलाफ धारा 498 ए (किसी महिला के पति या पति के रिश्तेदार द्वार उनके साथ क्रूरता करना), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करना), 354 ए (यौन उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न के लिए सजा) और 508 (व्यक्ति को यह भरोसा दिलाना कि उसे दैवीय अप्रसन्नता का पात्र बनाया जाएगा) के तहत मामला दर्ज है। आरोप है कि ज्योतिषी ने महिला की कुंडली को ठीक करने के नाम

पर पूजा करने की आड़ में उसे गलत तरीके से छुआ। महिला के पति पर भी आरोप है कि उसने अपनी पत्नी को घटना का खुलासा न करने की धमकी दी। पति ही महिला को ज्योतिषी के पास लेकर आया था। पति ने दलील दी कि आईपीसी की धारा 498 ए के तहत 2018 में उसके खिलाफ पहले एक शिकायत दर्ज की गई थी और 2019 में दर्ज की गई शिकायत में भी उसी तरह के आरोप हैं। पति ने यह भी दावा किया कि वह 2008 से अपनी पत्नी (शिकायतकर्ता) से अलग रह रहा है, इसलिए नई शिकायत का कोई आधार नहीं है। इसके अलावा, तलाक के लिए एक याचिका यहां की पारिवारिक अदालत में लंबित है। हालांकि, शिकायतकर्ता के वकील ने दलील दी कि मौजूदा मामले में आरोप पिछले मामले से अलग हैं। दूसरे आरोपी ज्योतिषी पर एक एक अनुष्ठान करने के बहाने शिकायतकर्ता से छेड़छाड़ करने का आरोप है। जबकि पति ने कथित तौर पर उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया। यहां तक कि शिकायतकर्ता को विरोध न करने की धमकी भी दी। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने कहा कि आपराधिक कार्यवाही रद्द नहीं की जा सकती।

अरुण कुमार पुथिला पर महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप, शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा नेता अरुण कुमार पुथिला के खिलाफ 47 वर्षीय महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। महिला ने आरोप लगाया है कि अरुण ने जून 2023 में बेंगलूरु के एक होटल में उसका यौन उत्पीड़न किया और कथित हमले के दौरान ली गई तस्वीरों, सेल्फी और वीडियो का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया। दक्षिण कन्नड़ महिला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि यह घटना 1 से 8 जून, 2023 के बीच बेंगलूरु के एक होटल में हुई। उसने कहा कि वह शुरू में अरुण की हिंदुत्व विचारधारा की प्रशंसा करती थी और सोशल मीडिया पर उनके कार्यों की सक्रिय समर्थक बन गई। पिछले साल जून में, उसने

मुझे बेंगलूरु के एक होटल में आने के लिए कहा, जहाँ उसने मेरा यौन उत्पीड़न किया। बाद में, उसने मुझे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और जब भी उसका मन करता, मुझे फोन करता। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा, उन्होंने मेरा शारीरिक और मानसिक शोषण किया और मुझे आश्वासन दिया कि वह मेरी बेटी के जीवन की बेहतरी के लिए हर जरूरी चीज मुहैया कराएंगे। वित्तीय सहायता के वादों के बावजूद, उसने कहा कि अरुण ने उसके द्वारा किए गए काम के लिए कभी भी उसे भुगतान नहीं किया। उसने कहा उसने हमारी तस्वीरें और वीडियो भी लिए, जिसका इस्तेमाल उसने बाद में मुझे ब्लैकमेल करने के लिए किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, उसने मुझसे संपर्क करना बंद कर दिया। अब, मेरे पास किराया देने के लिए पैसे नहीं हैं और कोई नौकरी नहीं है। अरुण ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा महिला द्वारा मेरे खिलाफ लगाए गए ये झूठे आरोप हैं। यह एक पूर्व नियोजित कृत्य की तरह लगता है। मैं महिला को नहीं जानता। पुलिस ने उस पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें धारा 417 (धोखाधड़ी और बेईमानी से प्रलोभन), धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) शामिल हैं। अरुण कुमार पुथिला ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा द्वारा पुत्तूर विधानसभा सीट से टिकट देने से इनकार करने के बाद एक विद्रोही निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। वह कांग्रेस के अशोक कुमार राय से 4,149 मतों से हार गए। बाद में वह फिर से भाजपा में शामिल हो गए।

बारिश के देवता ने दोनों राज्यों की मदद की

तमिलनाडु को मेकेदातु बांध से होगा अधिक लाभ: शिवकुमार

बेंगलूरु/चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को दावा किया कि इस बार अनुकूल मानसून प्रणाली कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों के लिए राहत भरी रही है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु को उनके राज्य में मेकेदातु बांध परियोजना से लाभ होगा। कावेरी नदी में प्रचुर मात्रा में पानी आने का जिक्र करते हुए, जिसके कारण पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को अधिशेष पानी छोड़ा गया, उन्होंने कहा कि मेकेदातु संतुलन जलाशय परियोजना से कर्नाटक की तुलना में तमिलनाडु को अधिक लाभ होगा। विवादास्पद बांध परियोजना के लिए तमिलनाडु के विरोध पर संवाददाताओं के एक सवाल का जवाब देते हुए, शिवकुमार, जो

चेन्नई के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल का अध्ययन करने के लिए चेन्नई में थे, ने कहा कि मेकेदातु संतुलन जलाशय से तमिलनाडु को लाभ होगा। लेकिन मैं अभी मेकेदातु बांध के मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता। बारिश के देवता ने दोनों राज्यों की मदद की है। मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु के लोगों को सद्बुद्धि आएगी। मेकेदातु बांध से कर्नाटक से ज्यादा तमिलनाडु को फायदा होगा। शिवकुमार 15 से अधिक अधिकारियों की टीम के साथ चेन्नई के दौरे पर थे, ताकि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का निरीक्षण कर सकें और देख सकें कि सीएनजी का उत्पादन कैसे किया जाता है। श्रीनिवास ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का दौरा करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा मैं चेन्नई में सफाई सुविधा से बहुत प्रभावित हूं। मैंने सरकार और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है। यह दौरा हम सभी के लिए सीखने की एक अच्छी प्रक्रिया थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट में उन्होंने कहा कि टीम ने माधवरम में महाशक्ति बायो-एनर्कॉन की बायोगैस निर्माण और आपूर्ति सुविधा का दौरा किया, ताकि इसके परिचालन मॉडल और प्रभावशीलता को समझा जा सके। उन्होंने कहा एक पर्यावरण अनुकूल और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में बायोगैस, बेंगलूरु की ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने की महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा आज की गतिविधियों और बेंगलूरु के अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, बीबीएमपी के अधिकारियों के साथ चेन्नई में श्रीनिवास अपशिष्ट प्रबंधन सेवा संयंत्र का दौरा किया। विभिन्न क्षेत्रों में बायोगैस के उपयोग में कमी, पुनर्चक्रण और अभिनव उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने वाले चेन्नई मॉडल के अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की, साथ ही उन स्थायी रणनीतियों के बारे में भी जाना जिन्हें हम बेंगलूरु में भी लागू करने का इरादा रखते हैं। एक अन्य पोस्ट में, शिवकुमार ने कहा हमारे ब्रांड बेंगलूरु विजन के हिस्से के रूप में प्रभावी ठोस अपशिष्ट निपटान और प्रबंधन के लिए प्रयासों को बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयास में, अब्रेसर कंपनी के कार्यालय का दौरा किया और अधिकारियों से मुलाकात की। हर रोज घर-घर से कचरा इकट्ठा करने और उसे विघटित करने के उनके प्रस्ताव पर उनकी प्रस्तुति देखी, जिसमें शामिल प्रक्रिया की व्यवहार्यता का आकलन किया गया।

सहपाठी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोप में युवक गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मणिपाल में एक स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र पर उसकी सहपाठी ने उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें शामिल छात्र दिल्ली और राजस्थान के हैं और कथित तौर पर एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। मोहम्मद दानिश खान (27) नामक आरोपी को पुलिस ने आरोपों के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उडुपी महिला थाने में 31 अगस्त को दर्ज शिकायत के अनुसार, दानिश ने पीड़िता के सामने शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन कथित तौर पर शादी की

शर्त के तौर पर इस्लाम धर्म अपनाने पर जोर दिया। पीड़िता का दावा है कि 22 जनवरी, 2024 को बातचीत के दौरान दानिश ने हिंदू धर्म और राम मंदिर को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की।

शिकायत में आगे आरोप लगाया गया है कि 11 मार्च 2024 को जब पीड़िता दानिश के कमरे में गई तो उसने उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। उसके मना करने पर उसने कथित तौर पर उसे थप्पड़ मारा, उसके बाल खींचे और उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने दानिश पर अनुचित यौन संबंध बनाने का भी आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि उसने उसके निजी अंगों को छुआ और यौन मांग की। पीड़िता ने बताया कि दानिश 28 अगस्त 2024 तक फोन पर उसे परेशान करता रहा। शिकायत के बाद पुलिस ने मोहम्मद दानिश खान को गिरफ्तार कर लिया, जिसे तब से अदालत ने न्यायिक हिरासत में रखा है।

2,000 करोड़ की लागत से होगा राज्य में 66 रेलवे स्टेशनों का विकास: सोमन्ना

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत राज्य में 66 रेलवे स्टेशनों का विकास 2,000 करोड़ की लागत से किया जाएगा। पहले चरण का काम शुरू हो चुका है। वे मंगलवार को रेलवे स्टेशन पर गति शक्ति एवं एबीएसएस के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने

के बाद रायचूर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। सोमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15,000 करोड़ की लागत से रेलवे स्टेशनों के विकास की पहल की है, जिसमें से 2,000 करोड़ राज्य के 66 स्टेशनों पर खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा शुरुआत में विभाग जिला स्टेशनों का चयन करेगा और फिर विकास के लिए तालुक एवं होबली स्तर के स्टेशनों को चुनेगा।

सोमन्ना ने कहा रेलवे विभाग को 2024-25 के बजट में 2.62 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं और राज्य को 7,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उच्च-मानक बुनियादी ढांचे, पेयजल और विश्राम कक्ष सहित विकास कार्य प्रदान किए जाएंगे। अनुदान का उपयोग करके, प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के आधार पर स्टेशनों का विकास किया जाएगा। रेल राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक 1,600 हेक्टेयर के अधिग्रहण के साथ, गदग-वाडी लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब काम को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। मुनीराबाद-महबूब नगर लाइन पर शेष काम जल्द ही पूरा हो जाएगा।

शिकायत करने आने वालों के साथ संयम से पेश आएं पुलिसकर्मी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पुलिस अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे आवेदन देने या शिकायत करने आने वालों के साथ अभद्र व्यवहार न करें। पीएसआई और पुलिस कांस्टेबल पद के इच्छुक उम्मीदवार, जो सुबह आयु सीमा में छूट के लिए आवेदन करने परमेश्वर के आवास पर आए थे, उन्हें कुछ पुलिस अधिकारियों ने जबरन हिरासत में ले लिया। ऐसा भी देखा गया कि

कुछ लोगों पर हमला भी किया गया। इस बारे में जब मीडिया ने गृह मंत्री से सवाल किया तो वे असमंजस में पड़ गए। जो लोग कोई आवेदन देने आये हैं उनसे मैं स्वयं बात करूंगा, आवेदन प्राप्त करूंगा और यदि समय हो तो उन पर उचित दिशा-निर्देश लिख कर भेजूंगा। उन्होंने कहा कि यदि समय नहीं है तो बाद में आवेदन प्राप्त कर जांच की जायेगी। सुबह का मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि आगे से कोई भी आवेदन देने आये लोगों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करेगा।

पुण्यतिथि पर याद किए गए प्रख्यात साहित्यकार

डॉ. सीताराम दीन और डॉ. उषारानी सिंह के योगदान अद्वितीय

पटना, 03 सितंबर (एजेंसियां)। प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सीताराम दीन और डॉ. उषारानी सिंह की स्मृति में स्थानीय प्रोफेसर कॉलोनी स्थित मनीषा प्रांगण में एक बृहत युवा कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय भाषण में महर्षि अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं नई धारा के संपादक डॉ. शिवनारायण ने विद्वान प्रोफेसर दंपत्ति डॉ. सीताराम दीन और डॉ. उषारानी सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उनके महत्वपूर्ण साहित्य को रेखांकित करते हुए दीन जी के कबीर विषयक बड़े कार्य पर प्रकाश डाला। कबीरमय डॉ. सीताराम दीन मानो कबीर को ही जीते थे।

डॉ. उषारानी सिंह की रचनाशीलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उनकी कविता एवं रेखाचित्रों की विशद चर्चा की।

इस अवसर पर पूर्व प्रोफेसर डॉ. उमा सिन्हा ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए छात्रों से उम्मीद जताई कि दीन उषा की तरह ही सामाजिक दायित्व निभाना चाहिये और आज के समय स्त्रियों के प्रति जो अपराध हो रहे हैं, उसे रोकने के आप सबको उपाय तलाशने चाहिये। श्रद्धांजलि सभा में विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर उपस्थित थे जिनमें डॉ. मनीषा शंखधार, डॉ. मनीषा मिश्रा, डॉ. अजेय कुमार, डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डॉ. अर्चना त्रिपाठी के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं ।

युवा कवि सम्मेलन का संचालन पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के शोधछात्र कुमार मंगलम रणवीर ने किया। कविता पाठ करने वाले छात्रों में कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस के बीए प्रतिष्ठा एवं एम.ए. के छात्र सहित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के शोध छात्र एवं शिक्षकगण भी शामिल थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में सुश्री भारती मिश्रा के भजन गायन ने समा बांध दिया। प्रो.मंगला रानी ने स्वागत भाषण किया तथा डॉ. अर्चना त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। एक ऋषि आश्रम के रूप में चर्चित मनीषा का प्रांगण डॉ. सीताराम दीन की संगमरमर प्रतिमा से शोभित है, जिसकी स्थापना डॉ. उषारानी सिंह के कर कमलों से उन्हीं के निवास पर हुई थी।

पहले चरण के चुनाव के 15 दिन बाकी

पर अब तक नहीं आया कांग्रेस और भाजपा का घोषणापत्र

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 03 सितम्बर।

दस साल के अरसे के बाद जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनावों में वोट पाकर सत्ता हासिल करने की होड़ में लगभग सभी राजनीतिक दलों ने अपने अपने चुनावी घोषणापत्र जारी कर वादों की झड़ी लगा दी हुई है पर कांग्रेस और भाजपा ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

यह सच है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान की तिथि 18 सितंबर को है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों ने अभी तक अपना चुनावी घोषणापत्र जारी नहीं किया है। जनता की राय जानने के बावजूद, दोनों में से किसी भी पार्टी ने मतदाताओं के सामने अपने लिखित वादे पेश नहीं किए हैं। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने पहले ही अपने घोषणापत्र सार्वजनिक रूप से जारी कर दिए हैं।

18, 25 सितंबर और 1 अक्तूबर को तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टियों ने चुनावी तैयारियों के मामले में बढ़त हासिल की है। हालांकि, भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपने घोषणापत्र जारी करने में पीछे हैं। कांग्रेस, जिसने नेकां के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन किया है, उसे भी उम्मीदवारों के चयन और अपने घोषणापत्र में शामिल किए जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप देने में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस पार्टी के भीतर इस बात को लेकर मतभेद उभरे हैं कि वे कौन से वादे कर सकते हैं, जैसे कि बेरोजगारी से निपटने की नीतियां और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करना।

स्मार्ट मीटर और बिजली के बढ़ते बिलों का मुद्दा भी चर्चा का विषय बना हुआ है। अपने घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने के लिए कांग्रेस ने पहले जनता से सुझाव जुटाने का अभियान चलाया था। हालांकि इनपुट जुटाए गए, लेकिन अभी तक पार्टी कार्यालय से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। कांग्रेस ने युवाओं, महिलाओं, व्यापार और उद्योग प्रतिनिधियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से फीडबैक जुटाने के लिए चार उपसमितियों का गठन किया था। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इन समितियों ने जम्मू कश्मीर में जिला स्तर पर चर्चा की और जनता की चिंताओं की एक व्यापक सूची तैयार की। हालांकि, इन सुझावों को अभी तक औपचारिक घोषणापत्र में नहीं बदला गया है।

इसी तरह, भाजपा ने भी अपने घोषणापत्र के लिए जनता के सुझाव जुटाने का अभियान चलाया, जिसमें शामिल किए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें की गईं। इसके बावजूद, पार्टी ने अभी तक अपने घोषणापत्र को अंतिम रूप नहीं दिया है या जारी नहीं किया है। सूत्रों से पता चलता है कि भाजपा अभी भी आंतरिक चर्चाओं में लगी हुई है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन मुद्दों को वे प्राथमिकता देते हैं, वे जनहित के साथ निकटता से जुड़े हों। जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें नजदीक आ रही हैं, भाजपा और कांग्रेस द्वारा घोषणापत्र जारी करने में देरी से जम्मू कश्मीर के लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए दोनों दलों की तैयारियों और प्रतिबद्धता पर सवाल उठ रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद की बढ़ाई गई सुरक्षा

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में मिलेगी सीआरपीएफ सिक्योरिटी

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। आजाद समाज पार्टी के नेता और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा को केंद्र सरकार की तरफ से बढ़ा दी गयी है। चंद्रशेखर की सुरक्षा हरियाणा और जम्मू कश्मीर में बढ़ायी गयी है। गौरतलब है कि दोनों ही राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। हरियाणा में चंद्रशेखर की पार्टी का जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन है। गठबंधन के तहत आजाद समाज पार्टी 20

सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है।

देश में दलित नेता के तौर पर तेजी से उभर रहे चंद्रशेखर की सुरक्षा को लेकर कई बार सवाल खड़े होते रहे हैं। पिछले साल उनके ऊपर हमले भी हुए थे। लोकसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद चंद्रशेखर संसद में भी काफी मुखर रहे हैं। ऐसे में चुनावी राज्यों में खतरों की संभावना के कारण चंद्रशेखर की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है।

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हम हरियाणा में युवाओं, गरीबों की आवाज बन कर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हम 36 बिरादरी को साथ में लेकर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये गठबंधन किसानों के लिए बहुत ही खास है।

आईसीआईसीआई ने किया माधवी बुच मामले में आयकर नियमों का उल्लंघन : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को लेकर आईसीआईसीआई बैंक ने उसके सवालों का जवाब दिया है जिससे पता चलता है कि श्रीमती बुच का टीडीएस भरकर बैंक ने आयकर नियमों का उल्लंघन किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आईसीआईसीआई बैंक से पूछा है कि जिस तरह की सहूलियत श्रीमती बुच को दी गई है क्या इस तरह का लाभ बैंक के दूसरे कर्मचारियों को भी मिलता है। बैंक ने श्रीमती बुच के रिटायरमेंट होने के बाद भी उनकी ओर से ईएसओपी पर टीडीएस भारता है जो पूरी तरह से आयकर नियमों का उल्लंघन है।

श्री खेड़ा ने कहा हमने कल के खुलासे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच और आईसीआईसी बैंक से सवाल पूछे थे और शतरंज के खेल के एक मोहरे यानी आईसीआईसी बैंक का जवाब आया है।

उन्होंने कहा, जब श्रीमती बुच आईसीआईसी से रिटायर हुईं तो 2013-14 में उन्हें 71.90 लाख रुपए की ग्रेच्युटी मिली और 2014-15 में उन्हें 5.36 करोड़ रुपए रिटायरमेंट कम्यूटेड पेंशन मिली लेकिन अगर 2014-15 में श्रीमती बुच और आईसीआईसी के बीच सेटलमेंट हो गया था और

2015-16 में उन्हें बैंक से कुछ नहीं मिला तो फिर 2016-17 में पेंशन फिर से क्यों शुरू हो गई। अब अगर 2007-2008 से 2013-14 तक की श्रीमती बुच की औसत सैलरी करीब 1.30 करोड़ रुपए थी लेकिन उनकी पेंशन का औसत 2.77 करोड़ रुपए है। ऐसी कौन-सी नौकरी है जिसमें सैलरी से ज्यादा पेंशन है। उम्मीद है कि माधवी पुरी बुच जवाब देंगी कि 2016-17 में तथाकथित पेंशन फिर से क्यों शुरु की गई। ध्यान रहे कि 2016-17 में उनकी 2.77 करोड़ रुपए की पेंशन तब फिर से शुरू हुई जब वह सेबी में पूर्णकालिक सदस्य बन चुकी थीं।

प्रवक्ता ने कहा आईसीआईसी कहता है कि उसके कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों के पास अपना ईएसओपी एक्सरसाइज करने की च्वाइस होती है। अमेरिका की एक वेबसाइट पर बैंक ने लिखा है कि अगर आईसीआईसी बैंक से खुद इस्तीफा दिया जाए तो, उसके तीन महीने के अंदर ही एएसओपी एक्सरसाइज किया जा सकता है लेकिन श्रीमती बुच इस्तीफा देने के आठ साल बाद भी ईएसोओपी चला रही हैं। आखिर इस तरह का लाभ आईसीआईसी के हर एम्पलाई को क्यों नहीं मिलता। बैंक ने श्रीमती बुच की ओर से ईएसओपी पर टीडीएस दिया है।

उन्होंने कहा, आईसीआईसी ने श्रीमती बुच की ओर से ईएसओपी पर टीडीएस दिया।

अब सवाल है कि क्या ऐसी नीति आईसीआईसी के तमाम अधिकारी और कर्मचारी के लिए भी है। अगर बैंक ने श्रीमती बुच की ओर से ईएसओपी पर टीडीएस दे दिया तो क्या वह उनकी की इनकम में न गिना जाए। अगर इनकम में है तो फिर टैक्स दिया जाना चाहिए, तो आईसीआईसी ने इस टीडीएस अमाउंट को टैक्स देने की आय में क्यों नहीं दिखाया।ये इनकम टैक्स एक्ट का उल्लंघन है।

सरकार रोजगार के अनुरूप परिवेश बनाने को प्रतिबद्धः मांडविया

नयी दिल्ली , 03 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना - ईएलआई पर सुझाव आमंत्रित करते हुए कहा है कि सरकार रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल परिवेश बनाने को प्रतिबद्ध है।

डॉ. मांडविया ने मंगलवार को यहां कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना एक अधिक समृद्ध और समावेशी भारत बनाने

के सरकार के साझा लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसे वास्तव में सफल बनाने के लिए सरकार, व्यवसाय और श्रमिकों के सामूहिक प्रयास और बुद्धिमता की आवश्यकता है।

दूसरे चरण में करोड़पति उम्मीदवार मैदान में

जम्मू, 03 सितम्बर (ब्यूरो)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों के प्रथम चरण के लिए मैदान में उतरे 219 उम्मीदवारों में से जहां 15 करोड़पति थे वहीं दूसरे चरण के लिए ताल ठोंकने वालों में भी कई करोड़पति हैं चाहे उनमें से कई की शैक्षणिक योग्यता बहुत ही कम क्यों न हो।

जम्मू कश्मीर विधानसभा के लिए 25 सितंबर को दूसरे चरण में होने वाले चुनाव में सभी प्रमुख उम्मीदवारों में भाजपा के कुलदीप राज दूबे सबसे अमीर हैं। जबकि नौशहरा और थन्नामंडी विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे नेशनल कांफ्रेंस के सुरिंदर कुमार चौधरी और पीडीपी के कमर हुसैन भी करोड़पति हैं, लेकिन रियासी से भाजपा उम्मीदवार कुलदीप राज दूबे चल और अचल सम्पत्ति के मामले में दूसरों से काफी आगे हैं।

चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष नामांकन पत्रों के साथ इन उम्मीदवारों द्वारा दायर हलफनामों के अनुसार, 67 वर्षीय कुलदीप राज दूबे के पास 12.80 करोड़ रुपए की सम्पत्ति है, जिसमें कम से कम 9 करोड़ रुपए की चल और 3.5 करोड़ रुपए से अधिक की अचल सम्पत्ति शामिल है।

पेशे से व्यवसायी और मंगू शाह के नाम से लोकप्रिय कुलदीप राज दूबे सिर्फ मिडिल पास हैं। उन पर बैंक ऋण और क्रेडिट के रूप में 478.68 लाख रुपए की देनदारियां भी हैं। दूबे और उनके परिवार की चल सम्पत्तियों में जेएंडके कथा प्रोडक्ट्स में 5.25 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश, जुपिटर फिलिंग स्टेशन, पट्टा प्लौरा जम्मू, इनोवा क्रिस्टा कार, मारुति इग्निस, 80 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने और आभूषण, 7.18 लाख रुपए नकद, बचत बैंक खातों में लगभग 22 लाख रुपए, एलआईसी पॉलिसियां आदि शामिल हैं, जिनका कुल मूल्य 9 करोड़ रुपए से अधिक है। उनकी अचल सम्पत्तियों में कटरा में होटल कश्मीर रेजीडेंसी, सिडको कॉम्प्लेक्स बड़ी ब्राह्मणा में जमीन, राख राजपुरा में औद्योगिक शेड, मोहिंदर नगर अरनास में दो मंजिला आवासीय घर आदि शामिल हैं। इसी तरह से पूर्व एमएलसी सुरिंदर कुमार चौधरी, जो नेशनल कांफ्रेंस के उम्मीदवार के रूप में नौशहरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, के पास दो करोड़ रुपए से अधिक चल और अचल सम्पत्ति है, जबकि उनकी पेंशन और घर का किराया ही उनकी आय के ज्ञात स्रोत हैं क्रमशरू 70,30,970 रुपए और 28,65,000 रुपए। उनकी अचल सम्पत्तियों में नौशहरा के नोनियाल गांव में 15 लाख रुपए की कृषि भूमि, कुद में 9 लाख रुपए की गैर-कृषि भूमि और नौशहरा में 95 लाख रुपए का आवासीय घर शामिल है। उनके पास हाउसिंग लोन की बकाया राशि के रूप में 56,412 रुपए की देनदारियां भी हैं, जो उन्होंने तत्कालीन जम्मू-कश्मीर विधान परिषद से ली थीं। सुरिंदर चौधरी की शैक्षणिक योग्यता जेएंडके बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन से 12वीं पास है।

चौहान ने की 750 करोड़ रुपए की एग्रीश्योर निधि की शुरुआत

नयी दिल्ली , 03 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को 750 करोड़ रुपए की एग्रीश्योर निधि और कृषि निवेश पोर्टल की शुरुआत की और कहा कि विकसित भारत का निर्माण विकसित खेती के बिना नहीं हो सकता तथा समृद्धि किसान के बिना नहीं आ सकती।

श्री चौहान ने यहां एक कार्यक्रम में एग्रीश्योर निधि और कृषि निवेश पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि कृषि भारतीय

अर्थव्यवस्था की रीढ़ है तो किसान उसके प्राण है। देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18 प्रतिशत योगदान कृषि का है।

उन्होंने कहा कि किसान सबसे बड़ा उत्पादक भी है और उपभोक्ता भी है 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग खेती पर आश्रित हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि आय दोगुनी करने का अभियान शुरू किया हैं और उनके पास किसानों के लिए छह सूत्र हैं, जिन पर वह काम कर रहे हैं। पहला उत्पादन बढ़ाना है जिसके लिए अच्छे बीज जरूरी हैं।

श्री चौहान ने विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंकों और राज्यों को उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किये । इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राम नाथ ठाकुर और सचिव देवेश चतुर्वेदी भी मौजूद रहे।

त्रिपुरा के दो उग्रवादी गुटों के साथ आज होगा शांति समझौता

नयी दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर क्षेत्र को उग्रवादी हिंसा और संघर्ष से छुटकारा दिलाने के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में केंद्र और त्रिपुरा राज्य सरकार के साथ राज्य के दो गुट-नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) तथा ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) एक समझौता करने पर सहमत हुए हैं।

गृह मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में

बुधवार को केन्द्र सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधि एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे।

इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ। माणिक साहा तथा केंद्रीय गृह मंत्रालय और त्रिपुरा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त, विकसित पूर्वोत्तर के सपने को साकार करने की दिशा में गृह मंत्रालय निरंतर प्रयास कर रहा है।

मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में शांति और समृद्धि बहाल करने के लिए अब तक 12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से तीन त्रिपुरा राज्य से संबंधित हैं। इन समझौते के चलते लगभग 10 हजार लोग हथियार छोड़ कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।

कन्नौज का नवाब ब्रांड-सपा का असली चेहरा: योगी

मैनपुरी के करहल में सीएम योगी ने सपा पर जमकर साधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में 361 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। 135 स्वयं सहायता समूहों को 8.10 करोड़ का ऋण दिया और 500 युवकों को टैबलेट और स्मार्टफोन दिए।

मैनपुरी, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को आयोजित पौने चार सौ करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम योगी समाजवादी पार्टी पर जमकर हमलावर रुख अपनाते हुए दिखे। कार्यक्रम में युवाओं को मोबाइल व लैपटॉप देने, महिला स्वयंसेवी समूहों को चेक देने के साथ ही उन्होंने मैनपुरी की जनता से जात पात की राजनीति को भुलाकर राष्ट्र निर्माण व विकास कार्यों को बढ़ावा देने में आगे आने का आह्वान किया। समाजवादी पार्टी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सीएम योगी ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि मैनपुरी जो कभी वीवीआईपी जनपद माना जाता था फिर भी विकास के कार्य में क्यों पिछड़ गया। उन्होंने कहा कि मैनपुरी तो मयन, मार्कण्डेय, च्यवन जैसे हमारे महान ऋषियों की धरती रही है। इस धरती का संबंध स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नायकों स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ा हुआ है। फिर आखिर मैनपुरी के सामने पहचान का संकट खड़ा करने वाले कौन लोग हैं? ये वही लोग हैं जिन लोगों ने आपके सामने पहचान का संकट तो खड़ा किया ही प्रदेश के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा किया। सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा पैदा किया था। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए में है। इनका मॉडल विकास का नहीं है। ये लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले लोग हैं। आपने इनका कारनामा तो देखा होगा। इनका कारनामा वही है जो अयोध्या में एक निषाद बेटी के साथ समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा किया गया था। इनके वास्तविक कारनामे देखने हों तो कन्नौज में घटी घटना और नवाब ब्रांड इनका वास्तविक चेहरा है।

सीएम योगी ने कहा कि मैनपुरी और विशेषतौर पर करहल से जुड़े आप सभी लोग एक साथ आज पौने चार सौ करोड़ रुपए की परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के आप साक्षी बन रहे हैं और बधाई के पात्र हैं। आज यहां पर मैनपुरी के अंतर्गत आने वाले करहल विधानसभा क्षेत्र में विकास की अनेक परियोजनाओं को प्रस्तुत किया गया है जिसमें सड़क, स्कूल, पेयजल से जुड़ी परियोजनाएं हैं, एक ग्राम स्टेडियम भी इस परियोजना के अंतर्गत लोगों को मिलने जा रहा है। अग्निशमन केंद्र के शिलान्यास का कार्य भी आज हो रहा है। विकास की जितनी भी परियोजनाएं हैं जिनका लोकार्पण हो रहा है या जिनका शिलान्यास किया जा रहा है इन सभी योजनाओं के लिए मैं मैनपुरी जनपद और खासतौर पर करहल की जनता को बधाई देता हूं। मंच पर मुझे अनेक नौजवानों को टैबलेट व लैपटॉप देने का अवसर प्राप्त हुआ। आधी आबादी का नेतृत्व करने वाली महिला स्वयं सेवी समूह को भी सहयोग चेक प्रदान किया गया है। आपने देखा होगा, गरीबों को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भवन की चाबी सौंपने का अवसर भी मुझे प्राप्त हुआ। एक सप्ताह पहले इसी मंच पर हमारे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी आए थे और करहल में रोजगार मेला व टैबलेट वितरण के एक बड़े कार्यक्रम का उन्होंने उद्घाटन किया था। हजारों लोगों को रोज-गार मिला था, हजारों नौजवानों को उद्यम लगाने के लिए ऋण दिया तथा स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण किया था।

सीएम योगी ने कहा कि मैं आप सबसे यही कहने के लिए आया हूं कि पहले सामाजिक ताने बाने को उन्होंने छिन्न भिन्न किया, प्रदेश को दंगों की आग में झोंका, विकास के लिए और गरीब कल्याण के लिए जो राज्य की लगनी चाहिए थी उसमें लूट खसोट किया। नौजवानों को मिलने वाली नौकरी में डकैती डाली। वहीं, हम अभी कल ही एक हजार नौजवानों को सरकारी नौकरियों का नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। अभी हाल ही में आपने देखा होगा साठ हजार दो सौ से ज्यादा युवाओं को पुलिस आरक्षी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत लिखित परीक्षा का सफल आयोजन कराया। यह देश ही नहीं बल्कि दुनिया की सिविल पुलिस भर्ती की सबसे बड़ी परीक्षा थी। इसके बावजूद कहीं कोई शिकायत नहीं, कोई भेदभाव नहीं , कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। क्या यही काम 2017 के पहले भी होता था क्या?

सीएम योगी ने आगे कहा कि 2017 के पहले हर नौकरी बिकती थी, उसकी नीलामी होती थी। वसूली में चाचा और भतीजा समान भागीदार होते थे। बाद में, जब ज्यादा वसूली होती थी तो चाचा को धकेल दिया जाता था भतीजा अकेले ही बैग लेके भाग जाता था। यही दृश्य पूरे प्रदेश का हुआ करता था। विकास के नाम पर भी यही लूट खसोट मची हुई थी। इनको मैनपुरी की चिंता नहीं थी इनको तो स्वयं की चिंता थी। इनको प्रदेश की चिंता नहीं थी और इसी लिए जब इनको लगा कि उत्तर प्रदेश अब इनके लिए सुरक्षित नहीं है तो दुनिया के अलग अलग देशों में द्वीप खरीदने लगे, मगर हमें और आपको तो इसी प्रदेश में रहना है।

सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि चाचा की तो नियति ही है धक्का खा करके वहीं पड़े रहना लेकिन उत्तर प्रदेश वासियों को धक्का खाने की जरूरत नहीं है। उन्हें खुद को उबारना पड़ेगा और सम्मान के साथ राष्ट्रवादी मिशन के साथ जुड़कर लड़ने की आदत डालनी पड़ेगी। इसीलिए यह पौने चार सौ करोड़ रुपए की विकास की परियोजनाओं की सौगात लेकर मैं आपके पास आया हूं। आज तो प्रदेश में दंगा नहीं होता, गुंडागर्दी नहीं होती, किसी बेटी का अपहरण नहीं होता, किसी किसान की जमीन पर कोई कब्जा नहीं करता है, किसी व्यापारी का अपहरण नहीं होता है।

सीएम योगी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी बीमारू राज्य के तमगे से हटकर विकसित प्रदेश बनने की ओर बढ़ रही है। यह यूपी को अनलिमिटेड पोटेंशियल के राज्य के रूप में स्थापित करता है। आज उत्तर प्रदेश विकास का, सुरक्षा का, स्टार्टअप का मॉडल सेट कर रहा है। हमने साढ़े सात वर्षों में आपके आशीर्वाद से और प्रधान मंत्री मोदी के मार्गदर्शन में साढ़े छह लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। 2 करोड़ से अधिक नौजवानों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। साठ लाख से अधिक व्यापारियों व युवाओं को स्टार्टअप व उद्यम स्थापित करने के लिए प्रयास किया है। पहले उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल नहीं था। बेटी ही नहीं सुरक्षित थी तो पूंजी कहां से सुरक्षित होती। लेकिन आज बेटी भी सुरक्षित है और पूंजी भी सुरक्षित है। आज अन्नदाता किसान का भी सम्मान है, नारी सशक्तिकरण के साथ युवाओं को भी सम्मान प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि सरकार आपके साथ है और आप को जाति के नाम पर विभाजित होने की जरूरत नहीं है। आज प्रदेश बदल चुका है। 2017 के पहले मैनपुरी के लोग जब यूपी के बाहर जाते थे तो उन्हें शक की निगाहों से देखा जाता था। होटल तो दूर, धर्मशाला में भी कमरा नहीं मिलता था पर आज आपके सामने पहचान का संकट नहीं है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने जो कहा वो करके दिखाया। हमने कहा था प्रदेश को निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन बनाएंगे तो देखिये 40 लाख करोड़ का निवेश प्रदेश में आया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हाइवे, एक्सप्रेसवे, उत्तम एयर कनेक्टिविटी हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। हमने कहा था उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाएंगे तो 2017 से 7वें पायदान से लेकर अब तक हम प्रदेश को दूसरे नंबर की इकॉनमी बना चुके हैं और अगले तीन से चार वर्षों में इसे नंबर वन बनाना है। हम आस्था का सम्मान करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या धाम में रामलला के भव्य मंदिर पूरी दुनिया में चमक बिखेर रहा है। मथुरा और वृंदावन में भी विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, खुद को यदुवंशी बताने वालों के राज में तो श्री कृष्ण के जन्मोत्वस कार्यक्रम मनाने की भी मनाही थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमारे वीर सैनिक ही...

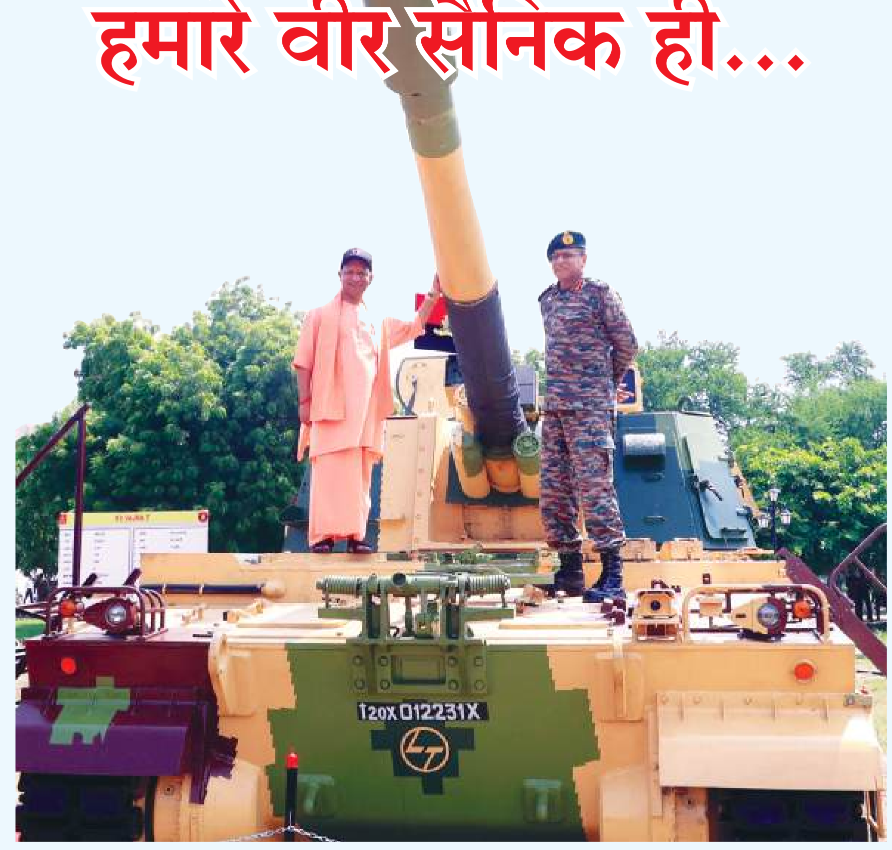

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के बहादुर सैनिकों की सजगता का ही परिणाम है कि आज विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत पूरी मजबूती के साथ अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने और बड़े से बड़े षड्यंत्र को असफल करने में सक्षम हुआ है। हमारे बहादुर जवानों का शौर्य और पराक्रम 140 करोड़ भारतवासियों को आश्वस्त करता है। यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तर प्रदेश वीरों की भूमि है। देश की सुरक्षा के लिए हर युद्ध में हमारे नौजवानों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अपने शौर्य और पराक्रम से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवारत, सेवानिवृत्ति सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। देश की सीमाओं की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिवारजनों को राज्य सरकार 50 लाख रुपए की अनुग्रह राशि, सैनिक परिवार के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश शासन की शासकीय सेवा में समायोजित करने और शहीद सैनिक की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए उनके स्मारक के साथ उनके नाम पर किसी संस्था का नामकरण करने का कार्य भी कर रही है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेजी के साथ आगे बढ़ा है। फरवरी 2018 में लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। उसमें से एक उत्तर प्रदेश में 6 नोड पर स्थापित हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इन 6 के 6 नोड पर रक्षा मंत्रालय के साथ बेहतरीन तालमेल स्थापित करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में राजधानी लखनऊ में डीआरडीओ ब्रह्मोस और झांसी नोड में भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा दो महत्वपूर्ण परियोजन-ाओं को स्थापित करने की कार्रवाई तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। इन परियोजनाओं से देश की सैन्य शक्ति मजबूत होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बल मिलेगा। आधुनिकतम उपकरण और तकनीक का विकास भारत की ही धरती पर होगा, जिससे हमारी सेवा और भी मजबूत होगी। राष्ट्र रक्षा के इन प्रयासों में उत्तर प्रदेश सदैव अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से प्रदेश के युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फरवरी 2020 में डिफेंस एक्सपो का सफल आयोजन किया गया। डिफेंस एक्सपो निवेश की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। उत्तर प्रदेश में डिफेंस सेक्टर से संबंधित एचएएल, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आदि पहले से ही कार्यरत हैं। वहीं इसके विस्तार को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सैन्य समारोह हमारे समाज और युवा पीढ़ी को एक नई प्रेरणा प्रदान करेगा। सशस्त्र सैन्य समारोह के माध्यम से आम जनमानस को सेना के सामर्थ्य और देश की सुरक्षा में हमारे सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को समझने का एक अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए तीनों सशस्त्र बलों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

कन्नौज बलात्कार कांड

एक झटके में नवाब सिंह यादव की नवाबीयत खत्म

कन्नौज, 03 सितंबर (एजेंसियां)। सपा नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव ने किशोरी से दुष्कर्म किया था, इसकी पुष्टि आर-ोपी और पीड़ित किशोरी के डीएनए जांच में हुई है। फॉरेंसिक लैब के निदेशक ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक के पास डीएनए जांच रिपोर्ट भेज दी है। डीएनए सैंपल का मिलान होने से पुलिस को एक वैज्ञानिक सबूत मिल गया है, जिसके आधार पर पुलिस अब जल्द कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि पीड़िता ने कोर्ट में बयान दिया था कि नवाब सिंह यादव ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसकी पुष्टि के लिए पीड़िता व आरोपी का डीएनए सैंपल लेकर जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया था। इससे पहले पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने चौधरी चंदन सिंह डिग्री कॉलेज के उस कमरे (इसी कमरे में किशोरी ने दुष्कर्म की बात कही थी) से नमूने व फिंगर प्रिंट लिए थे। इन्हें भी जांच के लिए भेजा गया था। वहीं, किशोरी के मेडिकल परीक्षण के दौरान दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाकर जांच के लिए भेजी गई थी। डीएनए जांच में इन नमूनों से मिलान किया गया तो पुष्टि हुई कि किशोरी के साथ नवाब सिंह यादव ने ही दुष्कर्म किया था।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में पुलिस ने कॉलेज का डीवीआर, किशोरी की कॉल रिकॉर्डिंग, मोबाइल द्वारा मौके का बनाया गया वीडियो जुटाया था। इसके अलावा सीडीआर भी एकत्र किया था। एसपी ने बताया कि सबसे मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्य के रूप में डीएनए रिपोर्ट है, जिसका अध्ययन कर जल्द ही चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में दाखिल की जाएगी।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह के राजनीतिक रसूख और इत्र नगरी में उसकी बादशाहत को एक बेटी ने अपनी बहादुरी से खत्म कर दिया। षड़यंत्रकारी बुआ ने चंद रुपयों के लालच में अपनी भतीजी को देह व्यापार के दलदल में धकेलना चाहा, लेकिन उसने पहली ही कोशिश में ऐसा प्रतिकार किया कि जिसकी चोट राजनीतिक गलियारों में भी पहुंच गई। बुआ के लाख मना करने पर भी उसने अपना मेडिकल परीक्षण कराया और डीएनए सैंपल दिया। अब डीएनए रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आरोपी नवाब सिंह के भविष्य का फैसला कोर्ट तय करेगा।

11 अगस्त की रात जब लालची बुआ अपनी भतीजी को लेकर चौधरी चंदन सिंह डिग्री कॉलेज पहुंची और उसे पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव को सौंप दिया, तो उसने भी नहीं सोचा था कि उसे इस तरह की दरिंदगी झेलनी पड़ेगी। बेबस होकर वह चुपचाप सब कुछ सहती रही। बाद में उसने बुआ से मोबाइल मांगा और मां से बात करने को कहकर बाहर चली गई।

बाहर जाकर उसने 112 नंबर मिलाया और पुलिस को सूचना दी। रात में ही पुलिस पहुंची तो डिग्री कॉलेज के एक कमरे में नवाब सिंह अस्त व्यस्त हालात में मिला।

दीपोत्सव में 4 दिनों तक अलौकिक आभा से दमकेगा अयोध्या धाम

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। 500 वर्षों के पराभव काल को पीछे छोड़कर अयोध्या धाम अब वापस से त्रेतायुगीन वैभव की ओर अग्रसर हो चला है। रामलला के अपने भव्य मंदिर में विराजित हो चुके हैं और होली व श्रीराम जन्मोत्सव के भव्य आयोजनों ने पूरे देश व दुनिया के करोड़ों भक्तों में अपार हर्ष का संचार किया। हर्ष का ऐसा ही क्षण अब जल्द ही भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम के जरिए 28 से 31 अक्टूबर के मध्य भक्तों को मिलने वाला है। यूं तो, वर्ष 2017 से ही दीपावली पर अयोध्या के सरयू घाट रिकॉर्ड संख्या में दीपों से जगमग होते रहे हैं और वर्ष 2024 में 8वें दीप-ोत्सव कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सीएम योगी के विजन में कार्ययोजना निर्धारित की जा चुकी है, मगर इस बार का दीपोत्सव कई मायनों में खास होने जा रहा है। यह इसलिए भी खास होगा क्योंकि रामलला के श्रीविग्रह की स्थापना के बाद इस वर्ष पहली बार आयोजित होगा। ऐसे में, इसे भव्यतम स्तर पर आयोजित करने के लिए योगी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इस वर्ष न केवल राम की पैड़ी, नया घाट समेत अयोध्या के विभिन्न घाटों को 25 लाख से ज्यादा दीयों से सजाया जाएगा बल्कि 4 दिन तक चलने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम में रौशनी सज्जा इस कदर आकर्षक होगी जो अयोध्या धाम को साकेत धाम की वास्तविक अलौकिक आभा प्रदान करेगा।

सीएम योगी के विजन अनुसार, दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान अयोध्या को में इंटेलिजेंट डायनेमिक कलर चेंजिंग एलईडी डेकोरेटिव पैनल्स और मल्टीमीडिया प्रोजेक्शंस समेत विभिन्न प्रकार की आधुनिक लाइटिंग से युक्त किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल के अतिरिक्त अयोध्या के विभिन्न स्थानों को भी इनसे युक्त किया जाएगा। नया घाट समेत राम की पैड़ी पर स्वागती द्वार बनाए जाएंगे जिन्हें थीमैटिक लाइटेड आर्क पिलर्स से युक्त किया जाएगा। अयोध्या शहर के भक्ति पथ समेत विभिन्न मुख्य पथों को आकर्षक रौशनी और पुष्प सज्जा से युक्त किया जाएगा, इसके साथ ही अयोध्या से गोंडा की ओर जाने वाले मार्ग पर गोंडा ब्रिज व अयोध्या से बस्ती जाने वाले मार्ग पर बस्ती ब्रिज को आकर्षक रौशनी सज्जा से युक्त किया जाएगा। पूरा अयोध्या धाम ही विभिन्न प्रकार की लाइटिंग से जममगा उठेगा और सभी प्रमुख मंदिरों का विशेष रूप से आर्टिस्टिक डेकोरेशन होगा जिसमें रौशनी सज्जा प्रमुख रहेगी। अयोध्या के 500 से ज्यादा प्रमुख स्थलों को आकर्षक साइनेज बोर्ड्स से सजाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 20 आर्टिस्टिक इंस्टॉलेशंस की भी अयोध्या के विभिन्न क्षेत्रों में दीपोत्सव कार्यक्रम के दृष्टिगल स्थापना की जाएगी।

28 से 31 अक्टूबर के बीच अयोध्या में इस वर्ष होने वाले भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान प्रतिदिन विभिन्न शिफ्ट्स में इस कार्यक्रमों का आयोजन होगा और मुख्य कार्यक्रम की समयावधि 45 मिनट की रहेगी। इस दौरान कुल मिलाकर 100 से ज्यादा कलाकार राम की पैड़ी व अन्य कार्यक्रम स्थलों पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इनमें प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन मुख्य रहेगा। इसके साथ ही, मुख्य कार्यक्रम की शोभा भव्य लेजर शो, मल्टी मीडिया प्रोजेक्शंस और आर्टिस्टिकली कोरियोग्राफ्ड फायरक्रैकर शो होगा जो कि पर्यावरण को किसी प्रकार का नुक्सान नहीं पहुंचाएंगे और अयोध्या के आकाश को विभिन्न प्रकार की रौशनी से सराबोर कर देंगे। कोरियोग्राफ्ड ग्रीन एरियल फायरक्रैकर शो को 10 मिनट से ज्यादा अवधि के लिए संचालित किया जाएगा।

दीपोत्सव कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा का भी आयोजन होगा जिसमें राम रथ समेत 7 बड़े मैकेनाइज्ड टैब्ल्यू को भी शोकेस किया जाएगा। यह सभी टैब्ल्यू प्रभु श्रीराम के विभिन्न प्रसंगों से संबंधित होंगे और इनके निर्माण में ऑरोरो (बोलिविया), बासेल (स्विट्जरलैंड), साल्वाडोर (ब्राजील), बारांक्विला (कोलंबिया), डसेलडॉर्फ (जर्मनी) ग्रेनाडाइन्स से इंस्पायर्ड होंगे। माना जा रहा है कि दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान ही अयोध्या समेत आस-पास के सभी प्रमुख क्षेत्रों के वर्चुअल रिएलिटी प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शन कराने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। जिन तीर्थस्थलों को वर्चुअल रिएलिटी के जरिए जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है इसमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, नागेश्वर नाथ मंदिर, राम की पैड़ी, छोटी देवकाली मंदिर, बड़ी देवकाली मंदिर, कनक भवन मंदिर व दशरथ महल मंदिर मुख्य हैं। इसके अतिरिक्त, रंग महल मंदिर, सूर्य कुंड, भरत कुंड, गुप्तार घाट, राम हेरिटेज वॉक (साकेत पेट्रोल पंप से लता मंगेशकर चौक तक), राम गुलेला मंदिर, श्रृंगी ऋषि का आश्रम, मखोड़ा धाम, सिया राम किला, जैन मंदिर, छपिया नारायण मंदिर तथा अमावा मंदिर को भी वर्चुअल रिएलिटी प्रक्रिया से जोड़े जाने पर कार्य शुरू हो गया है।

संपादकीय

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है।

> संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्र पति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्र पति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके।

'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है

सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे

ललित गर्ग

> संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है।'

यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये

राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है।

दृष्टि कोण

भारत-पाकिस्तान के बीच बदलती फिजा के संकेत

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें : 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है– खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैं– पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्तूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया। यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा –अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए। हर चीज़ को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत-पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम ग्रेड की सफेद हेरोइन -स्थानीय भाषा में चिट्टा- पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के आदेश पर पैकेटों के रूप में पहुंचाई जाती है। निसंदेह 'छद्म युद्ध' चलाने के अनेकानेक तरीके हैं। दूसरा तरीका है, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ जम्मू क्षेत्र में करवाना। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि हाल के महीनों में भारतीय सैनिकों और अर्धसैनिक बलों पर घात लगाकर जो हमले हुए हैं- जिनमें इस बार की गर्मियों में अब तक 18 सैनिक शहीद हुए हैं – कश्मीर घाटी से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार की एक सोची-समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले, मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी – अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे। लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की : 'मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार-चढ़ाव देखे हैं–ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'। परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही, मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है' –ये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे। पहले तो अज़ीज़ वह बचाने का प्रयास करते रहे जिसका बचाव हो नहीं सकता था यानि कारगिल में पाकिस्तानी आक्रमण, लेकिन जब टेप सुनाकर पूछा गया तो इसके बाद उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था। 2016 से मोदी भी ठीक इसी तरह दुविधा का सामना कर रहे हैं।

कुछ अलग

डिप्रेशन में जा रहे युवा अवनि लेखरा से प्रेरणा लें

जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। अवनि के पिता प्रवीण लेखरा ने स्वयं यह बात बताई। पिता प्रवीण ने बताया कि रामचरितमानस की चौपाई 'कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥' को अवनि दोहराती है। पेरिस पैरालंपिक में जाते समय भी यह चौपाई अवनि लेखरा कागज पर लिखकर ले गई है। मात्र 11 साल की उम्र में यदि कोई बच्चा दुर्घटना का शिकार हो जाए और आगे की जिंदगी अपंगता में बीते तो उसका मनोबल टूट जाएगा, लेकिन अवनि लेखरा अपवाद है। वर्ष 2012 में जयपुर से धौलपुर जाते समय एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई अवनि एकाएक व्हीलचेयर पर आ गई थी। लग रहा था कि जीवन में आगे कोई उम्मीद नहीं है। निराशा ने चारों ओर से घेर लिया था, लेकिन परिवार ने संबल दिया। विशेषकर पिता प्रवीण लेखरा ने मनोबल बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक के बाद पेरिस पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड मैडल जीतकर उन सभी लोगों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया है, जो जीवन में कहीं न कहीं निराश हो चुके हैं। जब सड़क हादसे के बाद बेटी व्हीलचेयर पर आ गई और निराशा में डूबी रहती थी, तब पिता ने उसे राइफल शूटिंग के प्रति प्रोत्साहित किया। मन बहलाने के लिए एक दिन शूटिंग रेंज तक ले गए। वर्ष 2015 में अवनि ने शौकिया शूटिंग की शुरुआत की। हालांकि, चुनौतियां पहाड़ जैसी बड़ी थीं। अवनि की उम्र भी बेहद कम थी। परिवार के पास संसाधन भी नहीं थे। जयपुर में शूटिंग को लेकर सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। शुरू-शुरू में अवनि को राइफल तक उठाने में परेशानी होती थी। अवनि ने जब पहला मैच खेला तो उसके पास खुद की राइफल तक नहीं थी। उधार की राइफल से उसने गोल्ड मैडल जीता था। 2016 का साल अवनि के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आया। उसने स्पर्धाओं में तीन गोल्ड मैडल जीते, जिससे उसका इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए चयन हो गया। वर्ष 2017 में यूएई में अवनि ने पहला वर्ल्ड कप खोला और सिल्वर मेडल जीत कर देश का मान बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक में अवनि पहली भारतीय महिला बनीं, जिसने गोल्ड मैडल जीता। वो एक पैरालंपिक में दो मैडल (एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज) जीतने वाली पहली भारतीय हैं। अवनि पहली भारतीय ओलंपियन भी हैं, जिसने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में गोल्ड मैडल जीते हैं। अवनि आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है, जो जरा सी असफलता से निराश हो जाती है। डिप्रेशन में चली जाती है। जो युवा आज डिप्रेशन में जा रहे हैं, वो अवनि की जिंदगी से सीख सकते हैं। अवनि के परिवार ने उसे बहुत सपोर्ट किया। उसी सपोर्ट की वजह से अवनि इस मुकाम पर पहुंची है। इसलिए हर परिवार की जिम्मेदारी है कि वो अपने बच्चों को अकेला न छोड़ें। बच्चे को सही राह दिखाएं। प्रत्येक बच्चे में कुछ न कुछ अद्भुत गुण छिपे होते हैं। बस उन्हें उभारने की जरूरत है।

देश दुनिया से

भारत में सर्पदंश का कहर और सांपों से जूझती ग्रामीण आबादी

> मनुष्य की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया से समझा जा सकता है कि आखिर झाड़ियों, घास में और बिल में दुबका हुआ सांप कितना खतरनाक होता है। बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम है और यही समय सर्पदंश के लिए सर्वाधिक जोखिमपूर्ण है। दरअसल, सांप के काटने की घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में घटती हैं। इससे आम किसान या कृषि श्रमिक और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को अक्सर वयस्कों की तुलना में अधिक गंभीर प्रभाव झेलना पड़ता है, क्योंकि उनका शरीर का वजन छोटा होता है।

सांप को देखते ही शरीर में सिंहरन दौड़ पड़ती है। मनुष्य की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया से समझा जा सकता है कि आखिर झाड़ियों, घास में और बिल में दुबका हुआ सांप कितना खतरनाक होता है। बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम है और यही समय सर्पदंश के लिए सर्वाधिक जोखिमपूर्ण है। दरअसल, सांप के काटने की घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में घटती हैं। इससे आम किसान या कृषि श्रमिक और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को अक्सर वयस्कों की तुलना में अधिक गंभीर प्रभाव झेलना पड़ता है, क्योंकि उनका शरीर का वजन छोटा होता है। जहरीले सांपों के काटने से कुछ ही समय में मौत से लेकर लकवा, सांस लेने में दिक्कत, रक्तस्राव संबंधी विकार से घातक रक्तस्राव, अपरिवर्तनीय किडनी फेल्यौर, ऊतक क्षति से स्थायी विकलांगता और अंग विच्छेदन हो सकता है। यह समस्या मुख्य रूप से विकासशील देशों की और खास कर कृषि प्रधान ग्रामीण और वनवासी जनजातियों की है। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी डालती है। लेकिन इस समस्या को किसी भी स्तर पर मानव वन्यजीव संघर्ष की अन्य घटनाओं की तरह गंभीरता से नहीं लिया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार दुनियाभर में हर साल 50.40 लाख लोग सांपों द्वारा काटे जाते हैं और 81,410 से लेकर 1,37,880 तक लोग सर्पदंश से मर जाते हैं तथा लाखों लोग विकलांगता और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। भारत का यह आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। हालांकि सर्पदंश पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरों के आंकड़ों में भारी अंतर है। फिर भी सरकार द्वारा गत 12 मार्च 2024 को भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की शुरुआत के समय जारी विवरण के अनुसार भारत में हर साल लगभग 3-4 मिलियन सर्पदंशों में से लगभग 50,000 मौतें होती हैं, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी सर्पदंश मौतों का आधा हिस्सा है। इधर, विभिन्न देशों में सर्पदंश के शिकार लोगों का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही क्लीनिकों और अस्पतालों में रिपोर्ट करता है और सर्पदंश के वास्तविक बोझ की रिपोर्ट बहुत कम की जाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य जांच ब्यूरो की रिपोर्ट (2016-2020) के अनुसार, भारत में सर्पदंश के मामलों की औसत वार्षिक आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) लगभग 3 लाख है और लगभग 2000 मौतें सर्पदंश के कारण होती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की वास्तविक संख्या किसी के पास नहीं है, क्योंकि ले घटनाएं अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों और वन बस्तियों में होती हैं और लोग सांप के काटने पर झाड़ फूंक और घरेलू इलाज पर समय बरबाद कर देते हैं। समय पर सही उपचार न मिलने पर सर्प दंशित व्यक्ति जान गंवा बैठता है। पुलिस और अस्पताल तक मामले न जाने के कारण उनकी रिपोर्टिंग नहीं हो पाती।

मॉनसून का सीजन सर्वाधिक जोखिमपूर्ण

भारत में मॉनसून का मौसम, जो आमतौर पर जून से सितंबर तक चलता है, सांप के काटने के लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील अवधि होती है। मॉनसून में भारी बारिश होती हैं। भारी बारिश से सांपों के आवास नष्ट होते हैं और उनके बिलों में पानी भरता है। इससे सांप भोजन और आश्रय की तलाश में मनुष्यों के रहने वाले क्षेत्रों में चले जाते हैं। मॉनसून का मौसम कृषि गतिविधियों के लिए भी सबसे अच्छा समय होता है। खेतों में काम करने वाले किसान और मजदूर अनजाने में उन सांपों के संपर्क में आ सकते हैं जो ऊंची घास या मलबे के नीचे शरण लिए हुए होते हैं। माना जाता है कि मॉनसून के दौरान नमी का उच्च स्तर सांपों को अधिक सक्रिय बना सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गर्म, गीली परिस्थितियों में शिकार की उपलब्धता बढ़ सकती है, जिससे सांपों की अधिक गतिविधि हो जाती है। भारत की जनसख्या बढ़ते जाने के साथ ही अन्य मानव-जीव संघर्ष की तरह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए मानव-सांप संघर्ष भी बढ़ता जा रहा है। मानव निवास विस्तार प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण करता है। लोगों और सांपों के बीच यह बढ़ा हुआ सम्पर्क विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सांप के काटने की संभावना को बढ़ाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से भी सांपों के व्यवहार और वितरण को प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के लिए, गर्म तापमान और बदले हुए वर्षा पैटर्न उन आवासों का विस्तार कर सकते हैं जहां सांप रहते हैं और उनकी गतिविधि बढ़ सकती है। वनों की कटाई और कृषि विस्तार के कारण वन क्षेत्रों का नुकसान सांपों को भोजन और आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों में पलायन करने के लिए मजबूर कर रहा है।

आप का नजरिया

भीड़ कम करने के लिए

भीड़ कम करने की वजह हिमाचल के शहरी आवरण को फिर से लिखने की जरूरत सरीखी है। वीरभद्र सिंह के बाद यह पैगाम सुक्खू सरकार ने दिया है कि राजधानी से कुछ कार्यालय जिला मुख्यालयों को रुखसत किए जाएंगे। शांता कुमार सरकार ने बिजली महकमे के कई कार्यालय सुंदरनगर भेजे थे, तो वीरभद्र सिंह ने नार्थ, साउथ व सेंट्रल जोन बनाकर विभागों के क्षेत्रीय कार्यालय और कुछ मुख्यालय स्थानांतरित किए थे। प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालयों का एक और जोन बनाकर हमीरपुर में इनकी तादाद बढ़ाई थी। बेशक शिमला में राजधानी के हिस्से बंटे और इन्हीं से निकला था निचले क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, तपोवन में शीतकालीन सत्र और धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी का सफर। एक बार फिर शिमला की बाहों से भीड़ का बोझ निकाला जाएगा। यह संभव है अगर नगर की डगर पर आसमानों का युद्ध न हो, वरना सत्ता की मंजिलें सियासी भीड़ बन जाती हैं। देखना यह भी होगा कि शिमला से उठा कर भीड़ किस शहर की संपत्ति बनने के लिए उपयोगी सिद्ध होती है। मसलन कृषि विश्वविद्यालय अगर पालमपुर में है, तो कृषि विभाग का निदेशालय वहां हो सकता है। इसी तरह मेडिकल यूनिवर्सिटी मंडी के साथ चिकित्सा निदेशालय व सोलन विश्वविद्यालय के कारण बागबानी का निदेशालय वहां शिफ्ट किए जा सकते हैं। स्कूली बोर्ड शिक्षा व खेल नगरी के रूप में धर्मशाला में शिक्षा, खेल, युवा सेवाएं, भाषा एवं कला-संस्कृति तथा पर्यटन जैसे विभाग भेजे जा सकते हैं। बीबीएन क्षेत्र को प्रदेश की आर्थिक राजधानी का दर्जा देने के लिए उद्योग, प्रदूषण, वित्त निगम तथा औद्योगिक विकास निगम के कार्यालयों का औचित्य वहां बढ़ जाता है। इसके साथ बैंकिंग क्षेत्र की राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय बीबीएन में शिफ्ट कर देने चाहिए। शिमला के उच्च न्यायालय का सर्किट बैंच धर्मशाला में खोलने की दशकों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में भी सरकार को अहम भूमिका निभानी चाहिए। शिमला को मिला राजधानी का दर्जा इसकी ऐतिहासिक विरासत का परचम बुलंद करता है, इसलिए यहां 'राज्य राजधानी क्षेत्र' की तर्ज पर विकास करना होगा। वर्षों से लंबित वाकनाघाट परियोजना को अब शिमला के भविष्य के अनुरूप विकसित करना चाहिए। बेशक शिमला को भीड़ से मुक्त कराने का एक तरीका इजाद हो रहा है, लेकिन भीड़ में मंदिर परिसरों, पर्यटक स्थलों, बढ़ते यातायात की मजबूरियों और परिवहन के दबाव को घटाने की जरूरत है। प्रदेश में दो-तीन शहरों के मध्य कर्मचारी नगर बसा कर नए कार्यालयों के लिए स्थान बनाया जा सकता है। शिमला से कार्यालय शिफ्ट कर देने से राज्य की भीड़ कम नहीं होगी। हमें याद रखना चाहिए कि पांच करोड़ पर्यटक आगमन का इंतजार पुनः शिमला के रिज, सडक़ों और पर्यटक स्थलों को खचाखच भर देगा। ऐसे में हर शहर की भूमिका में निखार लाने से पहले उसके मूल आचरण का वर्गीकरण करते हुए ही विभागों के कार्यालय शिफ्ट करने होंगे।

ढाका में मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

ढाला, 03 सितंबर (एजेंसियां) । बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज तड़के हुई बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राजधानी के कई इलाकों में सड़कों पर इतना पानी भर गया कि राहगीरों को वापस घरों के लिए लौटना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी कामकाजी लोगों और स्कूली बच्चों और स्टाफ को हुई।

इतना पानी बरसा है कि कई ड़कें घुटनों तक पानी में डूबी हुई हैं। कुछ इलाकों में तो कमर तक पानी भर गया है। स्थानीय निवासियों और यात्रियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मीरपुर-10 क्षेत्र के एक निवासी ने कहा कि उसने सुबह करीब सात बजे रिक्शा से कारवां बाजार स्थित अपने कार्यालय जाने का प्रयास किया। मीरपुर-10 से शेवरापारा तक पूरे मार्ग पर पानी भरा मिला। एक बिंदु पर रिक्शा की सीट पानी में डूब गई। इस कारण उन्हें यात्रा छोड़कर घर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस स्थिति के कारण राजधानी में ट्रैफिक जाम है। वाहन सड़कों पर पानी में फंसे हुए हैं।

सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा विशेष रूप से प्रभावित हुए। कई के इंजन में पानी घुस गया। इसके बाद वह शुरू नहीं हो सके। फेसबुक ग्रुप ट्रैफिक अलर्ट में कहा गया है कि मीरपुर, बशुंधरा आर/ए, धनमंडी, ग्रीन रोड और बनानी में कई सड़कों पर फिलहाल पानी भरा हुआ है। यातायात अस्त-व्यस्त है।

बांग्लादेश मौसम विज्ञान कार्यालय ने सुबह एक बुलेटिन जारी किया है। इसमें ढाका सहित कई डिविजन में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की भविष्यवाणी की गई है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षति करने के लिए नई योजना का किया ऐलान

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को एक नई विश्वसनीय टूर ऑपरेटर योजना (टीटीओएस) के निर्माण की घोषणा की। इसका शुरुआती फोकस भारत और चीन के उभरते पर्यटन बाजारों पर होगा। देश के गृह विभाग ने कहा कि जनवरी 2025 से लागू की जाने वाली इस योजना से वीजा प्रणाली में सुधार होगा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार में तेजी आने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने कहा, शोध से पता चलता है कि पर्यटन को प्रति वर्ष केवल 10 प्रतिशत बढ़ाने से वार्षिक आर्थिक विकास में 0 ।6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के लिए हजारों नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। कुछ देशों के कई पर्यटकों के लिए बड़े समूहों में यात्रा करना पसंदीदा विकल्प है और अब समय आ गया है कि हमारी वीजा प्रणाली इस वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने और इसका लाभ उठाने के लिए अनुकूल हो। मंत्री ने कहा, यह गृह मंत्रालय द्वारा आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की हमारी भूमिका को अपनाने की शुरुआत मात्र है। टीटीओएस अपने आप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरिम उपाय है। हम गृह मंत्रालय को डिजिटल रूप से बदलने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक पूरी तरह से स्वचालित प्रक्रिया है, जो दुनिया भर के पर्यटकों को सुरक्षित पर्यटक वीजा परिणाम डिजिटल रूप से और कुछ सेकंड के भीतर प्रदान करती है ।टीटीओएस दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनने के रास्ते में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को दूर कर देगा। देश की सरकार के अनुसार, फिलहाल दक्षिण अफ्रीका आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या केवल 3। 9 प्रतिशत है।

भारत से हुए कई समझौतों को खत्म करने की तैयारी कर रही बांग्लादेश सरकार

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा और आगजनी के बीच अंतरिम सरकार बनी है। खबरें हैं कि मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ऐसे समझौतों की समीक्षा की तैयारी कर रही है, जो बांग्लादेश के लिए फायदेमंद नहीं हैं। हालांकि, अब तक बांग्लादेश की ओर से ऐसे किसी एमओयू के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसके अलावा अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि अगर कानूनी रूप से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस लाना जरूरी होता है, तो प्रत्यर्पण की कोशिश की जाएगी। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर पूर्व में हस्ताक्षर किए हुए कुछ समझौते मुल्क के लिए गैर फायदेमंद पाए जाते हैं, तो अंतरिम सरकार उनकी समीक्षा कर सकती है या कैंसिल भी कर सकती है। हालांकि, इसे लेकर अब तक अंतरिम सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कई रिपोर्ट्स के हवाले से लिखा है कि हाल ही में अंतरिम विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने हाल ही में कहा है कि एमओयू बाध्यकारी समझौते नहीं हैं और इन्हें संशोधित किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन की बैठक से लौटने के बाद हुसैन ने कहा, समझौते नहीं हैं। उनमें हमेशा संशोधन किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कई राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अंतरिम सरकार को लगता है कि शेख हसीना प्रशासन के भारत के साथ करीबी संबंध थे और हो सकता है कि एमओयू पर हस्ताक्षर करते समय भारतीय हितों का खास ध्यान रखने के लिए मजबूर होना पड़ा हो। जून 2024 में शेख हसीना प्रशासन ने भारत के साथ कुल 10 एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से 7 नए थे और 3 को रिन्यू किया जाना था। खबरें हैं कि बांग्लादेश को दिए जाने वाले भारतीय कर्ज को लेकर भी अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। प्लानिंग मंत्रालय इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट्स के जरिए जारी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में जल संसाधन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने कहा है कि सरकार तीस्ता जल बंटवारा संधि पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ऊपरी तटवर्ती और निचले तटवर्ती देशों को जल बंटवारे पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। ढाका में बातचीत में हसन ने भरोसा जताया कि भारत के साथ तीस्ता संधि एवं अन्य जल बंटवारा संधियों पर विवाद को बातचीत के जरिए सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाएगा लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय वैधानिक दस्तावेजों और सिद्धांतों पर विचार कर सकता है।

नेतन्याहू का ऐलान-युद्ध तभी रुकेगा जब हमास का सफाया होगा

तेल अवीव, 03 सितंबर (एजेंसियां) । गाजा में बंधकों के साथ आतंकवादी समूह हमास की बर्बरता से महाशक्तियां विचलित हैं। छह बंधकों की हत्या से इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति लोगों में तीखा आक्रोश है। नेतन्याहू पर युद्धविराम के दबाव के लिए जनसैलाब सड़कों पर है। अमेरिका और ब्रिटेन के तेवर भी नरम पड़े हैं। बावजूद इसके प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा से कदम पीछे हटाने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी समाचार पत्र के अनुसार, देश में हड़ताल और प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नेतन्याहू सोमवार को पत्रकारों के सामने आए। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में साफ-साफ कहा कि युद्ध तभी समाप्त होगा जब इजराइल हमास को खत्म कर देगा। नेतन्याहू ने मिस्र की सीमा के साथ गाजा में भूमि की एक पट्टी पर इजराइल की निरंतर उपस्थिति पर कहा कि यह इजराइल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि नेतन्याहू बंधकों को घर लाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं।

ब्रिटेन ने भी घोषणा की है कि वह इजराइल को कुछ हथियारों की बिक्री को निलंबित कर देगा। संचार माध्यमों में कहा जा रहा है कि अभी भी हमास की कैद में लगभग 100 इजरायली बंधक हैं। हमास ने नेतन्याहू को धमकी दी है। हमास की सशस्त्र शाखा ने सोमवार को कहा है कि यदि सैन्य दबाव जारी रहा तो बंधकों को ताबूतों के अंदर इजराइल वापस भेज दिया जाएगा। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि इजराइली सैनिक आते हैं तो बंधकों की सुरक्षा करने वाले आतंकवादियों को नए निर्देश दिए गए हैं।

तुर्किये में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला, हिरासत में 15 लोग

अंकारा। तुर्किये के इजमिर में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया गया। हमलावर कुछ युवक थे जो दक्षिणपंथी तुर्की युवा समूह के सदस्य हैं। स्थानीय गवर्नर के कार्यालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले में शामिल 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तुर्किये के युवा संघ (टीजीबी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, हमने अमेरिका के सबसे बड़े हमलावर जहाज यूएसएस वास्प पर तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। अमेरिकी सैनिकों के हाथ हमारे सैनिकों और हजारों फिलिस्तीनियों के खून से सने हुए हैं। इसलिए वे हमारे देश को अपवित्र नहीं कर सकते। जब भी आप इस जमीन पर कदम रखेंगे। हम आपका ऐसा ही स्वागत करेंगे, जिसके आप हकदार हैं। तुर्किये मीडिया रिपोर्टों ने इजमिर गवर्नर के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रवादी पार्टी की युवा विंग के सदस्यों ने कोनक सिटी में दो अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया। उन्होंने बयान में कहा कि घटना के बाद पांच अमेरिकी सैनिकों ने हस्तक्षेप किया। सभी 15 हमलावरों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। वहीं, तुर्किये स्थित अमेरिकी दूतावास ने हमले की पुष्टि की और कहा कि सैनिक अब सुरक्षित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, हम उन रिपोर्टों की पुष्टि करते हैं कि अमेरिका वास्प पर सवार अमेरिकी सेवा सदस्य आज इजमिर में हुए हमले के शिकार हुए थे, लेकिन अब वह सुरक्षित हैं। हम तुर्किये अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं, उन्होंने इसमें तत्काल कार्रवाई की।

दक्षिण अफ्रीका की ब्यूटी क्वीन बनीं मिस यूनिवर्स नाइजीरिया

एबूजा, 03 सितंबर (एजेंसियां) । मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज 23 साल की चिदिम्मा एडेत्शिना को पहनाया गया है जो कानून की छात्रा हैं। राष्ट्रीयता को लेकर आलोचना और विवाद के बाद उन्होंने मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका के सोवतो में वह पैदा हुईं। उनके पिता एक नाइजीरियाई और मां मोजाम्बिक की हैं। एडेत्शिना शुरू में मिस साउथ अफ्रीका में फाइनलिस्ट थीं। लेकिन उनकी भागीदारी की आलोचनाएं होने लगीं। आलोचकों ने उनकी मिश्रित विरासत के कारण उनकी योग्यता पर सवाल उठाए। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दक्षिण अफ्रीका के गृह मामलों के विभाग को जांच भी करनी पड़ गई। इस जांच में चिदिम्मा एडेत्शिना की ओर से कोई भी गलत काम करते नहीं पाया गया।

लेकिन सुझाव दिया कि उनकी मां ने दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता पाने के लिए पहचान चुराई हो सकती है। अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आखिर में एडेत्शिना ने प्रतियोगिता से बाहर होने का फैसला किया। बाद में उनकी कहानी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रतियोगिता से हटने की बात जानकर मिस यूनिवर्स नाइजीरिया के आयोजकों ने उन्हें अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। इससे उन्हें वैश्विक मंच पर अपने पिता की मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। शनिवार को लागोस में एडेत्शिना को मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज पहनाया गया। नवंबर में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में वह नाजीरिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। एडेत्शिना ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह ताज सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं बल्कि एकता का आह्वान है। उनकी जीत को सोशल मीडिया पर जश्न के तौर पर देखा गया। उनके समर्थकों ने उनकी प्रशंसा की। लेकिन कई आलोचकों ने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर जीत दिलाई गई है।

ट्रंप से नाराज पत्नी मेलानिया.....चाहती हैं कमला हैरिस जीते

वाशिंगटन, 03 सितंबर (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब दो माह का ही समय बचा है। दोनों प्रमुख पार्टियां दमखम दिखाने में जुटी हैं। इस पर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को लेकर खबर आई है जिससे उनके समर्थकों को झटका लग सकता है। व्हाइट हाउस के पूर्व संचार निदेशक एंथनी स्कारामुची ने उनकी पत्नी को लेकर कुछ दावे किए हैं। उनका कहना है कि मेलानिया ट्रम्प चाहती हैं कि कमला हैरिस ही जीतें। स्कारामुची के मुताबिक हैरिस के लिए मेलानिया का समर्थन सिर्फ राजनीतिक पसंद का मामला नहीं है, बल्कि यह उनके पति ट्रम्प के प्रति उनकी नफरत से भी जुड़ा है।

स्कारामुची ने कहा कि उनकी पत्नी उनसे इतनी नफरत हैं कि यह उनके राजनीतिक चयन को प्रभावित करती है। स्कारामुची ने कहा कि जनरल मार्क इकलौते व्यक्ति हैं जिन्हें वे जानते हैं जो मेलानिया की तुलना में ट्रम्प से ज्यादा नफरत करते हैं। उन्होंने चुटकी लेकर कहा, मेलानिया की नफरत इस बात का मानक तय करती है कि कोई व्यक्ति ट्रंप से कितनी नापसंद कर सकता है।

कौन हैं एंथनी स्कारामुची

व्हाइट हाउस संचार डायरेक्टर के रूप में काम करने वाले स्कारामुची ने 21 जुलाई से 31 जुलाई 2017 तक इस पद पर काम किया। उनके छोटे कार्यकाल में काफी ड्रामा और विवाद भी हुआ जिसमें सीन स्पाइसर का इस्तीफा भी शामिल था जो कथित तौर पर स्कारामुची की नियुक्ति से जुड़ा था। वहीं ट्रंप ने लगातार स्कारामुची की टिप्पणियों को व्यक्तिगत दुश्मनी बताया है।

इस बीच मेलानिया ने 2024 में ट्रंप के चुनावी अभियान से ज्यादातर मामलों में दूरी बना रखी है। ट्रंप पर हुए गंभीर हमलों के बाद एक संक्षिप्त सार्वजनिक बयान जारी करने के अलावा वह सुर्खियों से दूर ही रही हैं। वहीं 1 अक्टूबर को मेलानिया की आत्मकथा भी लांच होगी।

चेक गणराज्य पुलिस ने 29 प्रवासियों को हिरासत में लिया, एक महिला की मौत

प्राग, 03 सितंबर (एजेंसियां) । चेक गणराज्य पुलिस ने प्रवासियों को लेकर जा रहे ट्रक को जब्त कर लिया है। इस ट्रक में 30 प्रवासी मिले। इनमें एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बाकी 29 प्रवासियों को हिरासत में ले लिया है। चेक गणराज्य पुलिस ने यह जानकारी एक्स हैंडल पर दी है।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सोमवार रात 8ः00 बजे के बाद प्राग के उत्तर में राजमार्ग पर वेलटूसी के पास डी8 मोटर-वे पर प्रवासियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। इन प्रवासियों को हिरासत में ले लिया गया। यह सभी पारगमन प्रवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद करीब 30 मिनट के लिए राजमार्ग को बंद करा दिया गया। इन प्रवासियों में से कुछ ने भागने की कोशिश भी की। पीछा करने पर छुप गए। उन्हें हेलिकॉप्टर की मदद से खोजा गया। इनमें से कुछ का का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उनका मौके

पर इलाज कराया गया। किसी को भी अस्पताल में दाखिल नहीं कराना पड़ा। इन लोगों की राष्ट्रीयता का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

रेडियो प्राग इंटरनेशनल के अनुसार, चेक पुलिस ने लगभग 30 प्रवासियों को ले जा रहे एक ट्रक को रोका तो उनमें से कुछ ने कूदकर भागने का प्रयास किया। प्रवासियों का स्वास्थ्य खराब पाया गया और बचाव प्रयासों के बावजूद एक महिला की मृत्यु हो गई। यह घटना बोहेमिया और जर्मनी को जोड़ने वाले राजमार्ग डी8 पर सोमवार शाम हुई।

वेनेजुएलाः राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का चेहरा रहे गोंजालेज के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

काराकास, 03 सितंबर (एजेंसियां) ।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष की तरफ से उम्मीदवार रहे एडमंडो गोंजालेज के खिलाफ सोमवार को यहां की एक विशेष अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। गोंजालेज की गिरफ्तारी को लेकर वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल कार्यालय की मांग को विशेष आतंकवाद विरोधी अदालत के न्यायाधीश ने मंजूर कर लिया। गोंजालेज ने सोशल मीडिया पर समर्थकों से शांत रहने का आह्वान किया है।

अटार्नी जनरल कार्यालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोमवार को विशेष आतंकवाद विरोधी अदालत के न्यायाधीश को संबोधित एक पत्र पोस्ट किया था जिसमें गोंजालेज के खिलाफ दस्तावेजों की जालसाजी और कानून की अवहेलना करने के लिए उकसाने सहित कथित अपराधों का विवरण दिया था ।इसमें गोंजालेज की गिरफ्तारी की मांग की गई थी। उल्लेखनीय है कि गोंजालेज के खिलाफ जांच चल रही है। तीन बार समन जारी होने के बावजूद वे अभियोजकों के सामने पेश नहीं हुए।

लंदन से छपने वाले अखबार द गार्जियन के अनुसार, अगर एडमंडो गोंजालेज दोषी ठहराए जाते हैं तो उन्हें अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे गुजारना पड़ेगा। उन्हें 16 साल तक की सजा हो सकती है।

75 वर्षीय सेवानिवृत्त गोंजालेज 28 जुलाई के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिबंधित विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो के स्थान पर निकोलस मादुरो को चुनौती देने के लिए सहमत हुए थे।

राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर निकोलस मादुरौ की सत्ता में वापसी हुई। हालांकि, विपक्ष ने चुनावी धांधली के आरोप लगाए। ब्राजील, कोलंबिया, मैक्सिको सहित कई लैटिन अमेरिकी देशों ने चुनावी नतीजों को मानने से इनकार कर दिया। यूरोपीय संघ ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वेनेजुएला के ताकतवर व्यक्ति के पास राष्ट्रपति के रूप में कोई लोकतांत्रिक वैधता नहीं है।

राष्ट्रपति चुनाव के बाद देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ। आंदोलन को कुचलने के लिए सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया। रविवार को मानवाधिकार समूहों ने कहा कि सरकारी कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए कम से कम 86 किशोरों को रिहा कर दिया गया है, लेकिन आतंकवाद के आरोप लगाकर सैकड़ों लोगों को उच्च सुरक्षा वाली जेलों में ले जाया गया है। इनमें वकील पर्किन्स रोचा भी शामिल हैं।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ जीत के साथ विदाई लेना चाहेगी वेस्ट दिल्ली लायंस

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

वेस्ट दिल्ली लायंस मंगलवार शाम अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के पहले सीजन में आखिरी बार मैदान पर कदम रखेगी। अपने आखिरी मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस का सामना सेंट्रल दिल्ली किंग्स से होगा। जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए यह एक महत्वपूर्ण मैच होने वाला है, तो वहीं वेस्ट दिल्ली लायंस अपने गौरव के लिए खेलते हुए सीजन से शानदार विदाई लेना चाहेगा। यह सीजन वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए कुछ खास अच्छा नहीं रहा है और नौ में से सिर्फ दो मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। हालांकि कई बार ऐसा हुआ, जब वेस्ट दिल्ली लायंस बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद भी जीतते जीतते रहे गई। फिलहाल टीम की निगाह मंगलवार को अपना आखिरी मैच जीतने पर है।

वेस्ट दिल्ली लायंस के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा ने कहा, यह सीज़न काफी चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन हमारी टीम ने जिस तरह से संघर्ष किया है, उसके लिए वो बधाई के पात्र हैं। हमने मजबूत विपक्ष का सामना किया है, हालांकि कई बार करीबी मौके आए, लेकिन परिणाम आशा अनुरूप नहीं आ सके। हम इस सीज़न में आखिरी बार मैदान पर कदम रखने जा रहे हैं और खेलेंगे भी वैसे ही। अंतिम मैच में टीम का फोकस प्रशंसकों और खुद के लिए दिल खोलकर खेलना और जीत के साथ विदाई लेना है। उम्मीद के मुताबिक सीजन न गुजरने के बावजूद भी डॉ. राजन चोपड़ा ने टीम को दिए अपने संदेश में कहा, हार-जीत तो खेल का हिस्सा है, सभी खिलाड़ियों का एकजुट होकर खेलना असल में टीम की जीत है।एक मालिक के रूप में मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों को अपना 100 प्रतिशत देने की सलाह देता हूं। मैं हमेशा उनसे कहता हूं कि परिणाम कुछ भी हों आप निडर होकर खेलें। उन्होंने आगे कहा, अंत में मैं टीम रूपी अपने परिवार से सिर्फ इतना ही कहूंगा की वह अपने व्यक्तिगत स्कोर की परवाह किए बिना खुलकर खेलें और ऐसी विदाई लें, जो एक संदेश बन जाए कि हम भविष्य में एक मजबूत प्रतिद्वंदी बनकर लौटेंगे। वेस्ट दिल्ली लायंस अपना आखिरी लीग मैच मंगलवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स के साथ खेलेगी। वेस्ट दिल्ली लायंस टीम: रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल , शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडाबला, अब्राहिम अहमद मसूदी।

न्यूज़ ब्रीफ

चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हुए सूर्यकुमार

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को 2024-25 दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर से बाहर कर दिया गया है,

क्योंकि पिछले हफ़्ते कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में मुंबई के लिए प्री-सीज़न मैच के दौरान उन्हें हाथ में चोट लग गई थी। सूर्यकुमार को आराम करने की सलाह दी गई है और वह नियमित जांच के लिए फिलहाल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, सूर्यकुमार ने पिछले हफ़्ते टीएनसीए इलेवन के खिलाफ़ मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाज़ी नहीं की थी, क्योंकि तीसरे दिन फ़ील्डिंग करते समय उनके हाथ में चोट लग गई थी। उस समय, मुंबई टीम प्रबंधन ने पुष्टि की थी कि यह कदम सीजन की शुरूआती दलीप ट्रॉफी में उनकी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एहतियाती तौर पर उठाया गया था। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने हाल ही में टेस्ट में वापसी के लिए उत्सुकता व्यक्त की है। एक साल से अधिक समय से कोई प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने के बाद, सूर्यकुमार ने रेड-बॉल क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्री-सीजन बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराया, जिसमें भारत को अगले पांच महीनों में 10 टेस्ट खेलने हैं, जिसकी शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला से होगी। सूर्यकुमार, जिन्होंने अब तक एकमात्र टेस्ट पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, को इंडिया सी टीम में शामिल किया गया है, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे, जो अनंतपुर में श्रेयस अय्यर की इंडिया डी से भिड़ेंगे। इंडिया ए और इंडिया बी एक साथ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे शुरुआती दौर का मैच खेलेंगे। हाल ही में, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमारी के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर से बाहर हो गए थे, और रवींद्र जडेजा को वापस बुला लिया गया था, हालांकि बीसीसीआई ने उनके लिए कोई कारण नहीं बताया। नवदीप सैनी और गौरव यादव क्रमशः भारत बी और सी टीमों के लिए सिराज और मलिक की जगह लेंगे। इस बीच, नितीश कुमार रेड्डी को एनसीए ने फिट घोषित कर दिया है। उन्हें कमर की चोट के कारण फिटनेस की शर्त पर शामिल किया गया था, जिसके कारण उन्हें जुलाई में जिम्बाब्वे के लिए भारत की टी20आई टीम से बाहर होना पड़ा था। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए संशोधित टीमें- भारत एः शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विद्वाथ कवरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत। भारत बीः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर)। भारत सीः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव वी शेक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर। भारत डीः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, के.एस. भारत (विकेट कीपर), सौरभ कुमार।

सहवाग इस कारण नहीं बनना चाहते हैं कोच

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि वह अभी भारतीय टीम

के कोच नहीं बनना चाहते हैं। सहवाग ने साथ ही कहा कि अगर अवसर मिलेगा तो वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की किसी टीम का कोच बनने पर विचार करेंगे। अभी वह भारतीय टीम का कोच नहीं बनना चाहते हैं। सहवाग के अनुसार कोच बनने पर लंबे समय तक घर से बाहर रहना पड़ता है जबकि अभी उनके बच्चे छोटे हैं। इसलिए वह इतना समय नहीं दे सकते। सहवाग के अनुसार अभी बच्चों को मेरी जरूरत है। वो दोनों ही क्रिकेट खेलते हैं. एक ऑफ स्पिनर है और एक ओपनिंग बल्लेबाज है। उनको क्रिकेट सिखाना है और आगे खिलाना है अभी मेरा यही लक्ष्य है। सहवाग ने पूर्व में एक बार भारतीय टीम के कोच के लिए आवेदन दिया था पर उस समय रवि शास्त्री को कोच बनाया गया था उसके बाद उन्होंने आवेदन नहीं किया। वह आईपीएल पंजाब किंग्स के मेंटोर बने थे पर उनकी टीम को सफलता नहीं मिली। ऐसे में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। साल 2018 के बाद से वह किसी भी टीम के साथ नहीं जुड़े हैं। सहवाग ने कहा, अभी मुझे अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना है। अगर मैं भारतीय टीम का कोच बनता हूं तो 8 महीने बाहर रहना होगा जो अभी मेरे लिए संभव नहीं है।

पेरिस पैरालिंपिक : भारत ने 2 स्वर्ण सहित जीते 8 पदक, प्रधानमंत्री मोदी ने सराहा

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत के लिए सोमवार का दिन असाधारण था। इतिहास रचा गया, रिकॉर्ड तोड़े गए और 12 घंटे से भी कम समय में नए मील के पत्थर हासिल किए गए। भारत ने ऐतिहासिक सोमवार को आठ पदक जीतकर अपने कुल पदकों की संख्या 15 कर ली है। सिर्फ़ एक दिन में, भारत ने 1988-2016 के बीच अपने पूरे पैरालिंपिक पदकों की बराबरी कर ली और एक ओलंपिक में अब तक जीते गए पदकों से ज़्यादा पदक जीत लिए। यह निश्चित रूप से भारत के पैरालिंपिक/ओलंपिक इतिहास का सबसे विजयी दिन था। यह वास्तव में भारतीय खेल इतिहास के सबसे महान दिनों में से एक था।

प्रधानमंत्री मोदी लगातार बढ़ा रहे हैं खिलाड़यों का हौंसला - शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद देश को गौरवान्वित करने वाले एथलीटों को जब देश के मुखिया का साथ मिलता है तो उनका आत्मविश्वास और खुशी सातवें आसमान पर होता है। सोमवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नितेश और चीयर 4 भारत को टैग करते हुए अपने एक्स पर लिखा 'पैरा बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल 3 में नितेश कुमार की सफलता शानदार रही है और उन्होंने स्वर्ण पदक जीता है। उन्हें अपनी अविश्वसनीय क्षमताओं और दृढ़ता के लिए जाना जाता है। वह उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।' इससे पहले भी सुमित अंतिल, तुलसीमथी मुरुगेसन, सुहास यतिराज, योगेश कथुनिया, शीतल देवी और राकेश कुमार, मनीषा रामदास और नित्या श्री सिवन ने जब अपनी अपनी प्रतियोगिताओं में पदक जीते, तब तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई

संदेश देकर देश के लिए एक प्रेरणा बताया। प्रधानमंत्री ने हर पदक जीत के बाद कभी सोशल मीडिया तो कभी फोन के जरिए खिलाड़ियों से बात की और उन्हें शुभकामनाएं भी दीं, साथ ही उन्होंने असफल एथलीटों को प्रोत्साहित भी किया। प्रधानमंत्री ओलंपिक, पैरालिंपिक या किसी भी बड़े खेल इवेंट के बाद खिलाड़ियों से मिलते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं।

शानदार सोमवार - दिलचस्प संयोग यह है कि पैरालिंपिक में भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ दिन भी सोमवार - 30 अगस्त, 2021 को आया था। सुमित अंतिल पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए और उन्होंने यह उपलब्धि बहुत ही शानदार तरीके से हासिल की - उन्होंने पैरालंपिक में अपना ही रिकॉर्ड फिर से तोड़ दिया (दो बार)। इस सोमवार को नितेश कुमार ने भी स्वर्ण पदक जीता। बैडमिंटन में तुलसीमथी मुरुगेसन (एसयू5) और सुहास यतिराज (एसएल4) ने रजत पदक जीते और एथलेटिक्स में योगेश कथुनिया (डिस्कस एफ56) ने रजत पदक जीता। शीतल देवी और राकेश कुमार की अद्वितीय जोड़ी ने मिश्रित कंपाउंड तीरंदाजी में शानदार कांस्य पदक जीता, जबकि बैडमिंटन स्टार मनीषा रामदास (एसयू5) और नित्या श्री सिवन (एसएच6) ने भी कांस्य पदक जीता।

नितेश ने पैरों में चोट के बावजूद जीता बैडमिंटन का सोना - पैरा बैडमिंटन में एक घंटे और बीस मिनट के रोमांचक मुकाबले में नितेश कुमार ने ग्रेट ब्रिटेन के पसंदीदा डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। दृढ़ निश्चय, बेहतरीन तकनीक और गंभीर धैर्य (सबसे लंबी रैली 122 शॉट की थी) दिखाते हुए नितेश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को गेम में पीछे छोड़ दिया। उनके बेदाग डिफेंस और सटीक हमले ने बेथेल को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ने ब्रिटिश खिलाड़ी के खिलाफ 10 प्रयासों में अपनी एकमात्र जीत हासिल की। दादरी (हरियाणा) में जन्मे नितेश का पहला प्यार फुटबॉल था। हालाँकि, 2009 में विजाग में एक दुखद दुर्घटना ने उनकी आकांक्षाओं को चकनाचूर कर दिया, जिससे उन्हें महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा और पैर में हमेशा के लिए चोट लग गई। इस झटके के बावजूद, नितेश का खेल के प्रति प्यार अटूट रहा। आईआईटी मंडी में पढ़ाई के दौरान नितेश को बैडमिंटन के प्रति नया जुनून पैदा हुआ। उन्होंने कोर्ट पर अपने हुनर को निखारा, अक्सर स्वस्थ शरीर वाले लोगों को चुनौती दी। नितेश का सबसे बड़ा पल 2020 में आया, जब उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक पदक विजेता प्रमोद और मनोज को हराकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। घरेलू टूर्नामेंट में उनके दबदबे ने भारत के अग्रणी पैरा-बैडमिंटन एथलीटों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया।

दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार के शिकार योगेश ने जीता रजत - चक्का फेंक खिलाड़ी योगेश कथुनिया के लिए यह एक नियमित प्रक्रिया बन गई है, उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में फिर से रजत जीतने के लिए सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (इस बार 42.22 मीटर) किया, टोक्यो में अपनी उपलब्धि को दोहराते हुए, वह ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे। योगेश को नौ साल की उम्र में गिलियन-बैरे सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार हो गया था, जिससे क्वाड्रिपेरेसिस (एक ऐसी स्थिति जिसमें प्रभावित व्यक्ति के चारों अंगों में मांसपेशियों की कमजोरी होती है) हो जाती है। उसकी माँ ने उसे बचाया, फिजियोथेरेपी सीखी और तीन साल के भीतर योगेश ने फिर से चलने के लिए पर्याप्त मांसपेशियों की ताकत हासिल कर ली। अब वह दो बार पैरालिंपिक रजत पदक विजेता हैं।

मनीषा ने कमजोर हाथ को बनाया मजबूत और जीता कांस्य - कोर्ट पर पच्चीस मिनट। 21-12, 21-8। पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास का कांस्य पदक, भारत का दिन का तीसरा पदक, बहुत ही शानदार था। जन्म से ही मनीषा का दाहिना हाथ क्षतिग्रस्त हो गया था, क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें पैदा करते समय एक नैदानिक गलती की थी। 12 साल की उम्र से पहले तीन सर्जरी करवाने के बावजूद वह अपना हाथ सीधा नहीं कर पाई। उसने कक्षा पांच में बैडमिंटन पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया और केवल 17 साल की उम्र में, विश्व चैंपियनशिप में सफलता हासिल की और 2022 बीडब्ल्यूएफ महिला पैरा-बैडमिंटन प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता। 2024 में, वह अब पैरालिंपिक कांस्य पदक विजेता हैं।

स्मिथ, क्लार्कसन को पहली बार मिला एनजेडसी केंद्रीय अनुबंध

वेलिंगटन, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने ऑलराउंडर नाथन स्मिथ और जोश क्लार्कसन को पहला अनुबंध दिया है। यह जोड़ी प्रभावी रूप से डेवोन कॉनवे और फिन एलन की जगह लेगी, जिन्होंने फ्रैंचाइज़ क्रिकेट के अवसरों का लाभ उठाने के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलने का विकल्प चुना था। 26 वर्षीय स्मिथ को मार्च में एनजेडसी अवार्ड्स में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी चुना गया था, जिन्होंने प्लंकेट शील्ड में मात्र 17 की औसत से 33 विकेट लिया था और सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे थे। उन्होंने कैंटरबरी के खिलाफ़ 36 रन देकर 6 विकेट लिया था, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रथम श्रेणी प्रदर्शन था। स्मिथ ने सफ़ेद गेंद के प्रारूप में अपना प्रदर्शन जारी रखा, जिसके बाद उन्होंने फ़ोर्ड ट्रॉफी और सुपर स्मैश टूर्नामेंट में क्रमश: 11 और 13 विकेट लिए।

इस बीच, 27 वर्षीय क्लार्कसन ने पिछले दिसंबर में न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल में पदार्पण किया और तब से तीन वनडे और छह टी20 मैच खेले हैं। वह 2022-23 के सफल घरेलू सत्र के बाद सुर्खियों में आए, जिसमें सेंट्रल स्टैग्स को प्लंकेट शील्ड और फोर्ड ट्रॉफी दोनों जीताने में मदद की।

स्मिथ और क्लार्कसन दोनों ही न्यूजीलैंड अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, जो बांग्लादेश में खेला गया था, जिसमें ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और बेन सियर्स शामिल थे। हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा, नाथन पिछले कुछ समय से हमारे रडार पर हैं, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह रेड बॉल क्रिकेट में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे हैं और हमें लगता है कि जब उन्हें मौका मिलेगा तो उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल होने का कौशल है। क्लार्कसन के बारे में उन्होंने कहा, जोश पिछले बारह महीनों में दोनों सफेद गेंद वाली टीमों में शामिल रहे हैं, जो उनके खेल में की गई प्रगति को दर्शाता है। वह बहुत सारे कौशल वाला एक कठोर खिलाड़ी है और उसने अब तक अपने अवसरों में दिखाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्ले और गेंद से बहुत कुछ दे सकता है।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

विथ्या ने 400 मीटर बाधा दौड़ में पी.टी. उषा का 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलूरू, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

विथ्या रामराज ने सोमवार को यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में 63वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन के साथ 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया।

विथ्या (56.23 सेकंड) ने 1985 में पी.टी. उषा (56.80 सेकंड) द्वारा बनाए गए मीट रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

2022 एशियाई खेलों में 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली विथ्या ने कहा, पी.टी. उषा एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका मीट रिकॉर्ड कई सालों से कायम है। मेरे कोच चाहते थे कि मैं इस लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ूं। वह चाहते थे कि मेरा नाम रिकॉर्ड सूची में शामिल हो।

विथ्या के कोच नेहपाल सिंह ने थोड़ी अतिरिक्त प्रेरणा देते हुए अपनी शिष्या से वादा किया कि अगर वह 57 सेकंड से कम समय में दौड़ पाती है तो उसे पांच दिन की छुट्टी मिलेगी।

विथ्या ने कहा, मैं इस छुट्टी का उपयोग कोयंबटूर में अपने माता-पिता के साथ समय बिताने के लिए करूंगी। मैंने उन्हें एक साल से

नहीं देखा है।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में तमिलनाडु के नितिन (20.66 सेकंड) ने नया मीट रिकॉर्ड बनाया। पुराना रिकॉर्ड अनिमेष कुजूर (20.74 सेकंड) के नाम था।

एन्सी सोजन ने महिलाओं की लंबी कूद में जीत हासिल की और उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट घोषित किया गया। एन्सी की 6.71 मीटर की छलांग अंजू बॉबी जॉर्ज (6.74 मीटर, 2002) के मीट रिकॉर्ड से बस थोड़ी ही पीछे थी।

उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। इस तरह उन्होंने अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ 69 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर के रूप में अपने 17 साल के करियर पर विराम लगा दिया।

37 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने अपने देश के लिए 142 मैच खेले हैं, ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था और 2010 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी और एक साल बाद कोपा अमेरिका जीता था।

सुआरेज़ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शुक्रवार को मेरे देश की राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा आखिरी मैच होगा।

स्ट्राइकर ने कहा, यह तथ्य कि मैंने संन्यास लेने का फैसला किया है और मैं चोटों के कारण सेवानिवृत्त नहीं हुआ हूं या उन्होंने मुझे किसी एक चीज के लिए बुलाना बंद नहीं किया है, मुझे बहुत सुकून देता है, इससे मुझे व्यक्तिगत रूप से मदद मिलती है। यह मुश्किल है, लेकिन इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है कि आखिरी गेम तक मैंने अपना सब कुछ दिया है, और वह लौ धीरे-धीरे बुझ नहीं रही है।

उरुग्वे शुक्रवार को 2026 विश्व कप के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में मोंटेवीडियो के सेंटेनारियो स्टेडियम में पराग्वे से भिड़ेगा, उसके चार दिन बाद उसका सामना वेनेजुएला से होगा।

सुआरेज़ ने कनाडा के खिलाफ़ स्टॉपेज-टाइम गोल किया, जिसने जुलाई में कोपा अमेरिका में तीसरा स्थान हासिल किया और स्ट्राइकर ने कहा कि उनका एक लक्ष्य यह दिखाना था कि वह राष्ट्रीय टीम में योगदान देना जारी रख सकते हैं।

उन्होंने कहा, मेरा सपना था कि मेरे बच्चे मुझे राष्ट्रीय टीम के साथ कुछ महत्वपूर्ण मैच जीतते हुए देखें... वह आखिरी गोल उनके लिए बहुत अच्छा था और भले ही वह घर ले जाने के लिए कोई ट्रॉफी नहीं थी, लेकिन यह उनके लिए बहुत अच्छा था। मैं लोगों को फिर से दिखाना चाहता था कि मैं राष्ट्रीय टीम में योगदान देना जारी रख सकता हूँ और, ठीक है, मेरे पास कोपा अमेरिका था और हाँ, मैं उसके बाद इसे (सेवानिवृत्त) पूरी तरह से कर सकता था, लेकिन स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, मैं इसे अपने लोगों के साथ, अपने स्टेडियम में करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरे बच्चे इस अनुभव को जीएँ।

उन्होंने कहा कि यहाँ के लोगों को अलविदा कहना कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता कि बहुतों ने किया है या नहीं।

सुआरेज़ पहले ही कह चुके हैं कि इंटर मियामी उनका आखिरी क्लब होगा, जहां वे पिछले साल मेजर लीग सॉकर में शामिल हुए थे और अपने पूर्व बार्सिलोना साथियों लियोनेल मेस्सी, सर्जियो बुस्केट्स और जोर्डी अल्बा के साथ फिर से जुड़ेंगे।

आईसीसी 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 11 से 15 जून तक, लार्ड्स करेगा मेजबानी

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में 11 से 15 जून 2025 तक खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी।

यह अल्टीमेट टेस्ट आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में दो साल की कड़ी प्रतिस्पर्धा का समापन है, जिसके तहत 27 सीरीज़ में 69 टेस्ट मैच खेले गए, हालांकि इन 69 मैचों में से अभी कुछ खेले जाने बाकी हैं।

भारत वर्तमान में योग्यता निर्धारित करने वाले प्रतिशत अंकों के अनुसार टेस्ट स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका एक साथ मध्य-तालिका में हैं।

लॉर्ड्स में होने वाला टेस्ट आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण के विजेता

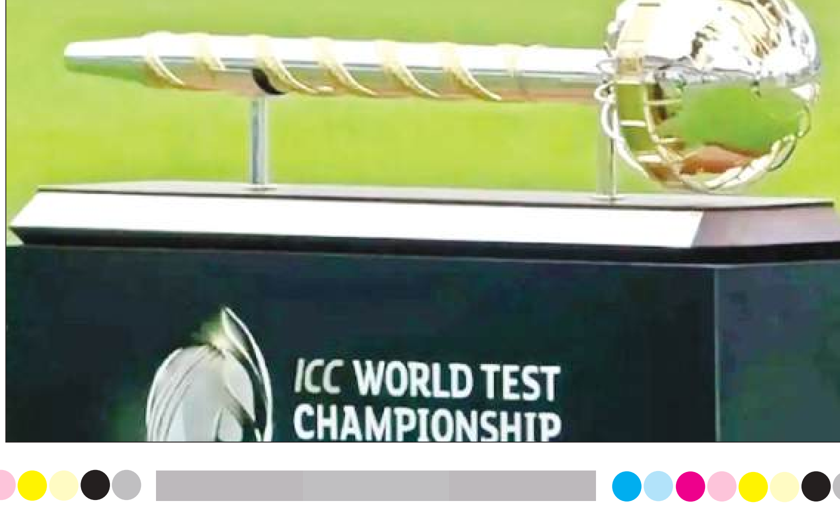

का फैसला करेगा। न्यूजीलैंड ने 2021 में उद्घाटन चैंपियनशिप जीती, और ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में टेस्ट मेस उठाया।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने कहा: आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल क्रिकेट कैलेंडर में सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक बन गया है और हमें 2025 संस्करण की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह टेस्ट क्रिकेट की स्थायी अपील का प्रमाण है, जो दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित करता है। टिकटों की बहुत मांग होगी, इसलिए मैं प्रशंसकों को प्रोत्साहित करूँगा कि वे अभी से अपनी रुचि दर्ज कराएँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अगले साल अल्टीमेट टेस्ट देखने का मौका मिले।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 जीतने वाले कप्तान, पैट कमिंस ने कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना इस टीम के लिए एक बड़ा लक्ष्य था और अभी भी है। यह सभी टीमों के लिए दो साल के चक्र में कड़ी मेहनत और निरंतरता का परिणाम है।

तो उम्मीद है कि हम फिर से वहाँ पहुँचेंगे, अभी और तब के बीच बहुत सारा क्रिकेट खेला जाना बाकी है, और प्रशंसकों को हमें खिताब बचाते हुए देखने का मौका मिल सकता है।

एमसीसी के मुख्य कार्यकारी और सचिव गाय लैवेंडर ने कहा, हम पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी करने के लिए आईसीसी के साथ काम करके खुश हैं। लॉर्ड्स में टेस्ट मैच के दिन खास होते हैं और उस समय दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ पुरुष टीमों का स्वागत करना, क्रिकेट के घर में मुकाबला करना, एक ऐसा अनुभव होगा जिसे मिस नहीं किया जा सकता।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली 03 सितंबर (एजेंसियां) । ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। लेबर डे की छुट्टी होने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में गिरावट नजर आ रही है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में दबाव बना नजर आ रहा है। लेबर डे के मौके पर अमेरिकी बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 117.29 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,445.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका में आने वाले दिनों में बिकवाली का दबाव बढ़ने की आशंका जताई है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती को लेकर जो भी फैसला करे, बाजार में बड़ी गिरावट आ सकती है। इस रिपोर्ट में साफ किया गया है कि ब्याज दरों में कटौती होने के बावजूद बाजार पर बिकवाली का दबाव बना रह सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 18 सितंबर को ब्याज दरों के संबंध में फैसला लेने वाला है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,363.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,646.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,930.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ 2 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 7 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,475.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 1,362.76 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,355 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 38,617.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स भी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,627.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत फिसल कर 22,146.87 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,669.58 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत लुढ़क कर 7,649.84 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,796.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

एरिना सैटेलाइट शोरूम से छोटे शहरों में पैठ बढ़ाएगी मारुति

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया छोटे शहरों और नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने के लिए एरिना सैटेलाइट नाम से ई-मार्केटिंग योजना बना रही है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा कि हम बाजारों में अपनी पैठ और बढ़ाना तथा ग्राहकों के नजदीक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे एरिना चैनल में पहले से ही मोबाइल शोरूम का विचार है। हम बाजारों को परख रहे हैं और जहां कहीं हमें संभावना दिख रही है, हम इन सैटेलाइट शोरूम-एरिना सैटेलाइट शुरू करने पर विचार कर सकते हैं। एरिना सैटेलाइट एरिना शोरूम से छोटा होगा। इस तरह मारुति सुजूकी के पास अब एरिना तथा नेक्सा शोरूम होंगे और इसके अलावा अपेक्षाकृत छोटे शहरों या ज्यादा दूर-दराज वाले इलाकों के लिए नेक्सा स्टूडियो तथा एरिना सैटेलाइट शोरूम होंगे। नेक्सा में मारुति सुजूकी की ज्यादा प्रीमियम कारों की बिक्री की जाती है और एरिना अन्य सभी कारों के लिए है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच कोई वास्तविक विभाजन नहीं है। अलबत्ता छोटे और मझोले शहरों में हैचबैक की मांग बनी हुई है। पिछले महीने मारुति सुजूकी ने कहा था कि वह नेक्सा स्टूडियो नाम से शोरूम की नई श्रृंखला की योजना बना रही है, जो देश के मझोले और छोटे शहरों की जरूरतें पूरी करेगी। नेक्सा स्टूडियो सामान्य नेक्सा शोरूम के मुकाबले आकार में छोटा होगा। इसमें सर्विस वर्कशॉप और कलपुर्जा के लिए स्पेस होंगे। अगले साल 31 मार्च तक नेक्सा स्टूडियो की 100 डीलरशिप खोली जाएगी। नेक्सा स्टूडियो में दो कारें प्रदर्शित होंगी ।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.95 डॉलर पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत रुख और घरेलू विनिर्माण के कमजोर आंकड़ों के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर 83.95 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में गिरावट ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.73 अंक पर रहा ।

विश्व बैंक का भारत की वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली । कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट में कहा कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है उसकी वृद्धि दर 2024-25 में सात प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग में भी सुधार होगा ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी का ऐलान...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रुनेई दारुस्सलम की राजधानी बंदर सेरी बेगावन में एक हॉस्टल में बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान एक बच्चे ने उन्हें स्केच भेंट की। प्रधानमंत्री ने भी उसे अपना ऑटोग्राफ दिया। ब्रुनेई के एक होटल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रवासी भारतीयों से मिले।

ब्रुनेई एक छोटा तेल समृद्ध सल्तनत है जिसकी आबादी करीब 4.5 लाख है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में जनसंख्या के हिसाब से सबसे छोटा देश, लेकिन सबसे अधिक सम्पन्न देश है। ब्रुनेई आधिकारिक तौर पर मुस्लिम देश है और मलय इसकी आधिकारिक भाषा है। इसकी भौगिलिक स्थिति भी काफी अहम है। यह दक्षिण-पूर्वी एशिया, बोर्नियो द्वीप के उत्तरी तट के साथ, दक्षिण चीन सागर और मलेशिया की सीमा पर स्थित है। दक्षिण चीन सागर के जरिए हिंद और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के करीब है। इसकी अर्थव्यवस्था तेल और गैस के व्यापार पर आधारित है। ब्रुनेई एशिया में दूसरा सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला देश है। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया और शाही परिवार के अन्य सम्मानित सदस्यों के साथ बैठक करेंगे।

इससे पहले प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2013 में ब्रुनेई दारुस्सलम में आयोजित 11वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 8वें ईएएस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्रुनेई दारुस्सलम का दौरा किया था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी और सुल्तान की पहली मुलाकात नवंबर 2014 में नेपीता में 25वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। दोनों नेताओं की मुलाकात नवंबर 2017 में मनीला में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान भी हुई थी।

पीएम मोदी की ब्रुनेई यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कहा कि प्रधानमंत्री ब्रुनेई के साथ संबंधों और सहयोग के सभी पहलुओं पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। मजूमदार ने कहा, हमारे ब्रुनेई के साथ बहुत ही मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हमारे संबंध रक्षा, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, संस्कृति और मानवीय आदान-प्रदान जैसे कई क्षेत्रों में हैं। ब्रुनेई भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और एशिया-प्रशांत के लिए विजन के लिए एक अहम भागीदार है। चूंकि हम इस साल अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के एक दशक पूरे कर रहे हैं, इसलिए यह दौरा अधिक महत्व रखता है। ब्रुनेई 2012 से 2015 तक आसियान में हमारा देश समन्वयक रहा है और आसियान के साथ हमारे आगे के जुड़ाव में एक अहम भूमिका निभाई है और आज भी ऐसा करना जारी रखता है। यात्रा में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। दोनों देश रक्षा क्षेत्र में सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बना सकते हैं। रक्षा के अलावा, इस यात्रा में ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करने पर जोर दिया जाएगा।

ब्रुनेई में भारतीय उच्चायुक्त आलोक अमिताभ डिमरी ने कहा, हम एक संयुक्त बयान की उम्मीद कर रहे हैं, जो द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लेगा। भारत का ब्रुनेई में एक अंतरिक्ष स्टेशन भी है, जो इसरो को कुछ प्रमुख प्रक्षेपणों में मदद करता है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध मई 1984 में स्थापित हुए थे। मई 1993 में ब्रुनेई दारुस्सलाम में भारतीय मिशन स्थापित किया गया था। ब्रुनेई दारुस्सलम का उच्चायोग भारत में अगस्त 1992 में स्थापित किया गया था। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, राष्ट्रमंडल, आसियान जैसे अहम अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों के सदस्य हैं। ब्रुनेई के सुल्तान भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों के सबसे मजबूत समर्थकों में से रहे हैं। ब्रुनेई सरकार भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और एक्ट ईस्ट पॉलिसी का समर्थन करती रही है। ब्रुनेई आम तौर पर भारत और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के चुनावों में उसकी उम्मीदवारी का समर्थन करता रहा है।

2023 में ब्रुनेई दारुस्सलम का भारत के साथ कुल व्यापार 195.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा है। भारत से ब्रुनेई को निर्यात होने वाले मुख्य उत्पादों में ऑटोमोबाइल, परिवहन उपकरण, चावल और मसाले शामिल हैं। भारत ब्रुनेई से कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है और हर साल लगभग 500-600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कच्चा तेल आयात करता रहा है। ब्रुनेई में भारतीय प्रवासियों का प्रवास कई दशकों से चल रहा है। इनमें से पहला 1930 के दशक में आया था। उसके बाद से लगातार प्रवासियों की संख्या बढ़ती ही गई। वर्तमान में, ब्रुनेई की कुल जनसंख्या लगभग 450,500 में से लगभग 14,500 भारतीय रहते हैं। आधे से अधिक भारतीय प्रवासी अर्ध और अकुशल श्रमिक हैं, जो तेल और गैस उद्योग, निर्माण, खुदरा व्यापार आदि में काम करते हैं। ब्रुनेई में डॉक्टरों की एक बड़ी संख्या भारत से है। यहां काफी संख्या में भारतीय शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर और आईटी पेशेवर के साथ व्यवसायी रहते हैं।

ब्रुनेई की अर्थव्यवस्था अभी भी पूरी तरह से ऑयल और गैस पर आधारित है। ब्रुनेई के कुल निर्यात में 80 फीसदी और जीडीपी में 53.5 फीसदी हिस्सा तेल और गैस का है। इसके अलावा, सरकार द्वारा विदेशों में किए जाने वाले निवेश के जरिए घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन से भी रेवेन्यू जेनरेट होता है। इन रेवेन्यू से ही ब्रुनेई की जनता को सुविधाजनक और क्वालिटी लाइफ मिलती है। खास बात है कि ब्रुनेई में नागरिकों से सरकार किसी तरह का कोई टैक्स नहीं वसूलती है। और यूनिवर्सिटी स्तर पर भी फ्री एजुकेशन, मुफ्त मेडिकल केयर और सस्ते घर जैसी सुविधाएं सरकार मुहैया कराती है।

पीएम मोदी की...

पीएम मोदी ने कहा कि मैं राष्ट्रपति थर्मन शनमुग रत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, वरिष्ठ मंत्री ली सीन लूंग और सेवानिवृत्त वरिष्ठ मंत्री गोह चोक टोंग से मिलने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के मुताबिक, वह सिंगापुर के व्यावसायिक समुदाय के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं सिंगापुर के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी, विशेष रूप से उन्नत विनिर्माण, डिजिटलीकरण और सतत विकास के नये एवं उभरते क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और गहरा करने के लिए चर्चा की उम्मीद करता हूं। सिंगापुर दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रमुख स्रोत भी है।

अब बंगाल में बनेगी...

विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए सीएम ने कहा कि क्या होगा अगर मैं भी उन्हीं कारणों से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगाऊं, जिन कारणों से आप मेरे खिलाफ नारे लगा रहे हैं।

ममता बनर्जी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध दर असामान्य रूप से अधिक है, जबकि पश्चिम बंगाल में प्रताड़ित महिलाओं को अदालतों में न्याय मिल रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि महिला अपराधों की रोकथाम के लिए बनाए गए केंद्र सरकार के कानून बीएनएस बनाते समय बंगाल से परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद वह इस पर चर्चा चाहते थे। उन्होंने विपक्ष से कहा कि वे राज्यपाल से बिना देरी किए विधेयक पर हस्ताक्षर करने के लिए कहें।विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि दुष्कर्म विरोधी यह विधेयक तुरंत लागू होना चाहिए। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। हम नतीजा चाहते हैं। हम इस मुद्दे पर कोई बंटवारा नहीं चाहते, हम पूरी तरह से आपका समर्थन करेंगे और मुख्यमंत्री जो चाहें वो कह सकती हैं, लेकिन आपको यह गारंटी देनी होगी कि यह विधेयक तुरंत लागू किया जाएगा। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए दुष्कर्म विरोधी विधेयक पेश किया। अधिकारी ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार दुष्कर्म और महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में असफल रही। उन्होंने कई मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देकर कहा कि पुलिस उन मामलों में आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रही और दोषियों को सख्त सजा भी नहीं दिला सकी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विधेयक में संशोधन के लिए मेरे द्वारा सुझाव दिया गया है कि शिकायत पर कार्रवाई न करने वाले पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

सुरक्षाबलों ने नौ ...

बहादुरी को सलाम करता हूं और बधाई देता हूं। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी।

मुठभेड़ में नौ नक्सलियों के मारे जाने के बाद प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ये जवानों की ताकत है, बस्तर विकास के मार्ग पर सरपट दौड़ने वाला है। इससे पहले 29 अगस्त को भी नारायणपुर-कांकेर बॉर्डर पर नक्सलियों और पुलिस में मुठभेड़ हुई थी जिसमें सुरक्षा बलों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया था। अगस्त की शुरुआत में भी दंतेवाड़ा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली थी। मुठभेड़ में एक हार्डकोर नक्सली मारा गया था। साथ ही, हथियार और अन्य सामान भी बरामद किए गए थे। इसके लिए जवान बारिश के मौसम में उफनती इंद्रावती नदी को पार कर नक्सलियों के ठिकानों तक पहुंचे थे।

नक्सलवाद के खात्मे के लिए छत्तीसगढ़ में जवानों ने अभियान चला रखा है। लगातार नक्सलियों का एनकाउंटर हो रहा है। इससे नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर फोर्स को एक के बाद एक बड़ी कामयाबी मिल रही है। फोर्स बस्तर संभाग में डेरा जमाए हुए है। नक्सलियों की मांद में घुसकर उनसे टक्कर ले रही है। बस्तर में मानसून सीजन के बीच फोर्स के जवान डटे हुए हैं और नक्ससियों से लोहा ले रहे हैं। बस्तर की मनमोहक और खूबसूरत प्राकृतिक वादियों से लाल आतंक के साये को खत्म करने के लिए बस्तर संभाग में फोर्स ने मोर्चा संभाल रखा है।

16 अप्रैल को कांकेर में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गये थे। यह देश की सबसे बड़ी नक्सली मुठभेड़ थी, जिससे नक्सली डर के भय से कांप उठे थे। 30 अप्रैल को 9 घंटे तक चली मुठभेड़ जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। बूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफ के जवानों का सामना नक्सलियों से हुआ था। मारे गए नक्सलियों में 3 महिला और 7 पुरुष माओवादी शामिल थे। प्राथमिक तौर पर मुठभेड़ में मारे गये माओवादियों में से 2 की शिनाख्तगी डीवीसीएम जोगन्ना और डीवीसीएम विनय उर्फ अशोक के रूप में हुई थी। इस साल बस्तर रेंज में 141 माओवादी ढेर हो चुके हैं।

ओपीएस लागू...

अब मुद्दा यह है कि क्या ओल्ड पेंशन स्कीम को उसके मूल रूप में बहाल किया जा सकता है। हूबहू ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने का मतलब है कि पहले वर्तमान एनपीएस सिस्टम को खत्म किया जाए। उससे पहले यह देखना चाहिए कि जिन राजनीतिक पार्टियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम में अपना समर्थन दिया या उसकी बहाली के पक्ष में खड़े हुए उनकी वास्तविक सच्चाई क्या है।

कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष ने बताया, लोकसभा 2024 के चुनाव से ठीक पहले रामलीला मैदान में पुरानी पेंशन बहाली के लिए लाखों कर्मचारी एकत्रित हुए थे। आंदोलन के मंच पर लगभग पूरा विपक्ष मौजूद था। आम आदमी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी के दिग्गज भी वहां पधारे थे। अगर हम राष्ट्रीय स्तर की बात करें तो सबसे बड़े विपक्षी दल ने गत वर्ष कर्मचारियों की अक्टूबर में हुई रैली को तो समर्थन दिया था, लेकिन उसके ठीक दो महीने बाद जब लोकसभा चुनाव की सुविधा शुरू हुई तो उन्होंने अपने मेनिफेस्टो में इसे शामिल नहीं किया। उनके मेनिफेस्टो में 25 न्याय की गारंटी शामिल थीं। पुरानी पेंशन का मुद्दा, जिस पर विपक्षी दल वर्तमान सरकार को हर जगह घूरते हुए नजर आ रहे थे, इस दल के मेनिफेस्टो से ओपीएस का मुद्दा ही गायब था। पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के नेताओं ने विपक्षी दलों के पदाधिकारियों से अलग-अलग जगह पर मुलाकात की। उनसे आग्रह किया गया कि वे ओपीएस को अपने चुनावी मेनिफेस्टो में शामिल करें। कर्मचारी नेताओं की तरफ से ऐसे बयान आए कि विपक्षी दल के सप्लीमेंट्री मेनिफेस्टो में ओपीएस का मुद्दा शामिल किया जाएगा। हालांकि बाद में कुछ नहीं हो सका।

राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख विपक्षी दल ने इस मुद्दे को न तो अपने मेनिफेस्टो में शामिल किया और न ही इसके लिए सप्लीमेंट्री मेनिफेस्टो जारी किया। जब विपक्षी राष्ट्रीय दल ने अपने मेनिफेस्टो पर प्रेस वार्ता की तो उसमें ओल्ड पेंशन स्कीम को शामिल न किए जाने पर सवाल किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने इस मुद्दे पर गोल-गोल जवाब देकर अपना पीछा छुड़ा लिया। कहा, अभी कमेटी की रिपोर्ट आने दें। जब उनकी सरकार आएगी, तब वे देखेंगे कि क्या कर सकते हैं। उनकी नजर इस मुद्दे पर है। इसके बाद चुनावी रैलियों में कहा गया कि ओल्ड पेंशन स्कीम का मुद्दा मेनिफेस्टो में नहीं है, लेकिन अंडर कंसीडरेशन है। हालांकि राजनीति में अंडर कंसीडरेशन जैसी कोई चीज नहीं होती। डॉ. मंजीत पटेल ने बताया, अब बात करते हैं कि क्या ओल्ड पेंशन स्कीम, हुबहु बहाल की जा सकती है। सबसे पहले यह देखना पड़ेगा कि एनपीएस को अगर खत्म किया जाए तो उसका वर्तमान आर्थिक दशा पर क्या प्रभाव पड़ेगा। ये एक बड़ा एवं अहम सवाल है।

नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष के अनुसार, आज भारत में तकरीबन 91 लाख एनपीएस कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनकी सैलरी से हर महीने 10 प्रतिशत अंशदान कटौती की जाती है। इसके एवरेज में सरकारी 14 प्रतिशत की रकम कंट्रीब्यूट करती है। यानी सभी कर्मचारियों की कुल सैलरी का 24 प्रतिशत अंशदान मार्केट में निवेश किया जाता है। इसे एलआईसी, यूटीआई या एसबीआई में लगाया जाता है। अगर इसे कैलकुलेट करते हैं तो आज तकरीबन 12000 करोड़ रुपए हर महीने एलआईसी, यूटीआई और एसबीआई को मिलते हैं। इससे उनका बिजनेस चलता है। अगर एनपीएस को खत्म कर दिया जाए तो कल से यह पैसा इन तीनों बैंकों को मिलना बंद हो जाएगा। इसका मतलब यह हो सकता है कि इन तीनों सरकारी कंपनियों को सरकार, निजीकरण के रास्ते पर धकेल सकती है।

अभी दो साल पहले ही भारत सरकार ने एलआईसी की एक तिहाई हिस्सेदारी निजीकरण के तहत बेची थी। इसी तरह कोविड 19 के दौरान इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया की भी तकरीबन 60000 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी, निजी क्षेत्र में बेची गई थी। केंद्र सरकार ने पहले ही अनेक बैंकों का आपस में विलय किया है। वजह, सरकारी क्षेत्र के कई बैंक, घाटे में चल रहे थे।

आज एनपीएस के तहत करीब 15 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। आने वाले चार-पांच साल में यह निवेश, 50 लाख करोड़ को पार कर सकता है। एनपीएस में निवेश की गई रकम, यूनिट की वैल्यू के रूप में है। आज एलआईसी, यूटीआई या फिर एसबीआई की एक यूनिट की वैल्यू लगभग 42 से 44 रुपए के बीच में है। तीन-चार साल पहले यह वैल्यू 20 से 25 रुपए के बीच में थी। अब अगर एनपीएस को रद्द किया जाता है तो जाहिर सी बात है 15 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू घटकर 10 लाख करोड़ से भी नीचे आ सकती है।

इसका मतलब यह हुआ कि 5 लाख करोड़ रुपए का घाटा कौन पूरा करेगा। वह पैसा कहां से आएगा। आर्थिक नजर से यह एक बहुत बड़ा सवाल है। इसके कारण कोई भी राष्ट्रीय दल, ओल्ड पेंशन स्कीम को मुद्दे को मेनिफेस्टो में रखना नहीं चाहता। हालांकि उन्हें कर्मचारियों के वोट लेने हैं, तो वे उनकी भीड़ या आंदोलन में जाकर उन्हें सपोर्ट करते हैं। क्षेत्रीय दल भी जानते हैं कि वे हूबहू ओपीएस बहाल नहीं कर सकते। हां, अगर उनकी सरकारी बनी तो कर्मचारियों के हित में कुछ बड़े कदम उठा सकते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में वे अपने राज्य की आर्थिक स्थिति को कभी दांव पर नहीं लगा सकते।

डॉ. पटेल के अनुसार, अगले 10 सालों में एनपीएस का कॉर्पस इतना बड़ा हो जाएगा कि भारत के स्टॉक मार्केट को किसी भी फॉरेन इन्वेस्टर द्वारा आसानी से गिराया नहीं जा सकेगा। संभव है इस लिहाज से एनपीएस को खत्म कर हुबहू ओपीएस बहाल करना एक शिगूफा मात्र हो। अब मुख्य मुद्दा ये है कि ओपीएस कैसे बहाल हो। यह ज्यादा बड़ा मुश्किल काम नहीं है। आज तक एनपीएस में रिटर्न 9.5 प्रतिशत से ज्यादा रहा है, इसका मतलब यह है कि कर्मचारियों के अंशदान पर 7.1 प्रतिशत का गारंटेड ब्याज दिया जा सकता है। बचे हुए ब्याज को सरकार अपने फंड में ले सकती है। इससे एनपीएस में ही जीपीएफ की डिमांड पूरी हो सकती है। इस पैसे पर जीपीएफ की तरह विड्रॉल की सुविधा भी दी जा सकती है।हर तीन महीने में सरकार को 91 लाख कर्मचारियों के अंशदान पर लगभग 3 से 4 प्रतिशत बचत हो सकती है। दूसरा सरकार अपने अंशदान को सेवानिवृत्ति पर ब्याज सहित वापस ले सकती है। इसके बदले में वह 20 साल की नौकरी पूरी करने वाले को 50 प्रतिशत और इससे कम नौकरी वाले को उसी अनुपात में पेंशन दे सकती है। ये तरीका, हुबहू ओल्ड पेंशन स्कीम की तरह कारगर साबित हो सकता है। पेंशन पर ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के हिसाब से महंगाई भत्ते और पे कमीशन का भी लाभ दिया जा सकता है। पटेल ने कहा, पेंशन बहाली आंदोलन का यही एक सुगम रास्ता समाधान के रूप में निकल सकता है।

भारत में एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट की 1000वीं शाखा का शुभारंभ के अवसर पर माई स्टैम्प के साथ विशेष कवर जारी करते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ और प्रबंध निदेशक शांतनु मित्रा, मुंबई में जापान के महावाणिज्यदूत यागी कोजी और महाराष्ट्र सर्किल के डाक सेवाएं (मुख्यालय) के निदेशक अभिजीत बंसोड।

हरतालिका तीज 6 को

ह रतालिका तीज की महिमा को अपरंपार माना गया है। हिन्दू धर्म में विशेषकर सुहागिन महिलाओं के लिए इस पर्व का महात्म्य बहुत ज्यादा है। हरतालिका तीज व्रत हिंदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। अजमेर की ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया 6 सितंबर को हरतालिका तीज मनाई जाती है। भारत में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब हरतालिका तीज का त्योहार मनाया जाएगा। यह व्रत भी अन्य दोनों व्रत के समान ही महत्व रखता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत किया जाता है। हरतालिका तीज व्रत एक कठिन व्रत माना जाता है। इसमें महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। दरअसल भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज व्रत कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। हरतालिका तीज व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए किया था। हरतालिका तीज व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज व्रत रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। हरतालिका तीज से पहले हरियाली और कजरी तीज मनाई जाती हैं। हरतालिका तीज में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। हरियाली तीज और कजरी तीज की तरह ही हरतालिका तीज के दिन भी गौरी-शंकर की पूजा की जाती है। हरतालिका तीज का व्रत बेहद कठिन है।

इस दिन महिलाएं 24 घंटे से भी अधिक समय तक निर्जला व्रत करती हैं। यही नहीं रात के समय महिलाएं जागरण करती हैं और अगले दिन सुबह विधिवत्त पूजा-पाठ करने के बाद ही व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि हरतालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है जबकि कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। यह त्योहार मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत को गौरी हब्बा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला और निराहार व्रत रखकर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। हरतालिका तीज व्रत को सुहागिनों के अलावा कुंवारी कन्याएं रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रभाव से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है।

हरितालिका तीज शुभ मुहूर्त

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 5 सितंबर को दोपहर 12:21 मिनट से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 6 सितंबर को दोपहर 3:01 मिनट पर होगा. उदयातिथि के आधार पर हरतालिका तीज 6 सिंतबर शुक्रवार को मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त- सुबह में 6:02 मिनट से सुबह 8:33 मिनट तक है। इसकी कुल अवधि 2 घंटे 31 मिनट है।

निर्जला रखा जाता है व्रत

हरतालिका तीज व्रत करवा चौथ की तरह ही रखा जाता है। इस व्रत में पानी नहीं पिया जाता। यह व्रत निर्जला रखा जाता है। अगर व्रत के दौरान सूतक लग जाए तो व्रत रख सकते हैं और पूजा रात में कर सकते हैं। हरतालिका तीज पर रात में जगकर माता पार्वती व भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए।

सौभाग्य की प्राप्ति का पर्व...हरतालिका तीज

हरतालिका तीज का महत्व

सभी चार तीजों में हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है- हरत और आलिका. हरत का मतलब है 'अपहरण' और आलिका यानी 'सहेली'. प्राचीन मान्यता के अनुसार मां पार्वती की सहेली उन्हें घने जंगल में ले जाकर छिपा देती हैं ताकि उनके पिता भगवान विष्णु से उनका विवाह न करा पाएं। सुहागिन महिलाओं की हरतालिका तीज में गहरी आस्था है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

हरतालिका तीज का व्रत कैसे करें?

हरतालिका तीज का व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है। यह निर्जला व्रत है यानी कि व्रत के पारण से पहले पानी की एक बूंद भी ग्रहण करना वर्जित है। व्रत के दिन सुबह-सवेरे स्नान करने के बाद

उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का उच्चारण करते हुए व्रत का संकल्प लिया जाता है।

हरतालिका तीज की पूजन सामग्री

हरतालिका व्रत से एक दिन पहले ही पूजा की सामग्री जुटा लें: गीली मिट्टी, बेल पत्र, शमी पत्र, केले का पत्ता, धतूरे का फल और फूल, अकांव का फूल, तुलसी, मंजरी, जनेऊ, वस्त्र, मौसमी फल-फूल, नारियल, कलश, अबीर, चंदन, घी, कपूर, कुमकुम, दीपक, दही, चीनी, दूध और शहद.

मां पार्वती की सुहाग सामग्री: मेहंदी, चूड़ी, बिछिया, काजल, बिंदी, कुमकुम, सिंदूर, कंघी, माहौर, सुहाग पिटारी.

पूजन विधि

हरतालिका तीज की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल यानी कि दिन-रात के मिलने का समय. हरतालिका तीज के दिन इस प्रकार शिव-पार्वती की पूजा की जाती है। संध्या के समय फिर से स्नान कर साफ और सुंदर वस्त्र धारण करें। इस दिन सुहागिन महिलाएं नए कपड़े पहनती हैं और सोलह श्रृंगार करती हैं। इसके बाद गीली मिट्टी से शिव-पार्वती और गणेश की प्रतिमा बनाएं। दूध, दही, चीनी, शहद और घी से पंचामृत बनाएं। सुहाग की सामग्री को अच्छी तरह सजाकर मां पार्वती को अर्पित करें। शिवजी को वस्त्र अर्पित करें। अब हरतालिका व्रत की कथा सुनें। इसके बाद सबसे पहले गणेश जी और फिर शिवजी व माता पार्वती की आरती उतारें। अब भगवान की परिक्रमा करें। रात को जागरण करें.। सुबह स्नान करने के बाद माता पार्वती का पूजन करें और उन्हें सिंदूर चढ़ाएं। फिर ककड़ी और हल्वे का भोग लगाएं. भोग लगाने के बाद ककड़ी खाकर व्रत का पारण करें। सभी पूजन सामग्री को एकत्र कर किसी सुहागिन महिला को दान दें।

व्रत कथा

शिव जी ने माता पार्वती जी को इस व्रत के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया था। मां गौरा ने माता पार्वती के रूप में हिमालय के घर में जन्म लिया था। बचपन से ही माता पार्वती भगवान शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं और उसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। 12 सालों तक निराहार रह करके तप किया। एक दिन नारद जी ने उन्हें आकर कहा कि पार्वती के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु आपकी पुत्री से विवाह करना चाहते हैं.। नारद मुनि की बात सुनकर महाराज हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। उधर, भगवान विष्णु के सामने जाकर नारद मुनि बोले कि महाराज हिमालय अपनी पुत्री पार्वती से आपका विवाह करवाना चाहते हैं। भगवान विष्णु ने भी इसकी अनुमति दे दी। फिर माता पार्वती के पास जाकर नारद जी ने सूचना दी कि आपके पिता ने आपका विवाह भगवान विष्णु से तय कर दिया है। यह सुनकर पार्वती बहुत निराश हुईं उन्होंने अपनी सखियों से अनुरोध कर उसे किसी एकांत गुप्त स्थान पर ले जाने को कहा। माता पार्वती की इच्छानुसार उनके पिता महाराज हिमालय की नजरों से बचाकर उनकी सखियां माता पार्वती को घने सुनसान जंगल में स्थित एक गुफा में छोड़ आईं। यहीं रहकर उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप शुरू किया जिसके लिए उन्होंने रेत के शिवलिंग की स्थापना की। संयोग से हस्त नक्षत्र में भाद्रपद शुक्ल तृतीया का वह दिन था जब माता पार्वती ने शिवलिंग की स्थापना की। इस दिन निर्जला उपवास रखते हुए उन्होंने रात्रि में जागरण भी किया।उनके कठोर तप से भगवान शिव प्रसन्न हुए माता पार्वती जी को उनकी मनोकामना पूर्ण होने का वरदान दिया। अगले दिन अपनी सखी के साथ माता पार्वती ने व्रत का पारण किया और समस्त पूजा सामग्री को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया। उधर, माता पार्वती के पिता भगवान विष्णु को अपनी बेटी से विवाह करने का वचन दिए जाने के बाद पुत्री के घर छोड़ देने से व्याकुल थे। फिर वह पार्वती को ढूंढते हुए उस स्थान तक जा पंहुचे। इसके बाद माता पार्वती ने उन्हें अपने घर छोड़ देने का कारण बताया और भगवान शिव से विवाह करने के अपने संकल्प और शिव द्वारा मिले वरदान के बारे में बताया। तब पिता महाराज हिमालय भगवान विष्णु से क्षमा मांगते हुए भगवान शिव से अपनी पुत्री के विवाह को राजी हुए।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा

सांसारिक और आध्यात्मिक वरदान प्रदान करने वाले हैं भगवान गणेश जी

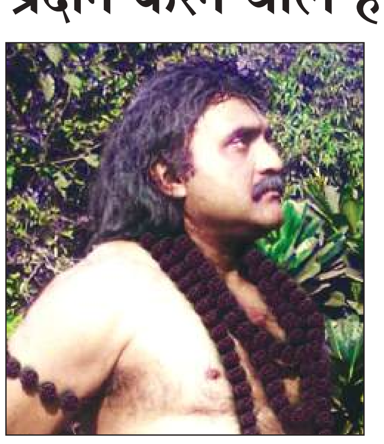

'गण' का अर्थ है जन समूह (आम लोग) और 'ईश' का अर्थ है सर्वोच्च। सामान्य आदमी के लिए, भगवान गणेश सर्वोच्च देव है, जिन्हें प्रथम पूज्य के रूप में भी जाना जाता है। ये आध्यात्मिक जगत के संरक्षक है और उच्च आयामों में प्रवेश प्रदान करनेवाली प्रथम ऊर्जा भी है।

हाथी का सिर सर्वोच्च बुद्धि का प्रतीक है, मानव शरीर के साथ बड़ा पेट, नाभि पर स्थित मणिपूरक चक्र में संग्रहीत ऊर्जा का प्रतीक है। गणेश पुत्र है महादेव के, जो परम पुरुष है, और आदि शक्ति के, जो समस्त सृजन की माता है। रिद्धि (समृद्धि) और सिद्धि (आध्यात्मिक शक्तियाँ) गणपती से विवाहित है, जिससे यह संकेत मिलता है कि गणपति एसी ऊर्जा है जो सांसारिक और आध्यात्मिक वरदान प्रदान करती है, और जिससे शास्त्रों में दिए तत्वज्ञान कि पुष्टि भी हो जाती है, कि उच्च लोकों-मोक्ष या मुक्ति की प्राप्ति के लिए, सांसारिक सुखों की प्राप्ति आवश्यक है।

सनातन क्रिया में, साधक को सबसे पहले, गणपति साधना और गणपति जाप का अनुभव दिया जाता है, जिससे भू-लोक या भौतिक आयाम से परे उच्च लोकों या उच्च आयामों के द्वार खुलते है। जाप और माला गुरु से ही प्राप्त हो सकते है, जो मंत्र मे ऊर्जा प्रवाहित करते है, जिससे उसकी सिद्धि के लिए का मार्ग बनता है। ध्यान आश्रम में जो साधक विभिन्न मंत्र सिद्धियों का गंभीरता से अभ्यास कर रहे हैं, उन्होनें विभिन्न देवताओं की भौतिक अभिव्यक्ति का अनुभव किया है। जाप करते हुए, माला फेरना महत्वपूर्ण है। जब माला घूमती है, तब मंत्र की शक्ति, माला और उसके मेरु में संचित हो जाती है। विभिन्न तांत्रिक मंत्रों का आगे कि साधना में प्रयोग है, उनका उपयोग एक विशिष्ट प्रयोजन के लिए किया जा सकता है और यह उपयोग मेरु के माध्यम से ही होता है।

गणेश चतुर्थी के दिन, भगवान गणेश की ऊर्जा का अनुभव बड़ी सरलता से किया जा सकता है। गुरु के के सानिंध्य में पवित्र भाव, शुद्ध मंत्र उच्चारण और समिधा-सामग्री सहित किए जाने वाले यज्ञ से, सूक्ष्म जगत के द्वार खुल जाते है, और मनुष्य अपनी यथार्थ क्षमता को साकार कर सकता है। इस तरह यज्ञ से प्रतिभागियों के घर तथा करमों का शुद्धिकरण होता है, जिससे इच्छाओं और विचारों की अभिव्यक्ति की प्रक्रिया में तेज़ी आ जाती है, जो ध्यान आश्रम में, सनातन क्रिया का अभ्यास करने वाले साधक दैनिक आधार पर अनुभव करते है। अगर आप भी एक प्रामाणिक वैदिक यज्ञ कि इस शक्ति का अनुभव करना चाहते हैं, तो ध्यान आश्रम से संपर्क कर सकते हैं।

-अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

बिना छत का है भोलेनाथ का यह धाम खुद प्रकट हुआ था शिवलिंग!

भ गवान शंकर की पूजा का हिंदू धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि देवों के देव महादेव की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन की सभी बाधाओं का अंत होता है। साथ ही सभी कार्यों की पूर्ति होती है। वहीं, आज हम भोलेनाथ के एक ऐसे दिव्य मंदिर की बात करेंगे, जिसको लेकर काफी मान्यताएं हैं। दरअसल, हम ताड़केश्वर महादेव मंदिर (ढरवज्ञशीहुरी डहळींर ढशाश्रिश) की बात कर रहे हैं, जो गुजरात के वलसाड जिले में स्थित है, माना जाता है कि यह धाम 800 साल पुराना है, तो आइए इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर नजर डालते हैं।

ताड़केश्वर मंदिर रोचक तथ्य

ताड़केश्वर धाम को लेकर कुछ लोगों का ऐसा भी कहना है कि यहां एक समय में बड़ी संख्या में ताड़ के वृक्ष हुआ करते थे, जिस वजह से इसका नाम ताड़केश्वर महादेव पड़ा। इस धाम को पहले ताड़कनाथ के नाम से जाना जाता था। लोगों का कहना है कि यह पर स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है।

इनकी स्थापना किसी के द्वारा नहीं हुई है। इस शिव मंदिर को लेकर लोगों की गहरी आस्था है, जो लोग इस पवित्र स्थान पर एक बार सच्चे भावे के साथ पहुंच जाते हैं, उनकी सभी बाधाओं को भोलेनाथ हर लेते हैं।

मंदिर के ऊपर नहीं है छत

जब ताड़केश्वर महादेव धाम की स्थापना हुई तब, वहां उसकी सुरक्षा के लिए एक अस्थायी दीवार और घास की छत बनाई गई, लेकिन कुछ समय बीतने के बाद वह छत जल गई।

इसके बाद वहां के क्षेत्रीय लोगों ने दोबारा ट्यूबलर की छत बनाई, जो तूफान के साथ उड़ गई। ऐसा कई बार होने के बाद एक बार भगवान शंकर ने अपने

एक भक्त के स्वप्न में यह बताया कि 'वे ताड़केश्वर हैं और इस शिवलिंग के ऊपर छत न बनाया जाए', जिसके बाद से इस धाम की छत खुली हुई है और तभी से लोग यहां पर शिव जी को ताड़केश्वर महादेव के नाम से पूजते हैं।

गुरुवार के दिन व्रत रखने से बरसती है कृपा

हिं दू धर्म में व्रत और उपवास का बेहद खास महत्व है। हिन्दू धर्म में अलग-अलग दिन में देवी-देवताओं की पूजा अर्चना और विशेष रूप से व्रत उपवास किए जाते हैं। गुरुवार का दिन हिन्दू धर्म में बहुत मायने रखता है। इस दिन विष्णु जी की पूजा अर्चना की जाती है। गुरुवार गुरुदेव (बृहस्पति) का दिन होता है।

इस दिन विष्णु जी का व्रत रखने से और उनका पाठ करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। जो भी भक्त गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और कथा को पढ़ते हैं। उन पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा होती है। गुरुवार के व्रत के बहुत मायने हैं और इस व्रत को रखने से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। व्रत से जुड़े महत्व के बारे में पंडित दुर्गेश ने जानकारी दी, आइए जानते हैं इस व्रत को

जानिए इस दिन उपवास रखने के क्या हैं फायदे

रखने के फायदों के बारे में....

पितृदोष से मिलती है मुक्ति :-

गुरुवार का व्रत रखना बेहद फलदायी होता है, गुरुवार के दिन लोग व्रत रखने से कुंडली से पितृ दोष खत्म हो जाता है।

मिलता है दीर्घायु का वरदान

गुरुवार के व्रत रखने से यदि आपकी कुंडली में अल्पायु यानी कम उम्र का योग है तो वो भी समाप्त होता है।

आर्थिक लाभ की बढ़ जाती है संभावना

यदि आपकी ज़िंदगी में पैसों से जुड़ी समस्याएं चल रही है तो आपको निश्चित ही गुरुवार का व्रत रखना चाहिए, जिससे आपको आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है।

खुलते हैं भाग्य के द्वार

गुरुवार के दिन श्री हरि विष्णु जी का व्रत रखने से भाग्य के द्वार खोलते हैं। विष्णु जी की कृपा आप पर हमेशा बनी रहती है।

बनते हैं बिगड़े हुए काम

गुरुवार के व्रत को रखने से आपको लाभ होता है और आपके बिगड़े हुए काम बनते हैं।

मान-सम्मान में वृद्धि

गुरुवार का व्रत रखने से जातक के मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है और विष्णु जी की कृपा विशेष रूप से बरसती है।

पढ़ाई में लगता है मन

यदि कोई बच्चा या विद्यार्थी गुरुवार का व्रत रखता है तो उनका पढ़ाई में ध्यान केंद्रित होता है और मन का भटकना भी कम हो जाता है।

फिल्म विस्फोट से सामने आई रितेश देशमुख और फरदीन खान की पहली झलक

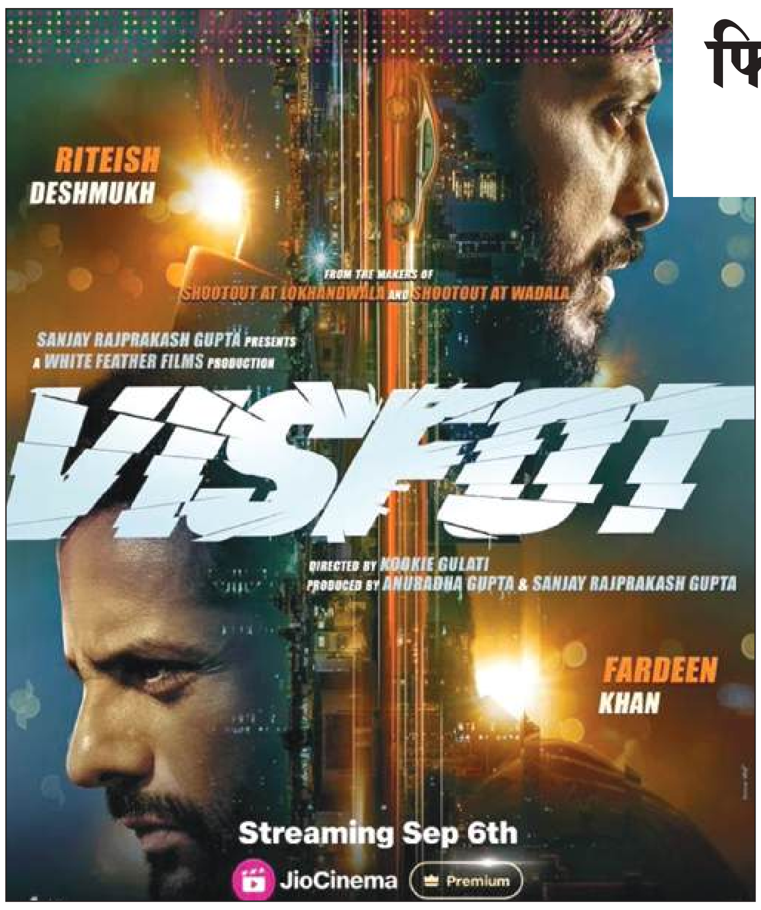

काफी समय से फिल्म विस्फोट चर्चा में है। कांटे जैसी कई सफल फिल्में बना चुके निर्देशक संजय गुप्ता ने इस फिल्म को टी-सीरीज के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि इसमें अभिनेता फरदीन खान और रितेश देशमुख साथ दिखने वाले हैं।खबरें थीं कि विस्फोट सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी, लेकिन यह कब और किस प्लेटफॉर्म पर आगएी, इसकी जानकारी नहीं मिली थी।अब खुद फिल्म के कलाकारों ने रिलीज का ऐलान कर दिया है।बता दें कि यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिससे फरदीन और रितेश दोनों की पहली झलक सामने आ गई है। पोस्टर देख लग रहा है कि दोनों फिल्म में एक-दूसरे के आमने सामने होंगे।उनका धांसू लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है।रितेश ने पोस्टर साझा कर लिखा, विस्फोट 6 सितंबर को जियो सिनेमा पर रिलीज हो रही है। उधर फरदीन लिखते हैं, 6 सितंबर को अपनी स्क्रीन पर सबसे बड़े विस्फोट के लिए तैयार हो जाइए।इस फिल्म में टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा भी अहम भूमिका में हैं, जिन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म चेहरे से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।बता दें कि फरदीन इस फिल्म से पर्दे पर अपनी वापसी करने वाले थे, लेकिन किसी न किसी वजह से रिलीज आगे टलती गई और संजय लीला भंसाली की हीरामंडी: द डायमंड बाजार उनकी कमबैक सीरीज बनी।इसके बाद फरदीन को अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में देखा गया था।

अक्षरा सिंह ने स्टालिश आउटफिट में गिराई बिजली

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह यूपी, बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपने फैंस के बीच खास अंदाज के लिए मशूहर हैं। अक्षरा सिंह अपनी अदाओं से जादू बिखरने के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए वीडियो और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही छा जाते हैं।भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हॉट वीडियो शेयर किया है, जिनमें उनका स्टाइलिश अवतार देखने को मिल रहा है। इस वीडियो में अक्षरा सिंह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं और उनके ग्लोइंग मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बालों ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है। अक्षरा सिंह वीडियो में एक से बढ़कर किलर पोज दे रही हैं। इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कुछ ही समय में इन वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और यह तेजी से वायरल हो रहा है। खूबसूरत अदाकाराओं में से एक अक्षरा सिंह की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बता दें, करीब 3।2 मिलियन लोग अक्षरा को फॉलो करते हैं।अक्षरा सिंह का जन्म भले ही मुंबई में हुआ हो लेकिन वो मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के पेरेंट्स भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है। अक्षरा राजपूत समाज से ताल्लुक रखती हैं।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल : सामाजिक राजनीतिक अशांति का मार्मिक चित्रण

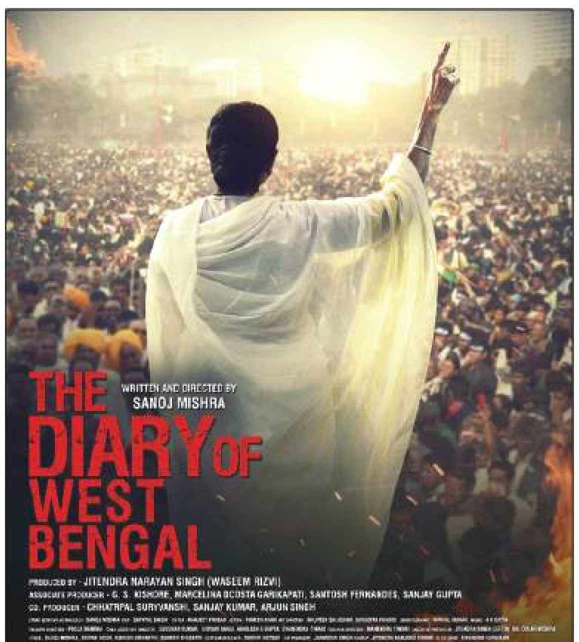

एक फिल्म की कहानी बांग्लादेश की हिंदू महिला सुहासिनी (अर्शिन मेहता द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जो एक नरसंहार में अपने माता-पिता की मौत के बाद भागने के लिए मजबूर है। इस्लामिक उग्रवादी उसे सुंदरबन पार करने में मदद करते हैं, लेकिन उनका एक एजेंडा है।इस्लामिक उग्रवादी उसे इस्लाम में परिवर्तित करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में एक राजनीतिक पार्टी के लिए अधिक वोट हासिल करने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं। आगे जो कुछ होता है वह परेशान करने वाली घटनाओं और उसकी परेशानियों की एक श्रृंखला है।फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक यजुर मारवाह, अर्शिन मेहता और रामेंद्र चक्रवर्ती जैसे अभिनेताओं का असाधारण अभिनय है। हर अभिनेता ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है, इसमें यजुर और अर्शिन खास तौर पर सबसे अलग हैं। खूनी एक्शन सीक्वेंस, सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और लोकेशन चॉइस सहित सभी पहलुओं में प्रोडक्शन क्वालिटी में फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, फिल्म में अर्शिन (सुहासिनी) की मुश्?क?लों को बेहद दृढ़ विश्वास के साथ दिखाया गया है। यह उन आदिवासी लोगों की परेशानियों को भी प्रभावी ढंग से उजागर करता है, जो पुलिस और विद्रोहियों के बीच एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं, और दोनों तरफ से दबाव का सामना कर रहे हैं।फिल्म के निर्देशन की अगर हम बात करें, तो सनोज मिश्रा ने अपने शानदार लेखन और निर्देशन से बांग्लादेशी मुसलमानों के उन जख्मों को बयां किया है, जो क्रूर यातना और अकल्पनीय हिंसा से गुजरे हैं। उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि वे इस पूरी कहानी को उसके मूल स्?वरूप में ही पेश करें। फिल्म का संगीत उस तनाव को और बढ़ाता है, जिसे निर्माता इस तरह से बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहानी न केवल समझ में आए, बल्कि महसूस भी हो।हालांकि कहानी वास्तविक है, लेकिन फिल्म में ढलने और गैर-रेखीय कहानी को समझने में कुछ समय लगता है। इसके अलावा, कुछ दृश्यों में हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को बहुत ज्यादा ग्राफिकल लग सकती हैकुल मिलाकर, द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल एक जबरदस्त क्राइम ड्रामा है। इसमें कुछ ऐसे पल हैं, जो आपको झकझोर कर रख देंगे। हालांकि यह विषय को बहुत ईमानदारी से उजागर करती है, लेकिन वास्तविकता हमें चौंका देती है।

फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से करीना कपूर का नया पोस्टर रिलीज

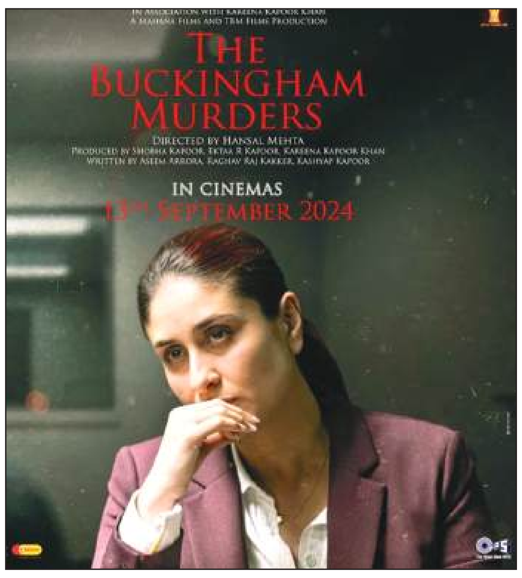

करीना कपूर पिछले काफी समय से फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म से उनके कई पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसके बाद उनकी इस फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों की उत्सकुता बढ़ गई है।हाल ही में फिर करीना ने फिल्म से अपनी झलक सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को दिखाई। इसी के साथ अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज हो रहा है।करीना ने जो नया पोस्टर फिल्म से साझा किया है, इसमें उनका लुक एकदम अलग है। उनका गंभीर अवतार देखने को मिल रहा है। वह किसी को संदिग्ध नजरों से देख रही हैं।पोस्टर साझा कर करीना ने लिखा, ट्रेलर 3 सितंबर आएगा, मिलते हैं।हाल ही में निर्माताओं ने इस फिल्म का पहला गाना साडा प्यार टूट गया रिलीज किया था, जो एक जासूस के रूप में उनके किरदार के अलग-अलग रंग सामने लाता है।इस फिल्म से करीना बतौर निर्माता अपनी शुरुआत कर रही हैं। फिल्म जसमीत भामरा की कहानी है, जो एक जासूस और मां है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद बकिंघमशायर में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है, रहस्यों के जाल में उतरना है, जहां छोटे शहर का लगभग हर व्यक्ति संदिग्ध बन जाता है।फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता तो निर्माता एकता कपूर हैं। बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

बॉक्स ऑफिस पर नानी की सारिपोधा सानिवारम ने मचाया धमाल

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है, इसने अपने प्रदर्शन के चार दिन पूरे कर लिए हैं और इसकी गति धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। 29 अगस्त, 2024 को रिलीज़ हुई, एक्शन ड्रामा ने चौथे दिन 10+ करोड़ रुपये की प्रभावशाली कमाई की है, जिससे कुल वैश्विक कमाई 68.52 करोड़ रुपये हो गई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के बावजूद, जिसने विजयवाड़ा और गुंटूर जैसे प्रमुख शहरों में दर्शकों की संख्या को प्रभावित किया, फिल्म ने अभी भी दुनिया भर में केवल चार दिनों में 40 करोड़ रुपये के करीब की कमाई करने में कामयाबी हासिल की है।अमेरिका में फिल्म का प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है, जहां देश में नानी के मजबूत प्रशंसक आधार की बदौलत 2 मिलियन डॉलर के करीब कलेक्शन हुआ है। एक्शन एपिसोड दिखाने में निर्देशक विवेक अथरेया की विशेषज्ञता की प्रशंसा की गई है, जबकि जेक्स बेजॉय का बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म का मुख्य आकर्षण रहा है। इस सप्ताह कोई बड़ी रिलीज नहीं होने के कारण, सारिपोधा सानिवारम बड़ी कमाई करने के लिए तैयार है, हालांकि इसे सुरक्षित क्षेत्र में रहने के लिए 45 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करनी होगी।दशहरा और हाय नन्ना के बाद, नानी सारिपोधा सानिवारम के साथ हैट्रिक बनाने की कगार पर है, जो अपने पहले सप्ताह में ही मुनाफे में प्रवेश करने की कगार पर है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले ही नेटफ्लिक्स को ओटीटी अधिकार आकर्षक कीमत पर बेच दिए हैं, जिससे अच्छा मुनाफा सुनिश्चित हो गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी, लेकिन फिलहाल इसका फोकस इसके थिएटर रन पर है। बारिश के बावजूद, फिल्म ने मल्टीप्लेक्स में 70 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी बनाए रखी है, जो दर्शकों के लिए इसकी मजबूत अपील को दर्शाता है।जैसे-जैसे सप्ताह के दिन शुरू होते हैं, यह देखना बाकी है कि आने वाले दिनों में सारिपोधा सानिवारम कितना कलेक्शन करेगी। हालांकि, इसकी मजबूत शुरुआत और सकारात्मक वर्ड-ऑफ-माउथ के साथ, फिल्म के अपने सफल प्रदर्शन को जारी रखने और अपने निर्माताओं के लिए एक लाभदायक उद्यम के रूप में उभरने की संभावना है।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए।क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है।भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है।वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं।स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं।मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था।उन्होंने 2015 में परवरिश-सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था।वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था।जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं।दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी।इसके बाद डोगरा एक भ्रम..सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां - सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं।वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं।इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो गुम है किसी के प्यार में आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

थाई स्लिट आउटफिट पहन नेहा मलिक ने दिखाईं मदहोश कर देने वाली अदाएं, लेटेस्ट लुक देख लट्टू हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉट और सेक्सी लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर अपनी कातिलाना अदाओं में फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें एकट्रेस नेहा मलिक ने एक बार फिर हॉटनेस का तड़का लगा दिया है।भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।उनका लेटेस्ट स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बेहद ही सेक्सी आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो किलर लुक्स में पोज देती हुई इंटरनेट का पारा गर्म करने में लगी हुई हैं।बालों को हाई पोनीटेल लुक में बांधकर और साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नेहा मलिक की इन तस्वीरों को शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं, लेकिन फैंस उनकी इन फोटोज पर खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही आए दिन पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स भी फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद–ब–ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना क़ीमती वक़्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएं। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 04 सितंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 09:49 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी अहोरात्र
योग : साध्य रात्रि 08:02 तक
करण : बव प्रातः 09:49 तक
चन्द्र राशि : सिंह प्रातः 09:56 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्र दर्शन

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पर्यटन यूनिट को मिलेगा सिंगल विंडो क्लीयरेंस

होमस्टे को भी बढ़ावा, उपमुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

जयपुर,03 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पर्यटन से जुड़े उद्योगों को अब सिंगल विंडो क्लीयरेंस मिलेगा। राजस्थान पर्यटन यूनिट नीति के फ्रेम वर्क के संबंध में पर्यटन भवन में मंगलवार को आयोजित बैठक में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इसके निर्देश जारी कर दिए। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं द्वारा संचालित होमस्टे को इन्सेटीवाइज किये जाने के भी निर्देश दिए।

पर्यटन भवन में राजस्थान पर्यटन यूनिट नीति के सम्बन्ध में मंगलवार को पर्यटन भवन में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने पयर्टन से जुड़े उद्योगों को सिंगल विंडो क्लीयरेंस देने तथा महिलाओं द्वारा संचालित होमस्टे को इन्सेटीवाइज किए जाने के भी निर्देश दिए। दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में अधिक से अधिक पर्यटक आएं, इस दिशा में गहनता से लक्षित होकर काम किए जा रहे हैं।

दीया कुमारी ने राज्य सरकार की बजट घोषणा को क्रियान्विति में बधाओं को हटाकर जनहित में विकास कार्य संभव करने हेतु काम करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। राजस्थान पर्यटन यूनिट नीति के संबंध में एजेंसी की ओर से प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रस्तुतिकरण में भारत में पर्यटन के क्षेत्र में अन्य राज्यों के साथ राजस्थान की तुलना के बिंदुओं पर चर्चा की गई।

दीया कुमारी ने राज्य में कौशल विकास के जो पहले स्थापित इंस्टीट्यूट हैं, उनको प्रशिक्षण हेतु ज्यादा से ज्यादा अवसर दिए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने की भाजपा के सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत

जयपुर,03 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी ने आज पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का औपचारिक आगाज किया। हालांकि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पहले ही प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भाजपा की सदस्यता ले चुके थे और अपने सदस्यता कार्ड सोशल मीडिया पर साझा कर चुके थे। दरअसल 2 सितंबर को प्रधानमंत्री के सदस्यता लेने के बाद, राजस्थान में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भी अपने स्तर पर सदस्यता ग्रहण कर ली, जबकि अभियान की औपचारिक शुरुआत 3 सितंबर को मुख्यमंत्री की सदस्यता लेने के बाद होनी थी।

इस स्थिति से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश इकाई और कार्यकर्ताओं के बीच में कम्युनिकेशन गैप रहा है। कार्यकर्ताओं को सही समय पर यह संदेश नहीं दिया गया कि उन्हें 3 सितंबर को मुख्यमंत्री की सदस्यता लेने के बाद ही सदस्यता लेनी चाहिए। इसके परिणामस्वरूप पहले ही सदस्यता ले चुके कार्यकर्ताओं के सोशल मीडिया स्टेटस पर सदस्यता कार्ड शेयर करने से यह भ्रम पैदा हो गया कि आखिर 3 सितंबर को किस सदस्यता अभियान का औपचारिक आगाज हो रहा है। इस घटना ने प्रदेश भाजपा इकाई के अंदर संवाद की कमी और सूचना के सही समय पर न पहुंचने की समस्या को उजागर किया है। यह महत्वपूर्ण है कि भविष्य में इस तरह की गलतफहमी से बचने के लिए सही और स्पष्ट संवाद स्थापित किया जाए, ताकि पार्टी के महत्वपूर्ण अभियानों में कोई भ्रम या असमंजस की स्थिति उत्पन्न न हो।

शादी से इंकार किया तो युवती ने काटी हाथ की नस

झुंझुनू,03 सितंबर (एजेंसियां)। चिड़ावा कस्बे में एक युवक द्वारा शादी से इंकार करने पर छत्तीसगढ़ की युवती ने प्रेमी के घर के सामने अपने हाथ की नस काट ली। युवती और युवक की मुलाकात चेन्नई में हुई थी, जहां दोनों रिलेशनशिप में थे। शादी से इंकार के बाद, युवती ने प्रेमी के घर जाकर यह कदम उठाया। घायल युवती को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में झुंझुनूं रेफर किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक युवती की प्रेमी के परिजनों से कहासुनी हुई थी। शाम करीब साढ़े छह बजे उसने युवक के घर के पास ही युवती ने अपने बाएं हाथ की नस काट ली। युवती ने बताया कि चैन्नई में होटल चलाने वाले चिड़ावा के युवक जतिन से वह एक साल से रिलेशनशिप में है। युवती भी वहां होटल में रहकर जॉब कर रही है। दोनों की दो–तीन वर्ष पहले जान–पहचान हुई थी। युवती के जतिन पहले तो उसको शादी करने का झांसा देता रहा। कुछ दिन पहले उसने एवं उसके परिजनों ने विवाह करने से मना कर दिया। युवती के फोन करने पर युवक ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जतिन और उसके परिजनों से बात करने के लिए चैन्नई से चलकर चिड़ावा आई थी। रोड के वार्ड 29 में रात को छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी युवती ने अपने बाएं हाथ की नस काट ली। घायल युवती को सूचना पर पहुंची पुलिस एवं संबंधित युवक की मां निजी एम्बुलेंस से उप जिला अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर झुंझुनू रेफर कर दिया।

रिश्वत लेने वाले जीएसटी इंस्पेक्टर और सहायक को जेल

रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए मांगे थे 1.40 लाख

अलवर,03 सितंबर (एजेंसियां)। भिवाड़ी में एसीबी की कार्रवाई में गिरफ्तार जीएसटी के एक इंस्पेक्टर और संविदाकर्मी को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उन्हें 12 सितंबर तक के लिए जेल भेज दिया गया। डीएसपी परमेश्वर यादव ने बताया कि आरोपी ने 1.40 लाख रुपए की रिश्वत ली थी। एसीबी टीम ने इन्हें मौके पर ही रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। टीम ने ये कार्रवाई सोमवार देर शाम की थी।

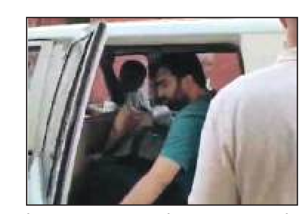

पकड़े गए आरोपी इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह और संविदाकर्मी भाव सिंह जीएसटी के सेक्शन–डी में कार्यरत हैं। भिवाड़ी एसीबी ने बताया कि इन्होंने एक फर्म के रजिस्ट्रेशन को कैंसिल करवाने की एवज में पांच लाख की रिश्वत मांगी थी। भिवाड़ी एसीबी के डीएसपी परमेश्वर दयाल ने बताया कि टपूकड़ा में किंगडम फर्म के मालिक ने उन्हें 29 अगस्त को शिकायत दी थी कि जीएसटी का इंस्पेक्टर देवेंद्र गुर्जर उनसे उनकी फॉर्म की रिकवरी निकालना और फॉर्म का रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने की धमकी देकर उनसे 5 लाख रुपए रिश्वत राशि की मांग कर रहा है।

इस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया तो शिकायत सही पाई गई। उसके बाद सोमवार को एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया और भिवाड़ी बाईपास पर स्थित जीएसटी कार्यालय में देवेंद्र गुर्जर और उनके सहायक कर्मचारी भाव सिंह जो संविदा पर लगा हुआ है उसको रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी ने युवक को 10 हजार रुपए इंडियन करेंसी और एक लाख तीस हजार रुपऐ डमी करेंसी देकर इंस्पेक्टर देवेंद्र गुर्जर के पास भेजा। देवेंद्र गुर्जर ने अपने सहायक कर्मचारी भाव सिंह को रिश्वत राशि देने की बात कही। जैसे ही परिवादी रिश्वत राशि देकर बाहर निकला वैसे ही एसीबी टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया था।एसीबी डीएसपी परमेश्वर दयाल ने बताया कि आरोपी देवेंद्र गुर्जर ने पूछताछ में बताया है कि रिश्वत की राशि अपने उच्च अधिकारियों तक भी पहुंचाता है, जो भिवाड़ी जीएसटी कार्यालय में ही कार्यरत हैं। अभी पूछताछ के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा।

आकाशीय बिजली गिरने से व्यक्ति की मौत

नागौर,03 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले के मेड़ता सिटी में मंगलवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा घोषी कॉलोनी में मकान निर्माण के दौरान हुआ, जिसमें 45 वर्षीय ओमप्रकाश की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। गंभीर रूप से घायल सीतादेवी और रामरतन का अस्पताल में इलाज जारी है। स्थानीय विधायक लक्ष्मण राम कलेरु ने घायलों का हालचाल लिया और मृतक के परिजनों को हर संभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। नागौर जिले के मेड़ता सिटी के पुलिस थाने के आगे घोषी कॉलोनी में मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान मंगलवार दोहपर करीब 04 बजे अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला सहित 2 अन्य लोग झुलस गए।

दो घंटे की बारिश में ही शहर बना तालाब

40 मिमी से अधिक हुई बारिश

कैथल,03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल में मंगलवार को शहर में महज दो घंटे तक ही हुई बारिश में शहर तालाब बन गया। ऐसे में बारिश के बाद पानी निकासी का कोई प्रबंध न होने से लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी। इस बारिश ने शहर में जिला प्रशासन की ओर से की गई पानी निकासी के दावों की पोल खोल दी। पानी की निकासी के पर्याप्त इंतजाम ना होने के चलते शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गईं। कई घंटों बाद तक बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाई। जगह–जगह जलभराव के कारण राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर में कई जगह पानी जमा होने से दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सीवर लाइन की सफाई न होने के कारण बंद होने पर गलियों और सड़कों पर जल जमाव हो गया। शहर के मुख्य चौक चौराहों और सड़कों के किनारे पानी इकट्ठा होने के कारण काफी समय तक आवागमन प्रभावित रहा। बाजारों में पानी के बहाव के कारण कई जगह मोटरसाइकिल व स्कूटी भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर पानी में बह गई। दुकानदार वाहनों को पानी से निकलते हुए दिखाई दिए। वहीं, दूसरी तरफ बारिश से मौसम सुहावना हो गया। मंगलवार को जिले में 40 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण पूरे शहर में करीब चार घंटे तक बिजली भी गुल हुई। इस दौरान लघु सचिवालय में आए लोगों के काम नहीं हो पाए। इस बारिश में पछेती फसलों को लाभ मिलेगा, इससे किसानों के चेहरे खिले हैं।

चित्तौड़ दुर्ग के सूरजकुंड में दर्शनार्थी डूबा

पांच घंटे की तलाश के बाद भी नहीं मिला सुराग

चित्तौड़गढ़,03 सितंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़ दुर्ग स्थित सूरज कुंड में सोमवार को एक दर्शनार्थी की डूबने से मौत हो गई। मृतक युवक मध्यप्रदेश के धार जिले से आया था, जो अपने 10–12 सदस्यीय ग्रुप के साथ धार्मिक यात्रा पर निकला हुआ था। इस ग्रुप ने खाटू श्याम और मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन किए थे, और इसी क्रम में चित्तौड़ दुर्ग पर स्थित कालिका माता मंदिर में भी दर्शन के लिए पहुंचे थे।

दुर्ग पर दर्शन के बाद ग्रुप के एक सदस्य ने सूरज कुंड में नहाने का निर्णय लिया। सूरज कुंड काफी गहरा है और लंबे समय से इसकी सफाई भी नहीं हुई है। जैसे ही युवक कुंड में उतरा, वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही दुर्ग के आस–पास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की। हालांकि, पांच घंटे की तलाश के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चल पाया था। कुंड की गहराई और उसकी सफाई न होने के कारण तलाश में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक युवक को नहीं ढूंढा जा सका था। इस घटना ने धार्मिक यात्रा पर निकले लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया है और यह हादसा सुरक्षात्मक उपायों की कमी की ओर भी इशारा करता है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और सूरज कुंड की सुरक्षा और सफाई के मुद्दे पर भी विचार किया जा रहा है।

जींद सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत

कुरुक्षेत्र,03 सितंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के गांव मरछेड़ी में आज सुबह से ही मातम का माहौल पसरा हुआ है। देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में गांव के आठ लोगों की मौत हो गई, जिसमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इस हादसे से पूरा गांव सन्न है और मृतकों के शवों के पहुंचने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। गांव की गलियां सूनी हो गई हैं, और हर कोई इस हादसे से गमगीन है। गांव में किसी के घर का चूल्हा तक नहीं जला है। हादसे में घायल हुए लोगों की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

गौरतलब है कि मरछेड़ी गांव के 15 लोग राजस्थान के गोगामेड़ी धाम पर पूजा–अर्चना करने के लिए निकले थे। लेकिन नरवाना के पास देर रात उनका वाहन एक बड़े हादसे का शिकार हो गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है। गांव के लोग अब मृतकों के अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे हैं, और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। हर किसी की आंखों में आंसू हैं, और सभी मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

करनाल में मुख्यमंत्री नायब सैनी का कांग्रेस और आपा पर हमला

कहा– जेजेपी नेताओं का भाजपा में स्वागत

करनाल,03 सितंबर (एजेंसियां)। करनाल के नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र के तरावड़ी में आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस और आप के संभावित गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और उनका गठबंधन पहले भी लोकसभा चुनावों में हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और आप खुद को ईमानदारी का चेहरा दिखाते हैं, लेकिन असलियत में उनका नकाब उतर जाता है और भ्रष्टाचार सामने आ जाता है। जनता अब इनके झूठ को समझ चुकी है और इनके बहकावे में नहीं आने वाली।

जेजेपी के विधायकों के अलग–अलग पार्टियों में शामिल होने के सवाल पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जेजेपी की नीतियां और सोच उनके खुद के लिए ही स्वीकार्य हैं। लंबे समय से उनके नेता घुटन महसूस कर रहे थे, और अब भाजपा में शामिल होकर उन्हें राहत मिली है। हमने उनका स्वागत किया है।

साबिर हत्याकांड का नौवां आरोपी भी गिरफ्तार

एक दिन के रिमांड पर लिया

चरखी दादरी,03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में पश्चिम बंगाल निवासी साबिर मलिक हत्याकांड में बाढड़ा थाना पुलिस ने 9वें आरोपी को भी काबू कर लिया है। आरोपी इंद्रवेश उर्फ टिंकू डालावास गांव का रहने वाला है और उसे पुलिस ने कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया है। बता दें कि 27 अगस्त को हंसावास खुर्द में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों की झुग्गियों में हंगामा हुआ था। वहां पहुंचे युवाओं का आरोप था कि प्रवासी परिवार संरक्षित पशु के प्रतिबंधित मांस का सेवन करते हैं। इस आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम दोनों पक्षों को थाने ले गई थी।

उसके कुछ देर बाद कुछ युवकों ने साबिर मलिक को कबाड़ बेचने के बहाने बुलाया और उसकी डंडों से पिटाई की। कुछ घंटे बाद ही साबिर मलिक का शव भांडवा गांव के पास से बरामद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से पांच को रिमांड अवधि पूरी होने पर सोमवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

मंत्री अशोक चौधरी की मुश्किलें बढ़ीं

विरोध में सड़कों पर उतरा भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के द्वारा भूमिहारों के ऊपर दिए गए विवादित बयान पर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। जनता दल यूनाइटेड पार्टी के अंदर से विरोध शुरू होकर विपक्ष के खेमे से होते हुए यह विरोध अब सड़क तक पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर भी लोग अशोक चौधरी को खूब ट्रोल कर रहे हैं। अलग-अलग जिलों में लोग सड़कों पर उतार आये हैं। भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट के लोग प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंत्री अशोक चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर के भगवानपुर चौक पर सैकड़ो की संख्या में जुटे भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने मंत्री अशोक चौधरी के खिलाफ न सिर्फ जमकर नारेबाजी की बल्कि बिहार सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भूमिहारों के ऊपर किए गए

अमर्यादित टिप्पणी पर अशोक चौधरी पर कार्रवाई नहीं करते हैं और अशोक चौधरी अपने बयान पर माफी नहीं मांगते हैं, तो अब पूरे बिहार में भूमिहार ब्राह्मण सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इसका खामियाजा आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में भी भुगतना पड़ेगा।

भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट के मुजफ्फरपुर और प्रदेश के महामंत्री धर्मवीर शुक्ला ने कहा जिस प्रकार से अशोक चौधरी ने बयान दिया है इसको भूमिहार समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अगर अशोक चौधरी माफी नहीं मांगते हैं, तो भूमिहार ब्राह्मण सामाजिक फ्रंट आगे की रणनीति तय करने के लिए स्वतंत्र है और इसका खामियाजा वर्तमान सरकार और केंद्र सरकार को भुगतना पड़ेगा।

इसी तरह का विरोध जहानाबाद में भी देखने को मिला, जहां राष्ट्रीय भूमिहार सेवा अभियान ने मंत्री अशोक चौधरी का पुतला दहन किया। राष्ट्रीय भूमिहार सेवा अभियान के लोगों ने खुलेआम चेतावनी देते हुए कहा कि अशोक चौधरी सरेआम माफी मांगे नहीं तो आने वाले दिनों में उनको जहानाबाद में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। मंत्री अशोक चौधरी ने भूमिहार समाज में एक तरफ बेटी देने का काम करते हैं तो दूसरे तरफ गाली देने का काम करते हैं। ऐसी स्थिति में भूमिहार समाज उनके द्वारा किए गए टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेगा। राष्ट्रीय भूमिहार सेवा अभियान के बैनर तले पुतला दहन कार्यक्रम में भारी संख्या में भूमिहार समाज के लोग भाग लिए। इस मौके पर भूमिहार समाज के लोगों ने साफ तौर पर कहा कि जनता दल यूनाइटेड के मंत्री अशोक चौधरी ने जिस तरह का बयान भूमिहार समाज पर दिया है इससे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी बदनामी हुई है। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस मामले को गंभीरता से लेकर अशोक चौधरी को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। इस मौके पर भूमिहार समाज के नेता ने कहा कि अशोक चौधरी भूमिहार को नजदीक से नहीं जाने हैं भूमिहार अगर अपने तेवर में आता है तो सरकार बदल देता है।

पांच साल की मासूम के साथ हैवानियत

हैवानों ने पहले सामूहिक दुष्कर्म किया फिर मारकर फेंक दी लाश

पटना (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले से पांच साल की बच्ची के साथ हैवानियत हुई है। हैवानों ने पहले उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया फिर उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना की सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस पहुंची और बच्ची के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं वारदात में शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह पूरा मामला सोमवार की रात्रि करीब दस बजे शेरघाटी थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक शेरघाटी थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच साल की बच्ची के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। वहीं गांव के ही दो आरोपी युवकों को पकड़ कर गांव वालों ने पुलिस को सौंप दिया। दोनों आरोपी युवकों ने

पुलिस और गांव वालों के सामने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपी गौतम और संदीप को गिरफ्तार कर लिया और थाने लाकर पुछताछ कर रही है।

इस संबंध में गांव वालों ने बताया कि सोमवार की रात्रि बच्ची अपने मां के साथ सो गयी थी। रात्रि करीब दस बजे गांव के दो युवक बच्ची को उठा कर ले गया। कुछ देर में मां की आंख खुली तो बच्ची को खोजने लगी। इसी दौरान बच्ची की बड़ी बहन शौच के लिए नदी किनारे गई थी और कुछ युवकों को देख कर शोर मचाने लगी। गांव वालों ने गांव के ही दो युवक गौतम और संदीप को पकड़ लिया। उधर गांव वाले और परिजन बच्ची को खोज रहे थे। इसी बीच नदी किनारे बच्ची की लाश पड़ी थी। गांव वालों ने दोनों युवकों की पिटाई की तो आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। घटना की सूचना के बाद शेरघाटी थाना की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। साथ ही गांव वालों ने दोनों आर-ोपी युवक को पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में थाने की पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

लोजपा में टूट की चर्चा पर बोले चिराग के सांसद

ये महागठबंधन और आरजेडी की झूठी स्क्रिप्ट

सहरसा (एजेंसियां)। एनडीए गठबंधन के घटक दल के खगड़िया लोकसभा के लोजपा रामविलास के सांसद राजेश वर्मा ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी में टूट की बात पूरी तरह से अफवाह और आधारहीन हैं। यह पूरी तरह से महागठबंधन और आरजेडी के द्वारा लिखी गई झूठी स्क्रिप्ट है। इस स्क्रिप्ट का कोई असर नहीं पड़ने वाला है। सिर्फ मीडिया में आने के लिए और अपने प्रवक्ताओं से मीडिया में बयान दिलाने के लिए यह लिखी गई स्क्रिप्ट हैं।

उन्होंने कहा कि वास्तविकता यही है कि हम लोग पूरी मजबूती के साथ अपने नेता चिराग पासवान के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वह खुद का

राजनीतिक कैरियर पांच साल ही देखे, लेकिन पार्टी के साथ दगाबाजी संभव नहीं है। वह मजबूती से अपने नेता चिराग पासवान के साथ कल भी थे, आज और कल भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनको राजनीतिक पहचान चिराग पासवान ने ही दी है तो फिर उनके साथ ईमानदार नहीं रहूंगा तो किसके साथ रहूंगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कभी भी चिराग पासवान ने पार्टी और एनडीए का विरोध नहीं किया है। वह कुछ बाते सुझाव के रूप में रखी है। जिस पर प्रधानमंत्री ने भी कई बातों पर अमल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सुझाव तो देना ही चाहिए। यदि सरकार की तरफ से कुछ गलत हो रहा है तो उस पर अपना सुझाव हमेशा घटक दलों को रखना चाहिए।

यदि उनका सुझाव सही था तभी तो सरकार ने भी अमल किया। झारखंड में भी पार्टी का विस्तार हुआ है। लगभग आधी सीट पर पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। लगभग 40 सीटों पर वैसे उम्मीदवार जो वर्षों से पार्टी के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं, उन्हें मौका देगी।

पढ़ाई करने के दौरान स्कूल में बच्चे की मौत

वैशाली (एजेंसियां)। छात्र की मौत के बाद स्कूल में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। घटना की सूचना जैसे ही स्कूल के आस पास के लोगों को लगी तो देखते ही देखते स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्रा के परिजन भागे भागे स्कूल पहुंचकर अपने अपने बच्चों की खोजबीन में जुट गए। हालांकि की स्कूल शिक्षक द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया है।

बच्चें के साथ पढ़ने वाले अन्य छात्रों ने बताया की वो पिछले कई दिनों से लगातार बीमार चल रहा था और पेट दर्द की बात कहता रहता था। अस्वस्थ रहने के कारण खाना घर से नहीं खाकर आया था जो दोस्तों से बताया था। वहीं स्कूल में पहुंचे छात्र के परिवार वालों के द्वारा स्कूल में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया।

बुजुर्ग दंपत्ति की दयनीय स्थिति सुनकर रो पड़े सांसद पप्पू यादव

तत्काल की आर्थिक मदद, वीडियो वायरल

पूर्णिया (एजेंसियां)। बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि उन्होंने बेरोजगारी के कारण लोन लेकर एक पिकअप खरीदा था, लेकिन कस्टम विभाग के अधिकारी ने उनसे छीन लिया और अब वे भूखे मर रहे हैं। सांसद पप्पू यादव ने तत्काल उनकी 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद की ताकि वे अपनी आजीविका चला सकें।

पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने एक बार फिर से अपनी मानवता और संवेदनशीलता का परिचय दिया है। एक बुजुर्ग दंपत्ति की दयनीय स्थिति सुनकर उन्होंने अपने आंसू नहीं रोक पाए और तत्काल उनकी आर्थिक मदद की।यह वीडियो पूर्णिया के अर्जुन भवन सांसद कार्यालय की है, जहां सुपौल निवासी बुजुर्ग दंपत्ति ने 117 किलोमीटर दूर से साइकिल

चलाकर दो दिन में पहुंचे थे।

पप्पू यादव ने कहा मैंने सोमवार सुबह एक बुजुर्ग दंपत्ति की दयनीय स्थिति देखी और सुनी। वे 117 किलोमीटर दूर सुपौल जिले से साइकिल चलाकर मेरे पास पहुंचे थे। उन्होंने बेरोजगारी के कारण लोन लेकर एक पिकअप खरीदा था, लेकिन कस्टम विभाग के अधिकारी ने उनसे छीन लिया और अब वे भूखे मर रहे हैं।

मैंने तत्काल उनकी 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद की ताकि वे अपनी आजीविका चला सकें। मैं हर जरूरतमंद की मदद के लिए प्रतिबद्ध हूं, लेकिन कुछ लोग मानसिक गुलामी करने वाले सेवा का महत्व कभी समझ नहीं पाएंगे। उनके नेता कभी किसी की मदद तो छोड़िए, उल्टे गरीबों का निवाला तक छीनने में लगे रहते हैं। मैं ऐसे लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा।

लाल यादव ने बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर निशाना साधा

अब कान पकड़वा कर दंड बैठक कराएंगे इन्हें

पटना (एजेंसियां)। महागठबंधन पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रही है। दो दिन पहले राष्ट्रीय जनता दल ने पूरे बिहार जाति जनगणना और बिहार को 65 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। तेजस्वी यादव भी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। अब राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लाल प्रसाद यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सिंगापुर से लौटते ही भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर लिखा कि इन आरएसएस और भाजपा वालों से कान पकड़कर दंड बैठक करावएंगे। अगर जातिगत जनगणना कराएंगे।

लालू ने सवाल पूछते हुए लिखा कि इनकी (एनडीए सरकार) क्या औक़ात है जो यह जातिगत जनगणना नहीं करायेंगे? उन्होंने चेतावनी देते हुए लिखा कि इनको इतना मजबूर करेंगे कि इन्हें जातिगत जनगणना करना ही पड़ेगा। दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब का एकता दिखाने का समय अब आ चुका है। वहीं लालू प्रसाद के बयान के बाद सियासत शुरू हो गई है। बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि लालू क्या थे? किस हैसियत से जाति गणना करवाते? यह सवाल लालू यादव से पूछना चाहिए।

मकसूदपुर गांव में भेड़ियों का आतंक

300 साल पुराने किले को बनाया ठिकाना अबतक कई लोगों को किया घायल

पटना (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच के बाद बिहार के इस गांव में भी भेड़ियों के आतंक से लोग डरे और सहमे है। भेड़िया के हमले की डर से ग्रामीण शाम होते ही अपने-अपने घरों में बंद हो जाते है। भेड़िया ने अब तक चार लोगों पर हमला कर लहूलुहान कर दिया है। वहीं कई मवेशियों पर भी हमला कर जख्मी कर दिया है। यह पूरा मामला गया जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र में स्थित मकसूदपुर गांव की है। तीन सौ साल से अधिक पुराना मकसूदपुर किला इन दिनों भेड़ियों का ठिकाना बना हुआ है।

इस संबंध में मकसूदपुर गांव के रहने वाले सतीश कुमार ने बताया कि करीब 10 दिनों से मकसूदपुर किला से भेड़िया समूह में निकल रहा है। भेड़ियों के डर से लोग शाम होते ही घरों में दुबक जाते हैं। उन्होंने बताया कि रविवार की रात गांव का एक युवक बाहर निकला था। इस दौरान चार से पांच भेड़ियों ने युवक पर हमला

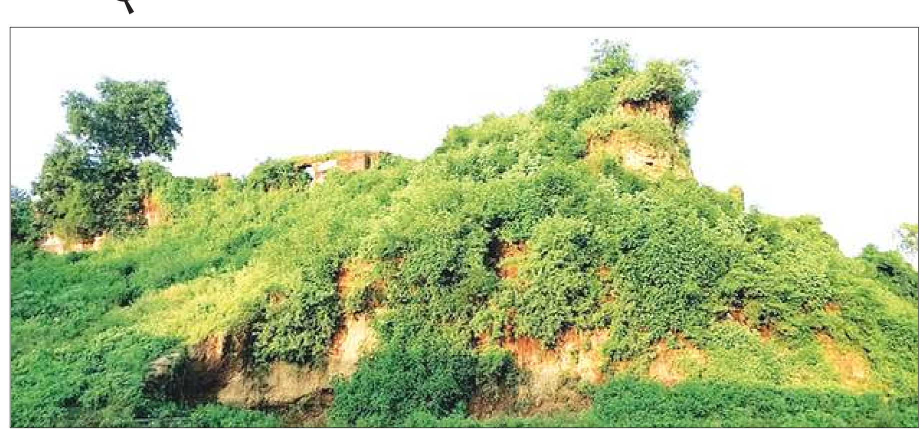

कर दिया। भेड़ियों के हमला के सूचना के बाद गांव के लोगों ने घेर कर एक भेड़िया को लाठी डंडे से पीट-पीट कर मार डाला।

वहीं मकसूदपुर गांव में भेड़ियों के आतंक की खबर के बाद वन विभाग की टीम गांव पहुंची है। पूरी जानकारी लेने के बाद वन विभाग की टीम भेड़ियों को पकड़ने के लिए पिंजरा का सहारा ले रहे हैं। भेड़ियों को आने वाले स्थानों पर पिंजरा लगाया गया है। पिंजरे के अंदर चिकेन का टुकड़ा लटकाया गया है। ताकि भेड़िया आए और खाने के लालच में पिंजरे में फंस जाए। वन विभाग के पहल से गांव वाले संतुष्ट नहीं हैं। उन लोगों का कहना है कि भेड़िया समूह में आते हैं, ऐसे में मात्र एक पिंजरे से क्या होगा।

भेड़ियों के हमले में घायल हुई महिला देवंती देवी ने बताया कि घर के बाहर पानी भरने गए थे। इस दौरान भेड़ियों ने हमला कर दिया। भेड़ियों के हमले में घायल हो गए। जब हल्ला करने लगे तो गांव वाले निकले। काफी संख्या में गांव वालों को देख कर भेड़िया भाग गया। घटना के बाद गांव में शाम होते ही घर में बंद हो जाते है। भेड़ियों के आतंक से घर के बाहर डंडा लेकर खड़ा रहना पड़ रहा है।फिलहाल गांव वाले डरे और सहमे हुए हैं। भेड़ियों ने गांव के पांच मवेशियों को अपना शिकार बनाया था। भेड़ियों के हमले में पांच मवेशी घायल हो गए। मवेशियों पर हमला के बाद ग्रामीणों ने एक भेड़िया को लाठी डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। भेड़िया को मार रहे थे, उस दौरान कुछ लोग वीडियो बना रहे थे।

तीन दिन से लापता युवक का रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव

सीसीटीवी फुटेज वायरल, पुलिस जांच में जुटी

सहरसा (एजेंसियां)। सहरसा सदर थाना क्षेत्र के हटिया गाछी स्थित लीची बगान के पास एक युवक का शव मिला है। शव की पहचान शहर के विद्यापति नगर गंगजला निवासी आशा सिंह और अजीत सिंह के पुत्र निखिल आनंद के रूप में हुई है। शव बरामद होने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, हालांकि छानबीन में पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा। जिसके बाद ट्रेन से कटने की बात की पुष्टि हुई है।

सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि यह एक्सीडेंट है, हत्या की कोई बात नहीं है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मालूम हो कि मृतक की माता आशा सिंह ने सदर थाना में अपनी पुत्र के लापता होने की जानकारी देकर प्रथिमिकी दर्ज कराई थी। दिए आवेदन में उन्होंने कहा था कि

मेरा पुत्र निखिल आनंद जो शनिवार 31 अगस्त की रात्री करीब 10 बजे अपने आवास से ये बोल कर निकला कि 10 मिनट में आते हैं जो कि दो सितंबर के दिन एक बजे तक घर वापस नहीं आया।

काफी खोजबीन किया और फोन भी किया फोन रिसिव नहीं करता है। सारे रिश्तेदारों एवं मित्रों को भी फोन करके पूछा तो किसी ने यह नहीं कहा कि वह हमारे पास आया या है और न किसी से फोन पर बात किया है। शव मिलने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। लोग घटना के पीछे का कारण जानने के लिए काफी मशक्कत करते नजर आए। हालांकि परिजनों के स्थिर होने और मोबाइल अनुसंधान के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com